पुना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

विषय - हिंदी	पाठ का नाम	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI	
अप्रैल माह का पाठ्यक्रम	पाठ 1 राख की रस्सी पाठ 2 फसलों का त्यौहार	पाठ 1 भाषा और व्याकरण	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर	

पाठ 1 राख की रस्सी

कठिन शब्द --

1 संस्कृति

2 खिलौने

3 मिट्टी

4 धार्मिक

5 मशीनों

6 त्यौहार

7 वेशभूषा

8 चकारियां

9 शीर्षक

10 पुस्तके

11 स्मारक

12 समझदारी

13 धूमधाम

14 रस्सी

15 पत्थर

प्रश्न 1 -तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के भोलेपन से चिंतित रहते थे।

(क) तुम्हारे विचार से वे किन-किन बातों के बारे में सोचकर परेशान होते हैं?

अथवा

(ख) तुम तिब्बत के मंत्री की जगह होती तो क्या उपाय करती?

(क) तिब्बत के मंत्री का बेटा बहुत सीधा-सादा व भोला था। उसे होशियारी छूकर भी नहीं गई थी। इसलिए वह परेशान रहते कि मेरे बाद इसका क्या होगा।

(ख) यदि मैं तिब्बत के मंत्री की जगह होती तो बेटे को बहुत प्यार व समझदारी से समझती और समझदारी से काम करने के लिए प्रेरित करती।

"मंत्री ने अपने बेटे को शहर की तरफ़ रवाना किया।"

प्रश्न 2 मंत्री ने अपने बेटे को शहर क्यों भेजा था?

अथवा

प्रश्न - उसने अपने बेटे को भेड़ों के साथ शहर में ही क्यों भेजा?

(ग) तुम्हारे घर के बड़े लोग पहले कहाँ रहते थे? घर में पता करो। आस-पड़ोस में भी किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में पता करो जो किसी दूसरी जगह जाकर बस गया हो। उनसे बताचीत करो और जानने की कोशिश करो कि क्या वे अपने निर्णय से खुश हैं। क्यों? एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे से बात करो। यह भी पूछो कि उन्होंने वह जगह क्यों छोड़ दी ?

(क) मंत्री ने अपने बेटे को शहर में पैसे कमाने के लिए भेजा था। उसने अपने बेटे को सौ भेड़ों दीं। उसने भेड़ें देकर कहा कि इन भेड़ों को मारना या बेचना नहीं है। इन्हें वापस लाना और साथ में जौ के सौ बौरे भी लाना। मंत्री जानता था कि यदि उसका बेटा यह कार्य करने में सफल हो गया तो उसके बेटे को शहर व दुनियादारी की समझ आ जाएगी।

(ख) मंत्री ने अपने बेटे को शहर इसलिए भेजा ताकि वहाँ की समझदारी, चालाकी, काम करने का तरीका उसके बेटे को समझ में आ सके।

(ग) पहले मेरे दादाजी उत्तराखण्ड के गाँव में रहते थे। वे वहीं के निवासी थे। काम की तलाश में उन्हें गाँव से शहर आना पड़ा था। मेरे पिताजी का जन्म भी गाँव में हुआ था। परन्तु पिताजी की अच्छी पढ़ाई के लिए दादाजी उन्हें भी अपने साथ शहर ले लाए। तबसे लेकर अब तक वे सब शहर दिल्ली में रहते हैं। हमारे पड़ोस में एक दक्षिण भारतीय परिवार रहता है। उनका घर तमिलनाडु के एक गाँव में है। उनका परिवार छोटा है। उन्हें भी नौकरी की तलाश में दिल्ली में आना पड़ा। मैंने उनके परिवार के सारे सदस्यों से बात की है। उनका उत्तर यहाँ पर लिख रही हूँ। पहले वे यहाँ आकर थोड़े दुखी थे क्योंकि उनके सभी सगे-संबंधी वहीं रहते हैं। वे दिल्ली जैसे शहर में अकेले हैं। आरंभ में उन्हें यहाँ बहुत परेशानी हुई क्योंकि उन्हें हिन्दी नहीं आती थी। परन्तु धीरे-धीरे उन्होंने हिन्दी सीख ली हैं। अब वे सब खुश हैं। यहाँ आकर उन्हें वे सब सुख-सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं, जो उनके गाँव में नहीं थी।

प्रश्न 2.

"जौ' एक तरह का अनाज है जिसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसकी रोटी बनाई जाती है, सत्तू बनाया जाता है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है। अपने घर में और स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाजों के नाम पता करो।

उत्तर:

गेहूँ	**जौ**
मक्का	**धान**
बाजरा	**ज्वार**

प्रश्न 3.

गेहूँ और जौ अनाज होते हैं और ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूँ' और 'जौ' अलग-अलग किस्म के अनाजों के नाम हैं इसलिए ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं और 'अनाज' जातिवाचक संज्ञा है। इसी प्रकार 'रिमझिम' व्यक्तिवाचक संज्ञा है। और 'पाठ्यपुस्तक' जातिवाचक संज्ञा है।

(क) नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार की संज्ञाओं में करो|

लेह	धातु	शेरवानी	भोजन
ताँबा	खिचड़ी	शहर	वेशभूषा

(ख) ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन-तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ खुद सोचकर लिखो। उत्तर:

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा : • लेह • शेरवानी • ताँबा • खिचड़ी

जातिवाचक संज्ञा : • धातु • भोजन • शहर • वेशभूषा

(ख)

- शहर – कोलकाता, पटना, चेन्नई।
- वेशभूषा – कमीज, टाई, सलवार।
- धातु – लोहा, सोना, चाँदी।
- भोजन – चावल, दाल, रोटी।

तुम सेर, मैं सवा सेर

प्रश्न 1.

इस लड़की का तो सभी लोहा मान गए। था न सचमुच नहले पर दहला! तुम्हें भी यही करना होगा। तुम ऐसा कोई काम ढूंढो जिसे करने के लिए सूझबूझ की ज़रूरत हो। उसे एक कागज़ में लिखो और तुम सभी अपनी-अपनी चिट को एक डिब्बे में डाल दो। डिब्बे को बीच में रखकर उसके चारों ओर गोलाई में बैठ जाओ। अब एक-एक करके आओ, उस डिब्बे से एक चिट निकालकर पढ़ो और उसके लिए कोई उपाय सुझाओ। जिस बच्चे ने सबसे ज़्यादा उपाय सुझाए वह तुम्हारी कक्षा का 'बीरबल होगा।

उत्तर:
स्वयं करें

प्रश्न 2.
मंत्री ने बेटे से कहा, "पिछली बार भेड़ों के बाल उतार कर बेचना मुझे जरा भी पसंद नहीं आया।" क्या मंत्री को । सचमुच यह बात पसंद नहीं आई थी? अपने उत्तर: का कारण भी बताओ।

प्रश्न 2.
"जौ' एक तरह का अनाज है जिसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसकी रोटी बनाई जाती है, सत्तू बनाया जाता है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है। अपने घर में और स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाजों के नाम पता करो।
उत्तर:

गेहूँ	जौ
मक्का	धान
बाजरा	ज्वार

प्रश्न 3.
गेहूँ और जौ अनाज होते हैं और ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूँ' और 'जौ' अलग-अलग किस्म के अनाजों के नाम हैं इसलिए ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं और 'अनाज' जातिवाचक संज्ञा है। इसी प्रकार 'रिमझिम' व्यक्तिवाचक संज्ञा है। और 'पाठ्यपुस्तक' जातिवाचक संज्ञा है।
(क) नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार की संज्ञाओं में करो|

लेह	धातु	शेरवानी	भोजन
ताँबा	खिचड़ी	शहर	वेशभूषा

(ख) ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन-तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ खुद सोचकर लिखो। उत्तर:

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा : • लेह • शेरवानी • ताँबा • खिचड़ी
जातिवाचक संज्ञा : • धातु • भोजन • शहर • वेशभूषा
(ख)

- शहर – कोलकाता, पटना, चेन्नई।
- वेशभूषा – कमीज, टाई, सलवार।
- धातु – लोहा, सोना, चाँदी।
- भोजन – चावल, दाल, रोटी।

तुम सेर, मैं सवा सेर

प्रश्न 1.
इस लड़की का तो सभी लोहा मान गए। था न सचमुच नहले पर दहला! तुम्हें भी यही करना होगा। तुम ऐसा कोई काम ढूंढो जिसे करने के लिए सूझबूझ की ज़रूरत हो। उसे एक कागज़ में लिखो और तुम सभी अपनी-अपनी चिट को एक डिब्बे में डाल दो। डिब्बे को बीच में रखकर उसके चारों ओर गोलाई में बैठ जाओ। अब एक-एक करके आओ, उस डिब्बे से एक चिट निकालकर पढ़ो और उसके लिए कोई उपाय सुझाओ। जिस बच्चे ने सबसे ज़्यादा उपाय सुझाए वह तुम्हारी कक्षा का 'बीरबल होगा।
उत्तर:
स्वयं करें

प्रश्न 2.
मंत्री ने बेटे से कहा, "पिछली बार भेड़ों के बाल उतार कर बेचना मुझे जरा भी पसंद नहीं आया।" क्या मंत्री को । सचमुच यह बात पसंद नहीं आई थी? अपने उत्तर: का कारण भी बताओ।

उत्तर:
मंत्री को यह बात जरूर पसंद आई होगी। लेकिन इसमें उसके बेटे का कोई योगदान नहीं था। इसीलिए उसने खुशी जाहिर नहीं की और दोबारा उन्हीं भेड़ों के साथ उसे शहर भेज दिया ताकि उसे अपनी होशियारी दिखाने का एक और अवसर मिले।

सींग और जौ

पहली बार में मंत्री के बेटे ने भेड़ों के बाल बेच दिए और दूसरी बार में भेड़ों के सींग बेच डाले। जिन लोगों ने ये चीजें खरीदी होंगी, उन्होंने भेड़ों के बालों और सींगों का क्या किया होगा? अपनी कल्पना से बताओ।

उत्तर:

भेड़ों के बालों से उन्होंने ऊन बनाई होगी और ऊन से गरम कपड़े जैसे, शॉल। भेड़ों के सींगों से उन्होंने सजावट की चीजें बनाई होंगी।

बात को कहने के तरीके

प्रश्न 1.

नीचे कहानी से कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन बातों को तुम किस तरह से कह सकती हो–

(क) चैन से जिंदगी चल रही थी।

(ख) होशियारी उसे छूकर भी नहीं गई थी।

(ग) मैं इसका हल निकाल देती हूँ।

(घ) उनकी अपनी चालाकी धरी रह गई।

उत्तर:

(क) शांतिपूर्ण ढंग से जीवन कट रहा था।

(ख) वह बिल्कुल होशियार नहीं था।

(ग) मैं इसका उपाय बताती हूँ।

(घ) उनकी अपनी चालाकी काम नहीं आई।

प्रश्न 2.

'लोनपोगार का बेटा होशियार नहीं था।

(क) 'होशियार' और 'चालाक' में क्या फ़र्क होता है? किस आधार पर किसी को तुम चालाक या होशियार कह | सकती हो? इसी प्रकार 'भोला' और 'बुद्ध के बारे में भी सोचो और कक्षा में चर्चा करो।

(ख) लड़की को तुम 'समझदार' कहोगी यो 'बुद्धिमान'? क्यों?

उत्तर:

(क) 'होशियार' शब्द का प्रयोग सकारात्मक अर्थ में (अच्छे अर्थ में) होता है। इसका मतलब है समझदार। लेकिन 'चालाक' शब्द का प्रयोग नकारात्मक अर्थ में (खराब या बुरे अर्थ में) होता है। इसका मतलब है। चतुर।

"भोला' शब्द का अर्थ होता है सीधा-सादा। अगर कोई व्यक्ति भोला है इसका मतलब यह नहीं कि वह मूर्ख है। वह जानकार और पढ़ा-लिखा है किन्तु हृदय से सीधा है। 'बुद्ध' शब्द का अर्थ है मूर्ख या बेवकूफ।।

(ख) लड़की बुद्धिमान थी। उसने अपनी बुद्धि से एक मंत्री को इतना प्रभावित किया कि उसने अपने बेटे से उसकी शादी कर दी।

नाम दो -

कहानी में लोनपोगार के बेटे और लड़की को कोई नाम नहीं दिया गया है। नीचे तिब्बत में क्च्चों के नामकरण के. बारे में बताया गया है। यह परिचय पढ़ो और मनपसंद नाम छाँटकर बेटे और लड़की को कोई नाम दो।

नायिमा, डावा, मिगमार, लाखपा, नुखू, फू दोरजे ये क्या हैं? कोई खाने की चीज या घूमने की जगहों के नाम। जी नहीं, ये हैं तिब्बती बच्चों के कुछ नाम। ये सारे नाम तिब्बत में शुभ माने जाते हैं। 'नायिमा' नाम दिया जाता है रविवार को जन्म लेने वाले बच्चों को मानते हैं कि इससे बच्चे को उस दिन के देवता सूरज जैसी शक्ति मिलेगी और जब-जब उसका नाम पुकारा जाएगा, यह शक्ति बढ़ती जाएगी। सोमवार को जन्म लेने वाले बच्चों का नाम 'डावा' रखा जाता है। यह लड़का-लड़की दोनों को नाम हो सकता है। तिब्बती भाषा में डावा के दो मतलब होते हैं, सोमवार और चाँद । यानी डावा चाँद जैसी रोशनी फैलाएगी और अँधेरा दूर करेगी। तिब्बत में बुद्ध के स्त्री-पुरुष रूपों पर भी नामकरण करते हैं खासकर दोलमा नाम बहुत मिलता है। यह बुद्ध के स्त्री रूप तारा का ही तिब्बती नाम है।

उत्तर:

बेटे का नाम – मिगमार

लड़की का नाम – डावा

पाठ 2 फसलों का त्यौहार

2 पाठ्यपुस्तक से--

मौसम का अंदाज़

प्रश्न 1.

"खिचड़ी में अइसन जाड़ा हम पहिले कब्बो ना देखनीं ।"

यहाँ 'खिचड़ी' से क्या मतलब निकाल रही हो? ।

उत्तर:

यहाँ 'खिचड़ी' से मतलब मकर संक्रांति नामक त्योहार से है।

प्रश्न 2.

क्या कभी ऐसा हो सकता है कि सूरज बिल्कुल ही न निकले?

अगर ऐसा हो तो चारों तरफ अंधेरा छा जाएगा। ठंड बढ़ जाएगी। लोगों के लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा। जीवन की रफ्तार थम-सी जाएगी। अपने साथियों के साथ बातचीत करके लिखो।

उत्तर:

स्वयं करें।

प्रश्न 3.

बाहर देखने से समय का अंदा क्यों नहीं हो रहा था? जिनके पास घड़ी नहीं होती वे समय का अनुमान किस तरह से लगाते हैं?

उत्तर:

बाहर देखने से समय का अंदाजा इसलिए नहीं हो रहा था क्योंकि सूरज नहीं निकला था। जिनके पास घड़ी नहीं होती वे समय का अंदाजा सूरज की गति और उसकी चमक से लगाते हैं। तुम्हारी जुबान

(क) "आज ई लोग के उठे के नईखे का?"

(ख) "जा भाग के देख केरा के पत्ता आइल की ना?"

इन वाक्यों को अपने घर की भाषा में लिखो।

उत्तर:

(क) आज ये लोग उठेंगे नहीं क्या?

(ख) दौड़ कर जाओ और देखो कि केला का पत्ता आया कि नहीं।

भारत तेरे रंग अनेक

प्रश्न 1.

विविधता हमारे देश की पहचान है। फसलों का त्योहार हमारे देश के विविध रंग-रूपों का एक उदाहरण है। नीचे विविधता के कुछ और उदाहरण दिए गए हैं। पाँच-पाँच बच्चों का समूह एक-

एक उदाहरण लें और उस पर जानकारी इकट्ठी करे। (जानकारी चित्र, फोटोग्राफ, कहानी, कविता, सूचनापरक सामग्री के रूप में हो सकती है।) हर समूह इस जानकारी को कक्षा में प्रस्तुत करे।

- भाषा
- कपड़े
- नया वर्ष
- भोजन
- लोक कला
- लोक संगीत

उत्तर:

- भाषा-भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। उदाहरण के लिए हिन्दी, मराठी, पंजाबी, कन्नड़, तेलुगू आदि। हिन्दी यहाँ की मुख्य भाषा है क्योंकि यह अधिकतम लोगों द्वारा बोली जाती है। यह हमारी राष्ट्र भाषा भी है।
- कपड़े-यहां के लोग विविध प्रकार के कपड़े पहनते हैं। उदाहरण के लिए दक्षिण भारत में लुंगी पहनी जाती है, उत्तर: भारत में सलवार-कमीज, घाघरा-चोली, कुर्ता-पायजामा आदि पहने जाते हैं।
- नया वर्ष-हिन्दी कैलेंडर के अनुसार नया वर्ष होली के दिन होता है। यह भिन्न-भिन्न प्रदेशों में भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है।
- भोजन-यहाँ भोजन में विविधता देखने को मिलती है। दक्षिण भारत में इडली-डोसा मशहूर है तो उत्तर: भारत | में चावल-दाल, रोटी, सब्जी, राजमा आदि पसंद से खाए-खिलाए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में चाक्ल-मछली बड़े शौक से खाया जाता है।

प्रश्न 2. तुम्हें कौन-सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है और क्यों? इस दिन तुम्हारी दिनचर्या क्या रहती है?

उत्तर:

होली का त्योहार मुझे सबसे अच्छा लगता है क्योंकि इस दिन लोग ऊँच-नीच का विचार भूलकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं और खुशियाँ मनाते हैं। इस दिन मैं सुबह से ही काफी सक्रिय रहता

हूँ। तरह-तरह की पिचकारियों में रंग भरकर लोगों पर फेंकता हूँ। स्वादिष्ट पकवान खाता हूँ। नये कपड़े पहनता हूँ।

अन्न के बारे में

(क) फ़सल के त्योहार पर 'तिल' का बहुत महत्व होता है। तिल का किन-किन रूपों में इस्तेमाल किया जाता है? पता करो।
(ख) तुम जानती हो कि तिल से तेल बनता है? और किन चीज़ों से तेल बनता है और कैसे? हो सके तो तेल की दुकान में जाकर पूछो।
उत्तर:
(क) तिल से तिलकुट, रेवड़ियाँ और गज्जक जैसी मिठाइयाँ बनाई जाती हैं।
(ख) तिल के अलावा सरसों, राई, सोयाबीन, सूरजमुखी, मूंगफली आदि से तेल बनाया जाता है।

किसान और चीजों का सफर
किसान और खेती हममें से बहुत से लोगों की जानी-पहचानी दुनिया का हिस्सा नहीं है। विशेष रूप से शहर के ज्यादातर लोगों को यह अहसास नहीं है कि हमारी जिंदगी किस हद तक इनसे जुड़ी हुई है। देश के कई हिस्सों में आज किसानों को जिंदा रहने के लिए बहुत मेहनत और संघर्ष करना पड़ रहा है। अगर यह जानने की कोशिश | करें कि हम दिनभर जो चीजें खाते हैं वे कहाँ से आती हैं तो किसानों की हमारी जिंदगी में भूमिका को हम समझ पाएँगे। आलू की पकौड़ी, बर्फी और आइसक्रीम- इन तीन चीज़ों के बारे में नीचे दिए बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जानकारी इकट्ठी करो और 'मेरी कहानी'' के रूप में उसे लिखो।

- किन चीज़ों से बनती है?
- इन चीज़ों का जन्म कहाँ होता है?
- हम तक पहुँचने का उनका सफ़र क्या है?
- किन-किन हाथों से होकर हम तक पहुँचती है?
- इस पूरे सफर में किन लोगों की कितनी मेहनत लगती है?
- इन लोगों में से किसको कितना मुनाफा मिलता है?

अगले वर्ष कक्षा छह में सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन के बारे में पढ़ोगी तो ऊपर लिखे सफर में शामिल लोगों की दिनचर्या पता करने का मौका भी मिलेगा।

उत्तर:

आलू की पकौड़ी–यह आलू और बेसन से बनती है। आलू को गोल–गोल काटकर बेसन के गाढ़े घोल में लपेटकर तेल में तल दिया जाता है।

बर्फी–यह दूध के खोये में चीनी मिलाकर बनाया जाता है।

आइसक्रीम दूध में आइसक्रीम पावडर और चीनी डालकर गाढ़ा होने तक खौलाया जाता है। फिर उसे ठंडा होने के लिए छोड़ दिया जाता है। उसके बाद छोटे–छोटे प्लास्टिक के बर्तनों में डालकर फ्रीज में रख दिया जाता है।

खास पकवान

1. 'गया' शहर तिलकुट के लिए भी प्रसिद्ध है। हमारे देश में छोटी–बड़ी ऐसी कई जगहें हैं जो अपने खास पकवान के लिए मशहूर हैं। अपने परिवार के लोगों से पता करके उनके बारे में बताओ।

2. पिछले दो वर्षों में तुमने 'काम वाले शब्दों के बारे में जाना।

इन शब्दों को क्रिया भी कहते हैं क्योंकि क्रिया का संबंध कोई काम करने से है। नीचे खिचड़ी बनाने की विधि दी गई है। इसमें बीच–बीच में कुछ क्रियाएँ छूट गई हैं। उचित क्रियाओं का प्रयोग करते हुए इसे पूरा करो।

उत्तर:

विधि–इलायची, दालचीनी और लौंग में थोड़ा–थोड़ा पानी (एक छोटा चम्मच) डालते हुए पीस लो। अदरक और लहसुन को इकट्ठा पीसकर पेस्ट बनाओ। दाल को कड़ाही में डालो और मध्यम आँच पर सुनहरी भूरी होने तक भून लो। अब चावल निकाल कर धो लो। तेल को कुकर में डालकर गरम करो। तेल गरम हो जाने पर तेज पत्ते और जीरा डालो। जीरा जब चटकने लगे तो प्याज़ डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनो। अब अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ मिनट भूनो। भुनी हुई दाल, चावल और सब्ज़ी डालो और अच्छी तरह मिलाओ। शेष पानी (चार प्याले) डालकर एक बार चलाओ। कुकर बंद करो। तेज़ आँच पर पूर्ण प्रेशर आने दो। अब आँच कम करके चार मिनट तक पकाओ। भाप निकल जाने पर कुकर खोलो, मसालों का पेस्ट मिलाओ। खिचुरी पर घी, हींग, जीरा, साबुत लाल मिर्च से छौंक कर परोसो गरमागरम।

छुटटी के दिन घर में ऐसी खिचड़ी बनाने में बड़ों की मदद करो।

खाने से जुड़ी कुछ अन्य क्रियाएँ भी सोचो।

व्याकरण भाग --- पाठ 1 भाषा और व्याकरण

वह साधन जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाता है और दूसरों के विचारों को सुनकर अथवा पढ़कर समझाता है, भाषा कहलाता है।

बातचीत करना – लिखना – सुनना – पढ़ना

पशु-पक्षी भी अनेक प्रकार की ध्वनियाँ निकाल कर अपने भावों का आदान-प्रदान करते हैं, किंतु उन ध्वनियों को भाषा नहीं कहा जाता। केवल मनुष्य भाषा बोलते हैं। हमारे जीवन में भाषा का बहुत महत्व है। सोचो, यदि भाषा न हो तो क्या स्थिति होगी। हम अपने मन की बात दूसरों तक कैसे पहुँचाएँगे या दूसरों के विचार कैसे जानेंगे। भाषा के बिना तो हम सब गूंगे हो जाएंगे।

भाषा के रूप हम बोलकर और लिखकर अपने विचार प्रकट करते हैं। इस प्रकार भाषा के दो रूप होते हैं:

- 1. मौखिक भाषा
- 2. लिखित भाषा

---

1. मौखिक भाषाः यह भाषा का वह रूप है जिसे हम मुँह से बोलते हैं और कानों से सुनकर समझते हैं। जैसे- बातचीत, भाषण, कहनी, सुनना आदि।

2. लिखित भाषा: यह भाषा का वह रूप है जिसे लिखकर प्रकट किया जाए और पढ़कर समझा जाए। जैसे- पत्र-लेखन, निबंध-लेखन, समाचार-पत्र, पुस्तक पढ़ना आदि।

हम जानते हैं कि भारत में बहुत-सी भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे-कश्मीर में कश्मीरी, बंगाल में बांग्ला, केरल में मलयालम, उड़ीसा में उड़िया, गुजरात में गुजराती, मध्य प्रदेश में हिंदी आदि। इसी तरह संसार के अलग-अलग देशों में भी अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं।

लिपि

भाषा को संकेतों या चिन्हों द्वारा लिखने की प्रणाली को लिपि कहते हैं। लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं। ये चिह्न ही लिपि कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि लिखने के ढंग अथवा रीति को लिपि कहते हैं। हर भाषा की अपनी विशेष लिपि होती है।

कुछ भाषायें और उनकी लिपियों के नाम नीचे दिए गए हैं:

भाषा का नाम	लिपि का नाम
हिंदी	देवनागरी
उर्दू	फारसी
पंजाबी	गुरूमुखी
अंग्रेज़ी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी

व्याकरण

किसी भाषा को शुद्ध बोलने, पढ़ने तथा लिखने के नियमों का ज्ञान हमें व्याकरण द्वारा होता है। जैसे: मोहन खाना खाती है। यह वाक्य अशुद्ध है। शुद्ध वाक्य होगा: 'मोहन खाना खाता है।' मोहन पुल्लिंग है, इसलिए यह हमें व्याकरण के ज्ञान द्वारा ही पता चलता है।

.

भाषा क्या है? और उसके कितने रूप हैं?

वह साधन जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाता है और दूसरों के विचारों को सुनकर अथवा पढ़कर समझाता है, भाषा कहलाती है।
भाषा के निम्नलिखित रूप हैं:
(*i*). बातचीत करना
(*ii*). लिखना
(*iii*). सुनना
(*iv*). पढ़ना

हमारे देश भारत में कितनी भाषाओं को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है?

लिपि क्या है? संसार में प्रचलित कुछ प्रमुख लिपियों के बारे में लिखिए।

विषय - हिंदी	पाठ का नाम	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जून माह का पाठ्यक्रम	पाठ 3 खिलौनेवाला - कविता पाठ 4 नन्हा फनकार	पाठ 1 वर्ण एव	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

कठिन शब्द --

1 पिंजड़े

2 खिलौनेवाला

3 उत्साहित

4 धनुष बाण

5 तलवार

6 साड़ियाँ

7 तपसी

8 जंगल

9 ताड़का

10 तपस्वी

पाठ्यपुस्तक सम्बंधित प्रश्न उत्तर ---

कविता, और तुम

प्रश्न 1.

तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे|

(क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?

(ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

उत्तर:

(क) जब मम्मी-पापा मुझे डाँटते हैं या मेरा भाई मुझे टी.वी. नहीं देखने देता है।

(ख) माँ के अलावा घर में मेरे पिताजी और दादा जी हैं। दादाजी मुझे बहुत प्यार-दुलार देते हैं।

प्रश्न 2.

हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।

उत्तर:

ऐसे त्योहारों में दशहरा मुख्य है। इस दिन राम ने रावण का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल की।

उस दिन से हर साल यह त्योहार बड़े धूमधाम से पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है।

प्रश्न 3.

तुमने रामलीला के जरिए या फिर किसी कहानी के जरिए रामचन्द्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?

उत्तर:

अपने माता-पिता के प्रति उनकी आज्ञाकारिता मुझे सबसे अच्छी लगी। इसके अतिरिक्त और भी कई गुण उनमें थे जो मुझे बहुत अच्छे लगते हैं, जैसे-उनका उच्च आदर्श, उनका त्याग, उनका धैर्य, उनकी कर्तव्यपरायणता आदि।

प्रश्न 4.

नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो

(क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।

(ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाजें लगा रहा है।

(ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए-उसमें माँ की सलाह चाहिए।
(घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।
उत्तर:
(क) कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।
(ख) नए खिलौने ले लो भैया
जोर-जोर वह रहा पुकार।
(ग) कौन खिलौने लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।
(घ) तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीजें देगा।

प्रश्न 5.
मूंगफली ले लो मूंगफली!
गरम करारी टाइम पास मूंगफली!'
तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाजें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।
उत्तर:

- कबाड़ीवाला—कबाड़ी... कबाड़ीवाला, रद्दी पेपर वाला।
- सब्जीवाला-दस का सवा किलो आलू ले लो, हरे-भरे मटर ले लो, प्याज ले लो...।
- फलवाला-इलाहाबाद का बढ़िया-मीठा अमरूद ले लो, सेब, संतरा, चिकू... ले लो।

नोट-विद्यार्थी इसमें कुछ फेरीवाले का नाम जोड़ सकते हैं। उनका अभिनय वे घर में अपने माता-पिता के सामने करें।

खेल-खिलौने
प्रश्न 1.
(क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

गेंद	हवाई जहाज़	मोटरगाड़ी
रेलगाड़ी	फिरकी	गुड़िया
बर्तन सेट	धनुष-बाण	बल्ला या कुछ और

उत्तर:

मैं रेलगाड़ी लेना पसंद करूंगी क्योंकि चलते समय इससे जो 'छुक-छुक' की आवाज निकलती है, वह मुझे बेहद अच्छा लगता है।

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?

उत्तर:

मैं अपने साथियों के साथ कबड्डी, लुका-छिपी, खो-खो, बैंडमिन्टन आदि खेल खेलती हूँ।

प्रश्न 2.

खिलौनेवाला शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

- **पानवाले की दुकान आज बंद है।**
- **मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।**
- **महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।**
- **नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।**
- **दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?**
- **इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।**
- **मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।**

उत्तर:

- **पान – संज्ञा**
- **दिल्ली – संज्ञा**
- **पाँच – विशेषण**

- बोलना – क्रिया
- दाढ़ी – संज्ञा
- ऊपर – क्रिया-विशेषण
- रात – संज्ञा

तुम्हारी रामलीला

क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।

उत्तर:

स्वयं करो।

कविता में कथा

इस कविता में तीन नाम-

राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?

(ख) यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।

इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भों की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।

- तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।
- तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

उत्तर:

(क) राम, कौशल्या और ताड़का-ये तीनों नाम रामायण की प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं।

(ख) बालक स्वयं को राम और अपनी माँ को कौशल्या के रूप में देखता है। लेकिन वह राम की तरह वन जाने को तैयार नहीं है बल्कि माँ कौशल्या के पास घर में रहना चाहता है।

(ग)

- वन में तपस्या करने वाले ऋषि-मुनियों को राक्षस परेशान करते थे। उनकी शांति भंग करते थे।

- **राम ने उन राक्षसों का वध किया जिसके बाद से वे फिर से शाँतिपूर्वक तपस्या करने लगे। राम ने अपने माता-पिता के आदेश पर एक आज्ञाकारी पुत्र की भाँति 14 वर्ष के लिए वन जाना | स्वीकार कर लिया।**

व्याकरण भाग -

पाठ 2 वर्ण

वर्ण-विचार

भाषा की सबसे छोटी इकाई तथा मूल ध्वनि वर्ण होते हैं। बोलते वक्त हमारे मुँह से ध्वनियाँ निकलती हैं जिन्हें लिखने के लिए भाषा में कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं। इन चिह्नों को वर्ण कहा जाता है।
रोहन आया। इस वाक्य में रोहन शब्द में रो + ह + न ध्वनियाँ हैं।
इनमें भी कई ध्वनियाँ हैं:

- रोहन (र् + ओ +ह् + अ + न् + अ)
- अनार (अ + न् + आ + र + अ)

ये रोहन सबसे छोटी ध्वनियाँ हैं। इन्हें और टुकड़े नहीं किए जा सकते। वर्ण वह छोटी से छोटी ध्वनि है, जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते। जैसे: अ, क, द आदि।
हिंदी भाषा में चवालीस (44) वर्ण हैं। वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्ण माला कहलाता है। समस्त वर्णों को एक साथ लिखने से वर्ण माला बनती है।

मानक हिंदी की वर्णमाला इस प्रकार है:

स्वर

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

व्यंजन

क्, ख्, ग्, घ्, ङ्,
च्, छ्, ज्, झ्, ञ्,
ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्, ड़्, ढ़्,
त्, थ्, द्, ध्, न्,
प्, फ्, ब्, भ्, म्,
य्, र्, ल्, व्, श्, ष्, स्, ह

कुछ अन्य वर्ण: अं अः ड़ ढ़ ऑ ज़ फ़
अं और अः अयोगवाह स्वर है।
ऑ, ज़, फ़ आगत ध्वनियाँ है, जिन्हें दूसरी भाषाओं से लिया गया है
ङ, ञ, ण, न, म पंचम वर्ण कहलाते है।

वर्ण के भेद

वर्ण दो प्रकार के होते हैं:
1. स्वर
2. व्यंजन

स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से और किसी अन्य ध्वनि की सहायता लिए बिना किया जाता हैं, वे स्वर वर्ण कहलाते हैं। हिंदी भाषा में इनकी संख्या ग्यारह हैं। ये दो तरह से लिखे जाते हैं:
(क) अपने मूल रूप में- अ, आ, इ, ई आदि।
(ख) मात्रा के रूप में- किसी व्यंजन के साथ मिलाकर। जैसे- क् + आ = का, क् + इ = कि आदि।

स्वर के तीन भेद हैं:

1. **ह्रस्व स्वर**

जिन स्वरों का उच्चारण सबसे कम समय में होता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ह्रस्व स्वर चार हैं
अ, इ, उ, ऋ

2. दीर्घ स्वर

जिन स्वरों का उच्चारण करने में ह्रस्व स्वरों से दुगुना लगता है। उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।
आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

3. प्लुत स्वर

इनके उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ स्वरों के उच्चारण से तिगुना समय लगता है। जैसे ओउम् प्लुत स्वर एक ही है।
अनुस्वार
इनका उच्चारण नाक से होता है। जैसे: कंगन, दंगल, जंगल आदि। इसका चिह्न (•) होता है।

अनुनासिक

इसका उच्चारण नाक और गले दोनों से होता है। जैसे: चाँद, गाँधी, आँगन, आदि। इसका चिह्न ( ) होता है।
विसर्ग- (:) इसका उच्चारण 'ह' के समान होता है जैसे: प्रातः, अतः, दुःख।
अर्धचंद्र ( ) इसका उच्चारण 'आ' तथा 'ओ' के मध्य की ध्वनि के रूप में होता है। इसका प्रयोग अंग्रेजी के शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखने में किया जाता है। जैसे- डॉक्टर, कॉलेज, ऑफिस।

स्वर तथा उनकी मात्राएँ

हर स्वर की एक मात्रा होती है। वैसे स्वर अपने मूल रूप में भी प्रयोग किए जाते हैं। जैसे- अब, अनार, आम आदि। व्यंजनों के साथ आने पर स्वर मात्रा रूप में आते हैं। जैसे: कान (आ), चील (ई) आदि। 'अ' ऐसा स्वर है जो हर व्यंजन में मिला रहता है उसकी अलग से कोई मात्रा नहीं होती। 'क' बोलकर देखिए। 'क्' + 'अ' हम इसका यह रूप बोलते हैं। इसी तरह सभी व्यंजन 'अ' के साथ बोले जाते हैं।

विशेषः 'र' के साथ 'उ' और 'ऊ' की मात्रा का प्रयोग इस प्रकार किया जाता है
रूक = र् + उ + क् + अ रूप = र + ऊ + प् + अ

व्यंजन

व्यंजन स्वतंत्र नहीं होते। इन्हें बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। इनकी संख्या तैंतीस हैं।

संयुक्त व्यंजन

ऐसे व्यंजन जो दो व्यंजनों से मिलकर बनते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। जैसेः
क् + ष = क्ष = भिक्षा, क्षमा
त् + र = त्र त्रिशूल, त्रिभुज
ज् + अ = ज्ञ = संज्ञा, विज्ञान
श् + र = श्र श्रमिक, विश्राम

दवित्व व्यंजन

जब एक व्यंजन अपने जैसे दूसरे व्यंजन से मिलता है तो उसे दवित्व व्यंजन कहते हैं। इन्हें व्यंजन-गुच्छ भी कहते हैं। जैसेः
क् + क = पक्का
च् + च = कच्चा
ट् + ट = मिट्टी, पट्टी
ड्ड + ड = लड्डू
द् + द = खद्दर

संयुक्ताक्षर

दो अलग-अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर संयुक्ताक्षर कहलाते हैं। जैसेः
प + प = प्य (प्यारा, प्यास)
त् + य = त्य (त्योहार, त्याग)

क् + य = क्य (क्यारी, क्योंकि)
च् + छ = च्छ = स्वच्छ, अच्छा

संयुक्ताक्षर लिखने की विधि

1. पाई हटाकर
जैसे- प्यार, अच्छा, विश्व, ध्यान स्वतंत्रता आदि।
2. हलंत (्) लगाकर
बिना पाई वाले व्यंजनों को हलंत (्) लगाकर उनका अरहित रूप दिखाया जाता है। जैसे- लट्टू, चिट्ठी आदि।
3. पाई हटाकर
'क' 'फ' जैसे वर्गों में अंत का लटका हुआ गोल हिस्सा कट जाता है। जैसे- भक्त, दफ्तर मक्खी आदि।
संयुक्ताक्षरों का हलंत लगाकर लिखना

वर्ण विच्छेद

"विच्छेद" का अर्थ है- "अलग करना"। शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है। जैसे:
माता – म् + आ + त् + आ
रक्षा – र + अ + क् + ष + आ
अंगूर – अं+ ग् + ऊ + र + अ
प्रेम – प् + र + ए + म् + अ
ट्रक – ट् + र् + अ + क् + अ
शर्म – श + अ +र + म + अ

स्मरणीय तथ्य

- मुख से बोली जाने वाली सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है। इसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते।
- समस्त वर्णों को एक साथ, क्रमानुसार लिखने से वर्णमाला बनती है।

- वर्ण के दो भेद है-स्वर और व्यंजन।।
- स्वर तीन प्रकार के होते हैं-हस्व, दीर्घ और प्लुत। अं, अः आयोगवाह कहलाते है।
- स्वरों के लिए निर्धारित चिह्न मात्राएँ कहलाते हैं।
- दो समान व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन द्वित्व व्यंजन कहलाते हैं।
- शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।
-

पाठ 4 नन्हा फनकार

प्रश्न 1 अकबर को पहरेदार की दखलंदाज़ी अच्छी क्यों नहीं लगी?

उत्तर - अकबर एक नेक दिल राजा था। वह अपनी प्रजा का भला चाहता था। समय-समय पर सबकी सहायता करने या बातचीत करने के लिए लोगों से मिलता-जुलता रहता था। केशव उसे आम इंसान समझकर बातें कर रहा था। पहरेदार के आने से उनकी बातचीत में बाधा आ गई थी इसलिए पहरेदार की दखलंदाजी अकबर को पसंद नहीं आई।

प्रश्न 2 "लगता है कोई बहुत बड़ा आदमी है", यहाँ पर 'बड़े आदमी' से केशव का क्या मतलब है?

उत्यतर - हाँ बड़े आदमी से केशव का मतलब अमीर और प्रतिष्ठित आदमी से है।

प्रश्न 3 - "खरगोश की–सी कातर आँखें"

पशु-पक्षियों से तुलना करते हुए और भी बहुत-सी बातें कही जाती हैं जैसे – 'हिरन जैसी चाल'। ऐसे ही कुछ उदाहरण तुम भी बताओ।

उत्तर -- • शेर जैसी दहाड़

- **मोरनी जैसी गर्दन**
- **कोयल जैसी आवाज़**
- **हाथी जैसी चाल**

- **हिरन जैसी आँख**
- **लोमड़ी जैसी चालाकी**
- **कुत्ते जैसी नाक**

प्रश्न 4 **अकबर ने जब नक्काशी सीखना चाहा, तो केशव ने उन्हें संदेहभरी नज़रों से क्यों देखा?**

उत्तर - अकबर एक बहुत बड़े बादशाह थे। उन्हें इस प्रकार के कार्य करने की आवश्यकता नहीं थी।जब उन्होंने केशव जैसे मामूली मज़दूर के साथ बैठकर पत्थर तराशने की इच्छा रखी, तो उसे बड़ी हैरानी हुई। उसका मन नहीं मान रहा था कि एक बादशाह उससे नक्काशी बनना सीखेंगे इसलिए उसने उन्हें संदेहभरी नज़रों से देखा।व दस साल का है। क्या उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक है? अपने उत्तर के कारण ज़रूर बताओ।

प्रश्न 5 केशव दस साल का है। क्या उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक है? अपने उत्तर के कारण ज़रूर बताओ

उत्तर शव अभी केवल दस साल का है। उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक नहीं है। वह बहुत छोटा है। इस उम्र में तो बच्चे पढ़ते-लिखते हैं और केशव केवल काम करता है। इस तरह उसका बचपन काम में समाप्त हो जाएगा। इस तरह वह अपनी उम्र से पहले ही बड़ा हो जाएगा और अपने बचपन को पूरी तरह जी नहीं पाएगा।

प्रश्न 6 "केशव बार-बार सबको सुनाता।"

केशव सबसे क्या कहता होगा? कल्पना करके केशव के शब्दों में लिखो।

उत्तर शव कहता होगा मैं बादशाह अकबर से मिला। वे मेरे पास बैठे, उन्होंने मुझे कारखाने में काम करने के लिए कहा आदि।

प्रशन 7 "माशा अल्लाह! ये घंटियाँ कितनी सुंदर हैं! तुमने खुद बनाई हैं?"

बादशाह अकबर ने यह बात किसलिए कही होगी –

(क) केशव के काम की तारीफ़ में

(ख) यह जानने के लिए कि घंटियाँ कितनी सुंदर हैं।

(ग) केशव से बातचीत शूरू करने के लिए

(घ) घंटियाँ किसने बनाई, यह जानने के लिए

(ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

(च) कोई और कारण जो तुम्हें ठीक लगता हो।

उत्तर (ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

प्रश्न 8 पत्थर पर घंटियाँ तथा कड़ियाँ तराश रहा था। उसके द्वारा तराशी जा रही घंटियों और कड़ियों का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ। तुम्हें क्या कोई खास इमारत याद आ रही है जिसमें नक्काशी की गई हो। संभव हो तो उसकी तस्वीर चिपकाओ।

उत्तर ताजमहल, अक्षरधाम मंदिर ऐसे हैं, जिसमें सुंदर नक्काशी देखने को मिलती है।

प्रश्न 9 केशव पिता गुजरात से आगरा आकर बस गए थे। हो सकता है तुम या तुम्हारे कुछ साथियों के माता-पिता भी कहीं और से यहाँ आकर बस गए हों। बातचीत करके पता लगाओ कि ऐसा करने के क्या कारण होते हैं?

उत्तर मुझे दादा तथा पिताजी से बातचीत करके पता लगा कि इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे – रोज़गार, नौकरी, व्यापार आदि के लिए लोग एक जगह से दूसरी जगह आकर बस जाते हैं।

प्रश्न 10 (क) नक्काशी जैसे किसी एक काम को चुनो (बढ़ईगिरि, मिस्त्री इत्यादि) जिसमें औज़ारों का इस्तेमाल होता है। उन ख़ास औज़ारों के नाम और काम पता करके लिखो।

(ख) छैनी, हथौड़ा, तराशना, किरचें – ये सब पत्थर के काम से जुड़े हुए शब्द हैं। लकड़ी के दुकानदार और बढ़ई से बात करके लकड़ी के काम से जुड़े शब्द इकट्ठे करो और कक्षा में उन पर सामूहिक रूप से बातचीत करो। कुछ शब्द हम यहाँ दे रहे हैं।

आरी, रंदा, बुरादा, प्लाई, सूत.....

(ग) हो सकता है कि तुम्हारे इलाके में इन चीज़ों और कामों के लिए कुछ अलग किस्म के शब्द इस्तेमाल होते हों। उन पर भी बातचीत करो।

उत्तर 10 आरी – लकड़ी काटने के लिए

हथौड़ी – कील ठोकने के लिए

रंदा – लकड़ी घिसने के लिए

जमूर – कील उखाड़ने के लिए

(ख) छात्र स्वयं करें।

(ग) छात्र स्वयं करें।

प्रश्न 11

'कटाव' शब्द 'कट' क्रिया से पैदा हुआ है। नीचे लिखी संज्ञाएँ किन क्रियाओं से बनी हैं? इन संज्ञाओं का अर्थ समझो और वाक्य में प्रयोग करो।

उत्तर - नाव पड़ाव बहाव लगाव

संज्ञा	क्रिया	वाक्य
चुनाव	• चुनना	अच्छी किताब का चुनाव कर लो।
पड़ाव	• पड़ना	आज यहीं पड़ाव डाल लो।
बहाव	• बहना	गंगा का बहाव बहुत तेज़ है।
लगाव	• लगना	उसे अपने से बहुत लगाव है।

प्रश्न 12 "लड़के ने जल्दी-जल्दी कोई प्रार्थना बुदबुदाई।"

रेखांकित शब्द और नीचे लिखे शब्दों में क्या अंतर है? वाक्य बनाकर अंतर स्पष्ट करो।

फुसफुसाना, बड़बड़ाना, भुनभुनाना।

Answer:

उत्तर - फुसफुसाना – (धीरे से कुछ बोलना) गीता ने सहेली के कान में फुसफुसाया।

बड़बड़ाना – (किसी बात को मुँह में ही बार-बार बोलना) वह बहुत ही बड़बड़ाता है।

भुनभुनाना – (गुस्से से धीरे बोलना) भुनभुनाना अच्छी बात नहीं है।

प्रश्न 13 "बेवकूफ़, खड़ा हो। हुज़ूरे आला के सामने बैठने की जुर्रत कैसे की तूने! झुककर इन्हें सलाम कर।"

महल के पहरेदार ने केशव से यह इसीलिए कहा, क्योंकि –

(क) बादशाह के सामने बैठे रहना उनका अपमान करने जैसा है।

(ख) पहरेदार यह कहकर अपनी वफ़ादारी दिखाना चाहता था।

(ग) पहरेदार को बादशाह के आने का पता नहीं चला, इसीलिए वह घबरा गया था।

(घ) बादशाह का केशव से बात करना पहरेदार को अच्छा नहीं लगा।

उत्तर महल के पहरेदार ने केशव से यह इसीलिए कहा, क्योंकि –

(ख) पहरेदार यह कह कर अपनी वफ़ादारी दिखाना चाहता था।

प्रश्न 14 अकबर को पहरेदार की दखलंदाज़ी अच्छी क्यों नहीं लगी?

उत्तर - अकबर एक नेक दिल राजा था। वह अपनी प्रजा का भला चाहता था। समय-समय पर सबकी सहायता करने या बातचीत करने के लिए लोगों से मिलता-जुलता रहता था। केशव उसे आम इंसान समझकर बातें कर रहा था। पहरेदार के आने से उनकी बातचीत में बाधा आ गई थी इसलिए पहरेदार की दखलंदाजी अकबर को पसंद नहीं आई।

प्रश्न 15 "लगता है कोई बहुत बड़ा आदमी है", यहाँ पर 'बड़े आदमी' से केशव का क्या मतलब है?

उत्तर यहाँ बड़े आदमी से केशव का मतलब अमीर और प्रतिष्ठित आदमी से है।

प्रश्न 16 "खरगोश की–सी कातर आँखें"

पशु-पक्षियों से तुलना करते हुए और भी बहुत-सी बातें कही जाती हैं जैसे – 'हिरन जैसी चाल'। ऐसे ही कुछ उदाहरण तुम भी बताओ।

- शेर जैसी दहाड़
- मोरनी जैसी गर्दन
- कोयल जैसी आवाज़
- हाथी जैसी चाल
- हिरन जैसी आँख
- लोमड़ी जैसी चालाकी
- कुत्ते जैसी नाक

प्रश्न अकबर ने जब नक्काशी सीखना चाहा, तो केशव ने उन्हें संदेहभरी नज़रों से क्यों देखा?

उत्तर अकबर एक बहुत बड़े बादशाह थे। उन्हें इस प्रकार के कार्य करने की आवश्यकता नहीं थी।जब उन्होंने केशव जैसे मामूली मज़दूर के साथ बैठकर पत्थर तराशने की इच्छा रखी, तो उसे बड़ी हैरानी हुई। उसका मन नहीं मान रहा था कि एक बादशाह उससे नक्काशी बनना सीखेंगे इसलिए उसने उन्हें संदेहभरी नज़रों से देखा।

प्रश्न केशव दस साल का है। क्या उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक है? अपने उत्तर के कारण ज़रूर बताओ।

उत्तर केशव अभी केवल दस साल का है। उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक नहीं है। वह बहुत छोटा है। इस उम्र में तो बच्चे पढ़ते-लिखते हैं और केशव केवल काम करता है। इस तरह उसका बचपन काम में समाप्त हो जाएगा। इस तरह वह अपनी उम्र से पहले ही बड़ा हो जाएगा और अपने बचपन को पूरी तरह जी नहीं पाएगा।

प्रश्न 8 "केशव बार-बार सबको सुनाता।"

केशव सबसे क्या कहता होगा? कल्पना करके केशव के शब्दों में लिखो।

. उत्तर केशव कहता होगा मैं बादशाह अकबर से मिला। वे मेरे पास बैठे, उन्होंने मुझे कारखाने में काम करने के लिए कहा आदि।

प्रश्न 9 "माशा अल्लाह! ये घंटियाँ कितनी सुंदर हैं! तुमने खुद बनाई हैं?"

बादशाह अकबर ने यह बात किसलिए कही होगी –

(क) केशव के काम की तारीफ़ में

(ख) यह जानने के लिए कि घंटियाँ कितनी सुंदर हैं।

(ग) केशव से बातचीत शूरू करने के लिए

(घ) घंटियाँ किसने बनाई, यह जानने के लिए

(ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

(च) कोई और कारण जो तुम्हें ठीक लगता हो।

उत्तर (ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

विषय - हिंदी	पाठ का नाम	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 5 जहा चाह वहा राह पाठ 6 चिट्ठी का सफ़र	पाठ 1 वर्ण एव	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

पाठ 5 जहा चाह वहा राह

कठिन शब्द --

1 दाखिला

2 विद्यालय

3 प्रेरणा

4 कार्यकुशलता

5 उल्टी बखिया

6 मछली टांका

7 भरवा टांका

8 काशिदाकारी

पाठ से सम्बंधित प्रश्न उत्तर ----

जहाँ चाह वहाँ राह

प्रश्न 1. इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन-कौन-से प्रश्न उठते?

उत्तर: इला या इला जैसी कोई लड़की यदि मेरी कक्षा में दाखिला लेती तो मेरे मन में तरह-तरह के प्रश्न उठते, जैसे

- वह कपड़े कैसे पहनती होगी?
- वह कैसे खाती होगी?
- वह अपना गृहकार्य कैसे करती होगी?
- वह अपने बाल कैसे संवारती होगी?

- कहीं खुजली होने पर वह कैसे खुजलाती होगी?

प्रश्न 2. इस लेख को पढ़ने के बाद क्या तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए?
उत्तर: पहले मुझे लगता था कि अपंग व्यक्ति शारीरिक रूप से ही नहीं वरन् मानसिक रूप से भी कमजोर होते हैं। उन्हें सहारे और सहानुभूति की जरूरत होती है। वे खुद से कोई काम नहीं कर सकते, स्कूल में दाखिला लेकर लिखने-पढ़ने की बात तो बहुत दूर है। लेकिन अब मेरी सोच बिल्कुल बदल गई है। अब मैं उन्हें आत्मविश्वास . और साहस से भरा पाती हूँ। वे हमसे थोड़ा भी कम नहीं हैं। बल्कि कभी-कभी तो कार्यकुशलता में वे हमसे इतने आगे हो जाते हैं कि वे हमसे नहीं, हम उनसे प्रेरणा लेने लग जाते हैं।

मैं भी कुछ कर सकती हूँ..
प्रश्न 1. यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?
उत्तर: उसे अपना स्कूल बैग ढ़ोने में, लिखने में, बेंच अगर सीधा नहीं है तो उसे सीधा करने में, अपनी कक्षा के साथियों के साथ झूला आदि खेलने में परेशानी आएगी।

प्रश्न 2. उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?
उत्तर: **उसके लिए एक लिखने वाले की व्यवस्था की जाए या उसे सब कुछ मौखिक पढ़ाया जाए।**

प्यारी इला...
इला के बारे में पढ़कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चिट्ठी लिखकर बताओ। चिट्ठी की रूपरेखा नीचे दी गई है।
उत्तर:
प्रीत विहार
नई दिल्ली
दिनांक 5 मार्च 2012
प्रिय इला
जब पहली बार मैंने तुम्हें देखा तो मुझे लगा कि तुम अपने सारे काम किसी दूसरे से करवाती होगी। लेकिन अब तो मुझे तुम पर गर्व होता है। तुम आत्मविश्वास से भरी हो। तुम अपनी अपंगता को अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति पर कभी हावी नहीं होने देती। हाथ नहीं होने के बावजूद तुम कशीदाकारी जैसी मुश्किल कला में निपुणता हासिल कर ली हो। यह वाकई बेमिशाल है। हम

हाथ वाले भी ऐसा काम नहीं कर पाते। तुम मेरे लिए ही नहीं सबके लिए प्रेरणा की स्रोत हो। भगवान तुम्हारे आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति को बनाए रखे और तुम सफलता पर सफलता हासिल करती जाओ। इन्हीं कामनाओं के साथ।
तुम्हारा/तुम्हारी।
सुरभि

सवाल हमारे, जवाब तुम्हारे
प्रश्न 1. इला को लेकर स्कूल वाले चिंतित क्यों थे? उनका चिंता करना सही था या नहीं? अपने उत्तर: का कारण लिखो।
उत्तर: स्कूल वाले उसकी सुरक्षा और उसके काम करने की गति को लेकर अर्थात उसकी अपंगता को लेकर चिंतित थे। उनका चिंता करना कुछ हद तक सही था, कुछ हद तक नहीं। जहाँ तक उसकी सुरक्षा संबंधी चिंता थी, वह तो सही था लेकिन उसकी अपंगता को लेकर चिंतित होना सही नहीं था क्योंकि इला कोई भी काम इतनी फुर्ती से करतीं थी कि देखने वाले दंग रह जाते थे।

प्रश्न 2. इला की कशीदाकारी में खास बात क्या थी?
उत्तर: इला की कशीदाकारी में काठियावाड़ के साथ-साथ लखनऊ और बंगाल की भी झलक थी। उसने काठियावाड़ी | टॉकों के साथ-साथ और कई टाँके भी इस्तेमाल किए थे। पत्तियों को चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। पशु-पक्षियों की ज्यामितीय आकृतियों को कसूती और जंजीर से उठा रखा था।

प्रश्न 3. सही के आगे (✓) का निशान लगाओ।
इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर सकी, क्योंकि...

- परीक्षा के लिए उसने अच्छी तरह तैयारी नहीं की थी।
- वह परीक्षा पास करना नहीं चाहती थी।
- लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।
- उसको पढ़ाई करना कभी अच्छा लगा ही नहीं।

उत्तर: लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।

प्रश्न 4. क्या इला अपने पैर के अंगूठे से कुछ भी करना सीख पाती, अगर उसके आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते?
उत्तर: यदि इला के आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते। तो वह अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना सीख नहीं पाती।

कशीदाकारी
प्रश्न 1. (क) इस पाठ में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कई शब्द आए हैं। उनकी सूची बनाओ। अब देखो कि इस पाठ को पढ़कर तुमने कितने नए शब्द सीखे।
उत्तर: (ख) नीचे दी गई सूची में से किन्हीं दो से संबंधित शब्द (संज्ञा और क्रिया दोनों ही) इकट्ठा करो।
फुटबाल बुनाई (ऊन) बागबानी जहाँ चाह वहाँ राह
प्रश्न 1.
इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन-कौन-से प्रश्न उठते?
उत्तर:
इला या इला जैसी कोई लड़की यदि मेरी कक्षा में दाखिला लेती तो मेरे मन में तरह-तरह के प्रश्न उठते, जैसे

- **वह कपड़े कैसे पहनती होगी?**
- **वह कैसे खाती होगी?**
- **वह अपना गृहकार्य कैसे करती होगी?**
- **वह अपने बाल कैसे संवारती होगी?**
- **कहीं खुजली होने पर वह कैसे खुजलाती होगी?**

प्रश्न 2.
इस लेख को पढ़ने के बाद क्या तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए?
उत्तर:
पहले मुझे लगता था कि अपंग व्यक्ति शारीरिक रूप से ही नहीं वरन् मानसिक रूप से भी कमजोर होते हैं। उन्हें सहारे और सहानुभूति की जरूरत होती है। वे खुद से कोई काम नहीं कर सकते, स्कूल में दाखिला लेकर लिखने-पढ़ने की बात तो बहुत दूर है। लेकिन अब मेरी सोच बिल्कुल बदल गई है। अब मैं उन्हें आत्मविश्वास . और साहस से भरा पाती हूँ। वे हमसे थोड़ा

भी कम नहीं हैं। बल्कि कभी-कभी तो कार्यकुशलता में वे हमसे इतने आगे हो जाते हैं कि वे हमसे नहीं, हम उनसे प्रेरणा लेने लग जाते हैं।

मैं भी कुछ कर सकती हूँ..

प्रश्न 1.

यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?

उत्तर:

उसे अपना स्कूल बैग ढ़ोने में, लिखने में, बेंच अगर सीधा नहीं है तो उसे सीधा करने में, अपनी कक्षा के साथियों के साथ झूला आदि खेलने में परेशानी आएगी।

प्रश्न 2.

उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

उत्तर:

उसके लिए एक लिखने वाले की व्यवस्था की जाए या उसे सब कुछ मौखिक पढ़ाया जाए।

प्यारी इला...

इला के बारे में पढ़कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चिट्ठी लिखकर बताओ। चिट्ठी की रूपरेखा नीचे दी गई है।

उत्तर:

प्रीत विहार

नई दिल्ली

दिनांक 5 मार्च 2012

प्रिय इला

जब पहली बार मैंने तुम्हें देखा तो मुझे लगा कि तुम अपने सारे काम किसी दूसरे से करवाती होगी। लेकिन अब तो मुझे तुम पर गर्व होता है। तुम आत्मविश्वास से भरी हो। तुम अपनी अपंगता को अपनी दृढ़ इच्छा-शक्ति पर कभी हावी नहीं होने देती। हाथ नहीं होने के बावजूद तुम कशीदाकारी जैसी मुश्किल कला में निपुणता हासिल कर ली हो। यह वाकई बेमिशाल है। हम हाथ वाले भी ऐसा काम नहीं कर पाते। तुम मेरे लिए ही नहीं सबके लिए प्रेरणा की स्रोत हो। भगवान तुम्हारे आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति को बनाए रखे और तुम सफलता पर सफलता हासिल करती जाओ। इन्हीं कामनाओं के साथ।

तुम्हारा/तुम्हारी।

सुरभि

सवाल हमारे, जवाब तुम्हारे

प्रश्न 1. इला को लेकर स्कूल वाले चिंतित क्यों थे? उनका चिंता करना सही था या नहीं? अपने उत्तर: का कारण लिखो।

उत्तर: स्कूल वाले उसकी सुरक्षा और उसके काम करने की गति को लेकर अर्थात उसकी अपंगता को लेकर चिंतित थे। उनका चिंता करना कुछ हद तक सही था, कुछ हद तक नहीं। जहाँ तक उसकी सुरक्षा संबंधी चिंता थी, वह तो सही था लेकिन उसकी अपंगता को लेकर चिंतित होना सही नहीं था क्योंकि इला कोई भी काम इतनी फुर्ती से करतीं थी कि देखने वाले दंग रह जाते थे।

प्रश्न 2. इला की कशीदाकारी में खास बात क्या थी?

उत्तर: इला की कशीदाकारी में काठियावाड़ के साथ-साथ लखनऊ और बंगाल की भी झलक थी। उसने काठियावाड़ी | टॉकों के साथ-साथ और कई टाँके भी इस्तेमाल किए थे। पत्तियों को चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। पशु-पक्षियों की ज्यामितीय आकृतियों को कसूती और जंजीर से उठा रखा था।

प्रश्न 3. सही के आगे (✓) का निशान लगाओ।

इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर सकी, क्योंकि...

- **परीक्षा के लिए उसने अच्छी तरह तैयारी नहीं की थी।**
- **वह परीक्षा पास करना नहीं चाहती थी।**
- **लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।**
- **उसको पढ़ाई करना कभी अच्छा लगा ही नहीं।**

उत्तर: लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।

प्रश्न 4. क्या इला अपने पैर के अंगूठे से कुछ भी करना सीख पाती, अगर उसके आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते?

उत्तर:

यदि इला के आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते। तो वह अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना सीख नहीं पाती।

कशीदाकारी

प्रश्न 1. (क) इस पाठ में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कई शब्द आए हैं। उनकी सूची बनाओ। अब देखो कि इस पाठ को पढ़कर तुमने कितने नए शब्द सीखे।

उत्तर: (ख) नीचे दी गई सूची में से किन्हीं दो से संबंधित शब्द (संज्ञा और क्रिया दोनों ही) इकट्ठा करो।

फुटबाल बुनाई (ऊन) बागबानी पतंगबाजी

प्रश्न 2. एक सादा रूमाल लो या कपड़ा काटकर बनाओ। उस पर नीचे दिए गए टाँकों में से किसी एक टाँके का इस्तेमाल करते हुए बड़ों की मदद से कढ़ाई करो।

जंजीर	**मछली टाँका**	**भरवाँ टाँका**
उल्टी बखिया	**खुला हुआ जंजीर टाँका**	

पाठ 6 - चिट्ठी का सफ़र

चिट्ठी-पत्री

प्रश्न 1. गांधीजी को सिर्फ उनके नाम और देश के नाम के सहारे पत्र कैसे पहुँच गया होगा?

उत्तर: गांधीजी भारत में ही नहीं विदेशों में भी प्रसिद्ध थे। उनके बारे में सभी को पता होता था कि वे किसी खास समय। में किस स्थान पर हैं। इस कारण उनको सिर्फ उनके नाम और देश के नाम के सहारे पत्र पहुँच गया है।

प्रश्न 2. अगर एक पत्र में पते के साथ किसी का नाम हो तो क्या पत्र ठीक जगह पर पहुँच जाएगा?

उत्तर: निस्संदेह नाम और पता से लैश पत्र ठीक जगह पर पहुँच जाएगा।

प्रश्न 3. नाम न होने से क्या समस्याएं आती हैं?
उत्तर: नाम न होने से डाकिए को यह पता करने में थोड़ा मुश्किल होता है कि पत्र किसका है। और हो सकता है उस आदमी की जगह किसी और के हाथ में पत्र पहुँच जाए।

प्रश्न 4. पैदल हरकारों को किस-किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता होगा?
उत्तर: पैदल हरकारों को हर तरह की जगहों पर पहुँचना होता था। उन्हें डाक की रक्षा भी करनी होती थी। डाकू, लुटेरों या जंगली जानवरों की चपेट में आने का डर हमेशा बना रहता था।

प्रश्न 5. अगर तुम किसी को चिट्ठी लिख रहे हो तो पते में यह जानकारी किस क्रम में लिखोगे?
गली/मोहल्ले का नाम, घर का नंबर, राज्य का नाम, खंड का नाम, कस्बे/शहर/गाँव का नाम, जनपद का नाम नीचे दी गई जगह में लिखो।
तुमने इस क्रम में ही क्यों लिखा?
उत्तर: घर का नंबर • गली/मोहल्ले का नाम • खंड का नाम • कस्बे/शहर/गाँव का नाम • जनपद का नाम • राज्य का नाम
हमने पता इस क्रम में इसलिए लिखा क्योंकि पता लिखते समय छोटी भौगोलिक इकाई से शुरू करके बड़ी की ओर बढ़ा जाता है।

प्रश्न 6. अपने घर पर कोई पुराना (या नया) पत्र ढूँढ़ो। उसे देखकर नीचे लिखे प्रश्नों का जवाब लिखो
(क) पत्र किसने लिखा?
(ख) किसे लिखा?
(ग) किस तारीख को लिखा?
(घ) यह पत्र किस डाकखाने में तथा किस तारीख को पहुँचा?
(ङ) यह उत्तर: तुम्हें कैसे पता चला?
उत्तर:
स्वयं करो।।

प्रश्न 7. चिट्ठी भेजने के लिए आमतौर पर पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र या लिफ़ाफ़ा इस्तेमाल किया जाता है। डाकघर जाकर इनका मूल्य पता करके लिखो
पोस्टकार्ड ..... अंतर्देशीय पत्र ..... लिफ़ाफ़ा .....

शब्दकोश नीचे शब्दकोश का एक अंश दिया गया है जिसमें 'संचार' शब्द का अर्थ भी दिया गया है।

संगीतज्ञ-संगीत जानने वाला, संगीत की कला में निपुण।

संग्रह-पु. 1. जमा करना, इकट्ठा करना, एकत्र करना, संचय। प्र. दीपक आजकल पक्षियों के पंखों का संग्रह करने में लगा है। 2. इकट्ठी की हुई चीजों का समूह या ढेर, संकलन; जैसे- टिकट-संग्रह, निबंध-संग्रह।

कम्यूनिकेशन।

उत्तर: टेलीफ़ोन, टेलीविज़न, सेटेलाइट आदि संचार के माध्यमों से दुनिया आज छोटी हो गई है। 2. किसी चीज़ का प्रवाह,

चलना, फैलना; जैसे-शरीर में रक्त का संचार, विद्युत् का संचार।

(क) बताओ कि कौन-सा अर्थ पाठ के संदर्भ में ठीक है।

उत्तर: किसी संदेश को दूर तक या बहुत-से लोगों तक पहुँचाने की क्रिया या प्रणाली

कम्यूनिकेशन।

(ख) इस पन्ने को ध्यान से देखो और बताओ कि शब्दकोश में दिए गए शब्दों के साथ क्या-क्या जानकारी दी गई होती हैं।

उत्तर:

शब्दकोश में शब्द के साथ उसके भिन्न-भिन्न अर्थ, लिंग, वचन, पुरुष आदि जानकारियाँ दी गई होती हैं।

मुहावरे --

मुहावरे	अर्थ
अंग-अंग ढीला होना	बहुत थक जाना
आँख दिखाना	गुस्से से देखना
आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
कान भरना	चुगली करना
मुँह में पानी भर आना	दिल ललचाना

अँगूठा दिखाना	देने से साफ इनकार कर देना
ईद का चाँद	बहुत कम दीखना
नमक-मिर्च लगाना	बढ़ा-चढ़ाकर कहना
भीगी बिल्ली बनना	डर जाना
चिकना घड़ा होना	कुछ भी असर ना होना
घी के दिये जलाना	खुशी मनाना
छक्के छुड़ाना	बुरी तरह पराजित करना
चार चाँद लगाना	शोभा बढ़ाना

कान खाना	शोर करना/परेशान करना
कान खड़े होना	चौकन्ना होना
कौए उड़ाना	घटिया काम करना
घी खिचड़ी होना	खूब मिल- जुल जाना
दाल न गलना	बस न चलना
अक्ल का दुश्मन	मूर्ख
अक्ल के घोड़े दौड़ाना	तरह-तरह के विचार करना
आँख चुराना	छिपना
कान कतरना	बहुत चतुर होना
कान पर जूँ तक न रेंगना	कुछ असर न होना
कानोंकान खबर न होना	बिलकुल पता न चलना
नाक में दम करना	बहुत तंग करना
मुँह की खाना	हार मानना
मुँह ताकना	दूसरे पर आश्रित होना
दाँत खट्टे करना	बुरी तरह हराना

गले का हार	बहुत प्यारा
हवा से बातें करना	बहुत तेज दौड़ना
पानी-पानी होना	लज्जित होना
आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
खाक छानना	दर-दर भटकना
होश उड़ना	सुध-बुध खोना
हवा लगना	असर पड़ना
खून - चूसना	बहुत परेशान करना
आँख मारना	इशारा करना
गले का हार	बहुत प्रिय होना
ईद का चाँद	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
मैदान छोड़ देना	हार मान लेना
हाथ सांफ करना	ठगना / माल मारना
आपे से बाहर होना	क्रोध से अपने वश में न रहना
मुँह में पानी आना	दिल/मन ललचाना

विषय - हिंदी	पाठ 7 डाकिये की कहानी कंवर सिंह की जबानी	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 8 वे दिन भी क्या दिन थे	पाठ 3 संज्ञा ,लिंग वचन ,करक	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

<u>पाठ 7 डाकिये की कहानी कंवर सिंह की जबानी</u>

कठिन शब्द --

1 डाक

2 पहाड़ी

3 सम्मान

4 पार्सल

5 पेंशन

6 रजिस्ट्री

7 इन्तेजार

प्रश्न 1. कँवरसिंह कौन है? उसके एक बेटे की मौत कैसे हुई?
उत्तर: कॅवरसिंह भारतीय डाक सेवा में डाक सेवक है जो हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव का निवासी है। उसकी उम्र पैंतालीस साल है। उसके चार बच्चे हैं-तीन लड़कियाँ और एक लड़का। दो लड़कियों की शादी हो चुकी है। उसका एक और बेटा था जो गाँव में एक पहाड़ी से लकड़ियाँ लाते हुए गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

प्रश्न 2. कँवरसिंह को डाकसेवक के रूप में कौन-कौन से काम करने होते हैं?
उत्तर: चिट्ठियाँ, रजिस्ट्री पत्र, पार्सल, बिल, बूढ़े लोगों की पेंशन आदि छोड़ने कँवरसिंह को गाँव-गाँव जाना होता है।

प्रश्न 3. गाँवों में डाकिए का बड़ा आदर और सम्मान किया जाता है। क्यों?
उत्तर: क्योंकि वहाँ पर आज भी संदेश पहुँचाने का सबसे बड़ा ज़रिया डाक ही है। गाँव के लोग अपनी चिट्ठी आदि पाने के लिए डाकिए का इंतजार करते हैं।

प्रश्न 4. आप कैसे कह सकते हैं कि कँवरसिंह को अपनी नौकरी बहुत अच्छी लगती है?
उत्तर: कँवरसिंह को अपनी नौकरी बहुत अच्छी लगती है क्योंकि इस नौकरी की बदौलत उसे मनीआर्डर पहुँचाने पर, रिजल्ट या नियुक्ति पत्र पहुँचाने पर, पेंशन पहुँचाने पर लोगों का खुशी भरा चेहरा देखने को मिलता है।

प्रश्न 5. पहाड़ी इलाकों में डाक पहुँचाने में केंवरसिंह को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

उत्तर: पहाड़ी इलाकों में ठंड बहुत पड़ती है। हिमाचल प्रदेश के कुछ जिले जैसे किन्नोर और लाहौल स्पीति में तो अप्रैल महीने में भी बर्फबारी हो जाती है। बर्फ में चलते हुए कँवरसिंह को अपने पैर ठंड से बचाने पड़ते हैं क्योंकि स्नोबाइट का डर रहता है। इन जिलों में उसे एक घर से दूसरे घर तक डाक पहुँचाने के लिए लगभग 26 किलोमीटर
रोजाना चलना पड़ता है।

प्रश्न 6. कँवरसिंह को 'बेस्ट पोस्टमैन' की उपाधि क्यों और कब मिली?
उत्तर: अपनी जान पर खेलकर डाक की चीजें बचाने के लिए भारत सरकार ने उसे 'बेस्ट पोस्टमैन' का इनाम दिया। यह इनाम उसे 2004 में मिला। इस इनाम में 500 रुपये और प्रशस्ति पत्र मिला।

पाठ 8 वे दिन भी क्या दिन थे

कठिन शब्द ---

1 पन्ना

2 पुस्तके

3 किताब

4 बर्बाद

5 पर्दे

6 प्रशंशा

पाठ्यपुस्तक से सम्बंधित प्रश्न उत्तर --
प्रश्न 1. कुम्मी के हाथ जो किताब आई थी वह कब छपी होगी?
उत्तर: वह किताब सदियों पहले छपी होगी।

प्रश्न 2. रोहित ने कहा था, "कितनी पुस्तकें बेकार जाती होंगी। एक बार पढ़ी और फिर बेकार हो गईं।" क्या सचमुच में ऐसा होता है?
उत्तर: वे ही पुस्तकें बर्बाद होती हैं जिन्हें लोग पढ़कर फेंक देते हैं या कबाड़ी वाले से बेच देते हैं। यदि पुस्तकें पढ़कर उन्हें हिफाजत से रख दी जाएं तो वे कभी बर्बाद नहीं होतीं बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी पढ़ी जाती हैं और उनकी उपयोगी बातें जीवन में उतारी जाती हैं।

प्रश्न 3. कागज के पन्नों की किताब और टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब तुम इनमें से किसको पसंद करोगे? क्यों?
उत्तर: मैं कागज के पन्नों की किताब पसंद करूंगा क्योंकि इसे कभी भी पढ़ा जा सकता है। इतना ही नहीं ऐसी किताबों | को एक से अधिक बार भी पढ़ा जा सकता है, किस्तों में भी पढ़ा जा सकता है। ये सारी बातें टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब में नहीं मिलती।

प्रश्न 4. तुम कागज़ पर छपी किताबों से पड़ते हो। पता करो कि कागज़ से पहले की छपाई किस-किस चीज पर हुआ करती थी?
उत्तर: कागज़ से पहले की छपाई पत्तों, ताम्रपत्रों और लकड़ी पर हुआ करती थी।

प्रश्न 5. तुम मशीन की मदद से पढ़ना चाहोगे या अध्यापक की मदद से? दोनों के पढ़ाने में किस-किस तरह की आसानियाँ और मुश्किलें हैं?
उत्तर: मैं अध्यापक की मदद से पढ़ना चाहूंगा क्योंकि वे हमारे सामने खड़े होकर पाठ पढ़ाते हैं अतः पाठ को समझने में आसानी होती है। यदि हम एकबार में कोई बात नहीं समझ पाते तो अध्यापक हमें दोबारा समझाते हैं। पढ़ाने के क्रम में यदि वे हमें डाँटते हैं तो प्यार भी दिखलाते हैं। कक्षा में एक अपनापन जैसा माहौल छा जाता है। मशीन की मदद से पढ़ाई में ये सारी बातें नहीं होंगी। ऐसी पढ़ाई ऊबाऊ भी हो सकती है।
"वे दिन भी क्या दिन थे"
बीते दिनों की प्रशंसा में कही जाने वाली यह बात तुमने कभी किसी से सुनी है? अपने बीते हुए दिनों के बारे में सोचो और बताओ कि उनमें से किस समय के बारे में तुम "वे दिन भी क्या दिन थे!" कहना चाहोगे?
उत्तर:
स्वयं करो।

कल, आज और कल

प्रश्न 1. 1967 में हिंदी में छपी इस कहानी में कल्पना की गई है कि सालों बाद स्कूल की जगह मशीनें ले लेंगी। तुम भी | कल्पना करो कि बहुत सालों बाद ये चीजें कैसी होंगी-

• पेन • घड़ी • टेलीफोन/मोबाइल • टेलीविज़न • कोई और चीज़ जिसके बारे में तुम सोचना चाहो....

उत्तर:

अपनी कल्पना के आधार पर स्वयं करो।

प्रश्न 2 आज हमारे कई काम कंप्यूटर की मदद से होते हैं। सोचो और लिखो कि अपने व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में हम कंप्यूटर का इस्तेमाल किन-किन उद्देश्यों के लिए करते हैं?

व्यक्तिगत	सार्वजनिक
मनोरंजन के लिए	.....
रेल टिकट कटाने के लिए।	.....
संदेश भेजने के लिए।	.....
किसी चीज के बारे में जानकारियाँ प्राप्त करने के लिए।	.....

जानकारी देने या लेने के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। हम जो कुछ सोचते या महसूस करते हैं उसे अभिव्यक्त करने या बताने के भी कई ढंग हो सकते हैं। बॉक्स में ऐसे कुछ साधन दिए गए हैं। उनका वर्गीकरण करके नीचे दी गई तालिका में लिखो।

संदेश	अभिनय	रेडियो	नृत्य के हाव-भाव
फोन	विज्ञापन	नोटिस	संकेत-भाषा
चित्र	मोबाइल	टी.वी.	मोबाइल संदेश

फैक्स	इंटरनेट	तार	इश्तहार

उत्तर:

जानकारी	भावनाएँ
संदेश, रेडियो, विज्ञापन, नोटिस, फोन, मोबाइल,	अभिनय, नृत्य के हाव-भाव, संकेत भाषा, चित्र,
टी.वी., फैक्स, इंटरनेट, इश्तहार।।	मोबाइल संदेश, तार।

ऊपर लिखी चीजें इकतरफ़ा भी हो सकती हैं और दो तरफ़ा भी। जिन चीज़ों के ज़रिए इकतरफा संप्रेषण होता है।
उनके आगे (→) का निशान लगाओ। दो तरफ़ा संवाद की चीज़ों के आगे (↔) का निशान लगाओ।

व्याकरण भाग -- संज्ञा

संज्ञा किसे कहते हैं?

किसी व्यक्ति, पशु-पक्षी, वस्तु, गुण, भाव, अवस्था के नाम को संज्ञा कहते हैं। हम जानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, गुण और अवस्था का अपना-अपना नाम होता है। व्याकरण में इस नाम को ही संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के तीन प्रमुख भेदों के बारे में हम पढ़ चुके हैं। यहाँ हम उसके दो अन्य भेदों की चर्चा करेंगे। इस प्रकर संज्ञा के कुल पाँच भेद हुए:

- व्यक्तिवाचक
- जातिवाचक
- भाववाचक
- समूहवाचक

- द्रव्यवाचक

व्याक्तिवाचक संज्ञा

किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान आदि के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। अन्य उदाहरण– ताजमहल, हिमालय, महाभारत, भारत, गंगा, मदर टेरेसा आदि।
उदाहरण:

- लाल किला दिल्ली में स्थित है। (लाल किला एक विशेष इमारत का नाम है। दिल्ली एक विशेष शहर का नाम है।)
- हमने हिंदी बातचीत की। (हिंदी एक विशेष भाषा का नाम है।)।
- पढ़ाई समाप्त करके महात्मा गांधी स्वदेश लौट आए। (महात्मा गांधी एक महान व्यक्ति का नाम है।)

इस प्रकार लाल किला, हिंदी, महात्मा गाँधी शब्द किसी–न–किसी विशेष व्यक्ति, इमारत, नदी या भाषा के नाम हैं। ऐसी विशेष संज्ञाओं को व्याक्तिवाचक संज्ञाएँ कहते हैं।

जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से उसके पूरे वर्ग या जाति का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। अन्य उदाहरण– देश, नेता, पक्षी, फूल, बच्चे, मकान, गाय, गाँव आदि।
उद्धाहरण:
• लड़का गरीब था। (प्रत्येक लड़का को लड़का कहते हैं।)
• नदी पर्वत से निकलती है। (हर नदी को नदी और हर पर्वत को पर्वत कहते हैं।)
• गाड़ी सुंदर है। (प्रत्येक गाड़ी को गाड़ी कहते हैं।)

इन वाक्यों में लड़का, नदी, गाड़ी संज्ञा शब्द अपने पूरे वर्ग या जाति को सूचित करते हैं। जातिसूचक होने के कारण ये सभी संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञाएँ हैं।

भाववाचक संज्ञा

जिस संज्ञा से किसी प्राणी या वस्तु के किसी गुण, भाव या दशा (अवस्था) का बोध होता हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
उद्धाहरण:
• हम बचपन को याद करते हैं।
• शिक्षक ने छात्र की प्रशंसा की।
• लेखक को अपनी पुस्तक से प्रेम है।

उपरोक्त वाक्यों में बचपन, प्रशंसा, प्रेम संज्ञा शब्द किसी-न-किसी भाव, गुण या अवस्था का बोध कराती है। भाव, गुण अवस्था आदि का हम केवल अनुभव कर सकते हैं, इन्हें देख या छू नहीं सकते। ऐसी संज्ञाओं को भाववाचक संज्ञा कहते है।

समूहवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से एक ही जाति के व्यक्ति या वस्तुओं के समूह का बोध होता है, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।
उद्धाहरण:
यह पशुओं का झुंड है।
चींटियाँ परिवार में रहती हैं।
यह अंगूर का गुच्छा है।

इन वाक्यों में झुण्ड, परिवार, गुच्छा शब्द किसी-न-किसी समूह को सूचित करते हैं। ये सभी शब्द संज्ञाएँ हैं। समूह को सूचित करने के कारण इन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।
अन्य उदाहरण: दल, टोली, गड्डी, ढेर, गट्ठर, मंडली, जुलूस, सेना आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से धातु, द्रव्य या पदार्थ का बोध होता है, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
उद्धाहरण:
यह अंगुठी सोने की है।
दो किलो चावल बचा हैं।
सरसों का तेल कितने रूपये किलो है?

इन वाक्यों में सोने, चावल, सरंसो शब्द वैसे तो संज्ञा शब्द ही हैं, लेकिन हम इन्हें गिन नहीं सकते। इन्हें नापना या तौलना पड़ता है। धातु, द्रव्य या पदार्थ को सूचित करने के कारण इन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
अन्य उदाहरण: चीनी, लोहा, ताँबा, सोना, पानी, मिट्टी, दूध, चाय, पेट्रोल आदि।

भाववाचक संज्ञा बनाना

भाववाचक संज्ञा का निर्माण चार प्रकार के शब्दों से होता है:
1. जातिवाचक संज्ञा से
2. सर्वनाम से
3. क्रिया से
4. विशेषण से

व्याकरण भाग ---

लिंग, वचन और कारक

शब्द के जिस रूप से किसी संज्ञा के स्त्री या पुरूष जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं। शब्द के दो भेद होते हैं: विकारी और अविकारी। वह शब्द जिसमें किन्हीं कारणों से परिवर्तन आ जाता है यानी कि उसका रूप बदल जाता है विकारी शब्द कहलाता है। वे शब्द जिनका रूप सदा एक-सा रहता है, अविकारी शब्द कहलाते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विकारी शब्द हैं। इनमें लिंग, वचन, कारक के कारण विकार (बदलाव) आ जाता है।

लिंग

लिंग के दो भेद होते हैं:

1. पुल्लिंग

संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरूष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे: पिता, राजा, बच्चा, छात्र आदि।

2. स्त्रीलिंग

संज्ञा शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति लड़का लड़की का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। जैसे: माता, रानी, बच्ची, छात्रा आदि।

निर्जीव वस्तुओं को भी उनके आकार, वजन और गुण के अनुसार पुल्लिंग और स्त्रीलिंग में बाँटा गया है।

पुल्लिंग शब्द: फूल, बादल, रस्सा, मकान, मैदान, रास्ता, शहर, सागर, जूता, डिब्बा, गाँव, घड़ा, पत्थर, पहाड़, आदि।

स्त्रीलिंग शब्द: धरती, नदी, पहाड़ी, जूती, साड़ी, घड़ी, डाली, दवात, डिबिया, मटकी, सड़क, सुई, पतीली, रस्सी आदि।

जिन शब्दों के अंत में 'आ', आव, पा, क, त्व आते हैं वे पुल्लिंग होते हैं।

नित्य पुल्लिंग तथा नित्य स्त्रीलिंग

जिन प्राणिवाचक संज्ञाओं में एक ही लिंग का प्रयोग किया जाता वे नित्य पुल्लिंग तथा नित्य स्त्रीलिंग कहलाते हैं। इन शब्दों में पुल्लिंग और स्त्रीलिंग की पहचान के लिए इनके पहले नर तथा मादा शब्द का प्रयोग होता है।

नित्य पुल्लिंग शब्द	स्त्रीलिंग रूप
कछुआ	मादा कछुआ
चीता	मादा चीता
तोता	मादा तोता
खरगोश	मादा खरगोश

नित्य स्त्रीलिंग शब्द	पुल्लिंग रूप
कोयल	**नर कोयल**
तितली	**नर तितली**
मक्खी	**नर मक्खी**
मछली	**नर मछली**

वचन

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।
उद्धाहरण:
(क) गाय धास खा रही है। – एक गाय
गायें घास खा रही हैं। – अनेक गायें
(ख) लड़का खेल रहा है। – एक बच्चा
लड़के खेल रहे हैं। – अनेक बच्चे

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं:
1. **एकवचन**
2. **बहुवचन**

एकवचन ----- संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसका एक होने का बोध होता हैं उसे एकवचन कहते हैं। जैसे: चूहा, आँख, माता, पंखा आदि।

बहुवचन -- संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे: चूहे, आँखें, माताएँ, पंखे आदि।

चूहे, आँखें, माताएँ, पंखे आदि।

वस्तुओं, पदार्थों, प्राणियों की संख्या में परिवर्तन हो जाने से वचन बदल जाता है, जिसे वचन-परिवर्तन कहते हैं। वचन-परिवर्तन के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं।

वचन परिवर्तन

1. बहुवचन शब्द का प्रयोग होने पर क्रिया शब्द भी बहुवचन हो जाता है। जैसे:
बच्चे खेल रहे हैं।
सारी चिड़ियाँ उड़ गईं।

2. आदर देने के लिए एकवचन होने पर भी बहुवचन का प्रयोग किया जाता है। जैसे
माताजी खाना पका रही हैं।
कक्षा में अध्यापक पढ़ा रहे हैं।
यहाँ पर अध्यापक और माताजी एक-एक हैं फिर भी हैं इनका बहुवचन के रूप में प्रयोग किया गया है क्योंकि अध्यापक और माताजी आदरणीय हैं।

3. कुछ शब्द सदा बहुवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। जैसे: आँसू, दर्शन, हस्ताक्षर आदि।

4. कुछ शब्द सदा एकवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। जैसे: बारिश, पानी, दूध आदि।

वचन परिवर्तन के कुछ नियम

'अ' से 'ए' बनाकर

एकवचन	बहुवचन
बहन	बहनें
रात	रातें
आँख	आँखें
पुस्तक	पुस्तकें
मेज	मेजें

भैंस	**भैंस**

‘आ’ से ‘ए’ बनाकर

एकवचन	बहुवचन
कपड़ा	**कपड़े**
घोड़ा	**घोड़े**
झगड़ा	**झगड़े**
छाता	**छाते**

‘आ’ में एँ लगाकर

एकवचन	बहुवचन
माला	**मालाएँ**
सभा	**सभाएँ**
माता	**माताएँ**
महिला	**महिलाएँ**
कक्षा	**कक्षाएँ**
सभा	**सभाएँ**

‘उ’ ‘ऊ’ या ‘औ’ में एँ जोड़कर

एकवचन	बहुवचन
बहू	**बहुएँ**
गौ	**गौएँ**
वस्तु	**वस्तुएँ**
ऋतु	**ऋतुएँ**

जिन पुल्लिग शब्दों के अंत में अ, इ, ई, उ और ऊ स्वर आते हैं, वे शब्द एकवचन और बहुवचन में समान रहते हैं।

एकवचन	बहुवचन
मैंने एक भालू देखा।	**मैंने तीन भालू देखे।**
मैंने एक फूल तोड़ा।	**मैंने चार फूल तोड़े।**

ऐसे शब्दों में उनके एकवचन या बहुवचन होने की पहचान उनके साथ आए क्रिया शब्दों से होती है।

संबंध बताने वाले शब्द दोनों वचनों में प्रायः एक से रहते हैं।
जैसे: मामा, नाना, चाचा, दादा आदि।

कुछ शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयोग होते हैं।
जैसे: हस्ताक्षर, प्राण, आँसू, बाल आदि।
(क) दादा जी ने चेक पर हस्ताक्षर किए।
(ख) नमन के बाल काले हैं।

आदर देने के लिए भी बहुवचन का प्रयोग होता है।
(क) चाचा जी खाना खा रहे हैं।
(ख) गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे।

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों से उसका संबधं जाना जाता है, वह कारक कहलाता है। जो चिह्न इस संबंध को बताते हैं, उन्हें परसर्ग या विभक्ति कहते हैं।
उद्धाहरण:
1. सोहन साप डंडे मारा।
2. नानी पुजा गुलाब फूल तोड़े।
3. अजय छत है।

इन वाक्यों को पढ़ने को पर बहुत अटपटा लगता हैं यहाँ सभी शब्द सार्थक हैं, फिर भी किसी वाक्य का अर्थ पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। अब इन्हीं वाक्यों को इस रूप में पढ़िए:

1. सोहन ने साँप को डंडे से मारा।
2. नानी ने पूजा के लिए गुलाब के फूल तोड़े।
3. अजय छत पर है।

अब इन वाक्यों का अर्थ आसानी से समझ में आ गया। इन वाक्यों में ने, को, से, के लिए, के, पर शब्दों का प्रयोग होने पर इनका अर्थ स्पष्ट हुआ है। ने, को, से, के लिए, के, पर ये सभी शब्द वाक्य में आई संज्ञाओं का दूसरी संज्ञाओं या क्रियापदों से संबंध बता रहे हैं। ये सभी शब्द कारकों के चिहन् हैं।

हिंदी में कारक आठ प्रकार के होते हैं:

1. कर्ता – ने
2. कर्म – को
3. करण – से, के, द्वारा
4. संप्रदान – को, के लिए
5. अपादान – से (अलग होने के अर्थ में)
6. संबंध – का, के, की, स, रे, री
7. अधिकरण – में, पर
8. संबोधन – हे! अरे!

कर्ता कारक

काम करने वाले को कर्ता कारक कहते हैं। जैसे: गौरव ने चाय पी। अमन फुटबॉल खेलता है। इन वाक्यों में गौरव और अमन कर्ता कारक हैं।

कर्म कारक

जिस पर क्रिया का फल पड़े, उसे कर्म कहते हैं और क्रिया से उसके संबंध को कर्म कारक कहते हैं। जैसे पायल कपड़े धोती है। मयंक प्रभात को पढ़ाता है। इन वाक्यों में क्रिया के काम का फल कपड़े और प्रभात पर पड़ रहा है। ये दोनों कर्म कारक के उदाहरण हैं।

करण कारक

कर्ता जो भी काम करता है, वह किसी वस्तु की सहायता से, उसका प्रयोग करके करता है। अथवा कर्ता जिस साधन से काम करता है, उसे करण कारक कहा जाता है। जैसे: दयाराम ने साँप को डंडे से मारा। इस वाक्य में मारने का काम डंडे से किया गया है, अतः "डंडे से" करण कारक है।

संप्रदान कारक

कर्ता जिसके लिए काम करता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। जैसे: मैं यह पुस्तक गुरु जी के लिए लाया हूँ। इस वाक्य में कर्ता (मैं) गुरु जी के लिए काम कर रहा है, अतः "के लिए" संप्रदान कारक है।

अपादान कारक

संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरे से अलग होना पाया जाता है, वह अपादान कारक कहलाता है। जैसे: पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं। इस वाक्य में कर्ता का किसी स्थान से अलग होने का भाव प्रकट हो रहा है। "पेड़ से" अपादान कारक है।

संबंध कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी एक वस्तु या व्यक्ति का संबंध दूसरी वस्तु के साथ ज्ञात होता है, उसे संबंध कारक कहते हैं। जैसे: प्रिया की बहन बीमार है। रमन के भाई ने दौड़ जीत ली। इन वाक्यों में प्रिया का बहन से और रमन का भाई से संबंध प्रकट हो रहा है। अतः प्रिया की और रमन के– संबंध कारक के उदाहरण हैं। सर्वनाम के साथ ना, ने, नी तथा रा, रे, री लगता है। जैसे: अपना, अपनी, अपने, मेरा, मेरी, मेरे।

अधिकरण कारक

क्रिया के आधार को बताने वाला संज्ञा का रूप अधिकरण कारक कहलाता है। जैसे:
चिड़िया पेड़ पर बैठी है।
शेर जंगल में रहता है।

इन वाक्यों में पेड़ पर और जंगल में क्रिया हो रही है। ये क्रिया के आधार हैं। ये अधिकरण कारक हैं।

संबोधन कारक

संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारा या सावधान करने का बोध हो, उसे संबोधन कारक कहते हैं। जैसे भाइयों और बहनों! मेरी बात ध्यान से सुनों। इस वाक्य में 'भाइयों और बहनों' को पुकारा गया है या सावधान किया गया है। ये दोनों संबोधन कारक हैं

वचन क्या है? और इसके कितने रूप हैं?

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।
वचन के दो भेद होते हैं:

1. एकवचन
2. बहुवचन

जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना

जातिवाचक	भाववाचक
बच्चा	बचपन
बाल	बालपन
लड़का	लड़कपन
पागल	पागलपन
मानव	मानवता
पशु	पशुता

विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना

विशेषण	भाववाचक
सुंदर	**सुंदरता**
खट्टा	**खटास**
सफेद	**सफेदी**
हरा	**हरियाली**
अच्छा	**अच्छाई**
भला	**भलाई**

क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाना

क्रिया	भाववाचक
लिखना	**लिखाई**
बुनना	**बुनाई**
थकना	**थकावट**
पढ़ना	**पढ़ाई**
पीसना	**पिसाई**
मिलाई	**मिलावट**

विषय - हिंदी	पाठ 9 एक माँ की बेबसी	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 10 एक दिन की बादशाहत	पर्यायवाची शब्द , विलोम शब्द , मुहावरे ,एक से सौ तक की गिनती	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

कठिन शब्द ----

पाठ से सम्बंधित प्रश्न उत्तर ----

कविता से

प्रश्न 1. यह बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था, फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरु होती है। इसके कई अर्थ हो सकते हैं, जैसे|

(क) कवि को मालूम नहीं था कि यह बच्चा ठीक-ठीक किस घर में रहता था।

(ख) पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक-दूसरे से बातें करते थे, पर यह बच्चा बोल नहीं पाता था, इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजाना था। इन दो में से कौन-सा अर्थ तुम्हें ज्यादा सही लगता है? क्या कोई और अर्थ भी हो सकता है?

उत्तर: (क) कवि को मालूम नहीं था कि यह बच्चा ठीक-ठीक किस घर में रहता था।

प्रश्न 2. अंदर की छटपटाहट' उसकी आँखों में किस रूप में प्रकट होती थी?

(क) चमक के रूप में

(ख) डर के रूप में

(ग) जल्दी घर लौटने की इच्छा के रूप में

उत्तर: (ख) डर के रूप में।

तरह-तरह की भावनाएँ

प्रश्न 1. नीचे लिखी भावनाएँ कब या कहाँ महसूस होती हैं?

(क) छटपटाहट

- **अधीरता – कहीं जाने की जल्दी हो और जाना संभव न हो। जैसे-स्कूल की छुट्टी में अभी काफी देर हो, पर घर पर ऐसा कोई मेहमान आने वाला हो जिसे तुम बहुत पसंद करते हो।**
- **इच्छा – किसी चीज़ को पाने की इच्छा हो पर वह तुरंत न मिल सकती हो। जैसे-भूख लगी हो, पर खाना तैयार न हो।**

- संदेश – हम कोई संदेश देना चाह रहे हों पर दूसरे समझ न पा रहे हों। जैसे-शिक्षक से कहना हो कि घंटी बज गई है, अब पढ़ाना बंद करें, पर उन्हें घंटी सुनाई न दी हो।

इनमें से कौन-सा अर्थ या संदर्भ इस बच्चे पर लागू होता है?
उत्तर: 'छटपटाहट' तब महसूस होती है जब हम अपनी इच्छानुसार काम नहीं करवा पाते हैं। ऊपर 'छटपटाहट' के तीन अर्थ या संदर्भ दिए हुए हैं। इनमें से 'संदेश वाला' अर्थ बच्चे पर लागू होता है। रतन इशारों में अपनी बात अपने साथ खेलने वाले बच्चों तक पहुँचाना चाहता है। परन्तु बच्चे उसके इशारों को नहीं समझ पाते हैं। इस पर वह छटपटाहट महसूस करता है।
(ख) घबराहट : हमें जब किसी बात की आशंका हो तो घबराहट महसूस होती है। जैसे-
(क) अँधेरा होने वाला हो और हम घर से काफी दूर हों या अकेले हों।
(ख) समय कम हो और हमें कोई काम पूरा कर लेना हो-जैसे परीक्षा में देखा जाता है।
(ग) यह डर हो कि दूसरे के मन में क्या चल रहा है।
जैसे-पापा को मालूम चल गया हो कि काँच का गिलास तुमसे टूटा है।

प्रश्न 2. जो बच्चा बोल नहीं सकता, वह किस-किस बात की आशंका से 'घबराहट महसूस कर सकता है?
उत्तर: लोग उसके इशारों को ठीक-ठीक समझ पा रहे हैं या नहीं।

- कहीं कोई बेवजह डाँटने न लगे।
- कहीं कोई हम उम्र बच्चा उसे चिढ़ाने न लगे।

प्रश्न 3. "थोड़ा घबराते भी थे हम उससे, क्योंकि समझ नहीं पाते थे उसकी घबराहटों को
• रतन क्या सोचकर घबराता होगा?
• अपने दोस्तों से पूछकर पता करो, कौन क्या सोचकर और किस काम को करने में घबराता है। कारण भी पता करो।।

दोस्त/सहेली का नाम	किस बात से घबराता है?	घबराने का कारण
अमर	अकेलेपन से	अकेला पाकर कोई उसे पकड़ न ले।
सुगन्धा	अँधेरे से	कहीं बिल्ली न आ जाए।

सुचिता	पहाड़ों से	कहीं पहाड़ उस पर गिर न जाए।
सौरभ	नदी से	कहीं अचानक नदी में बाढ़ न आ
		जाए और उसे डुबा न ले।

भाषा के रंग

प्रश्न 1. कवि ने इस बच्चे को 'टूटे खिलौने' की तरह बताया है। जब कोई खिलौना टूट जाता है तो वह उस तरह से काम नहीं कर पाता जिस तरह से पहले करता था। संदर्भ के अनुसार खाली स्थान भरो।

खिलौना	टूटने का कारण	नतीजा
गाड़ी	पहिया निकल जाने पर।	चल नहीं पाती
गुड़िया	सीटी निकल जाने पर	बज नहीं पाती
गेंद	हवा निकल जाने पर	उछल नहीं पाती
जोकर	चाबी निकल जाने पर	हँसा नहीं पाता।

प्रश्न 2. "बेबस' शब्द 'बे' और 'वश' को जोड़कर बना है। यहाँ बे का अर्थ 'बिना' है। नीचे दिए शब्दों में यही 'बे' छिपा है। इस सूची में तुम और कितने शब्द जोड़ सकती हो?

देखने के तरीके

प्रश्न 1. इस कविता में देखने से संबंधित कई शब्द आए हैं। ऐसे छह शब्द छाँटकर लिखो

उत्तर: अदृश्य

- देखने में
- इशारे
- निहारती
- आँखों में
- झलकती

प्रश्न 2. "माँ की आँखों में झलकती उसकी बेबसी"
आँखें बहुत कुछ कहती हैं। वे तरह-तरह के भाव लिए हुए होती हैं। नीचे ऐसी कुछ आँखों का वर्णन है। इनमें से कौन-सी नज़रें तुम पहचानते हो

- सहमी नज़रें
- प्यार भरी नज़रें
- क्रोध भरी आँखें
- उनींदी आँखें
- शरारती आँखें
- डरावनी आँखें।

उत्तर: मैं इन नज़रों को पहचानता हूँ

- प्यार भरी नज़रें
- क्रोध भरी आँखें
- शरारती आँखें।
- डरावनी आँखें।

प्रश्न 3. नीचे आँखों से जुड़े कुछ मुहावरे दिए गए हैं। तुम इनका प्रयोग किन संदर्भो में करोगे?

- आँख दिखाना
- नज़र चुराना
- आँख का तारा
- नज़रें फेर लेना
- आँख पर पर्दा पड़ना

उत्तर: आँख दिखाना-बच्चा जब जिद पर अड़ गया तो माँ ने आँखें दिखाईं। (डराने के अर्थ में)

- नज़र चुराना-झूठ बोलकर वह निकल तो गया लेकिन उसके बाद मुझसे नज़रें चुराने लगा। (किसी की नज़र से ओझल होने की कोशिश करना
- आँख का तारी-रतन अपनी माँ की आँखों का तारा था। (प्यारा)
- नज़रें फेर लेना-मतलब पूरा होते ही उसने नज़रें फेर लीं। (बदल गया)
- आँख पर पर्दा पड़ना-मि. सिन्हा को अपने बेटे की गलती नज़र नहीं आती। उनकी आँखों पर पर्दा पड़ा हुआ है। (नहीं दिखना)

माँ

"याद आती रतन से अधिक
उसकी माँ की आँखों में झलकती उसकी बेबसी"

प्रश्न 1.

रतन की माँ की आँखों में किस तरह की बेबसी झलकती होगी?

उत्तर: अपने बेटे को बोल सकने में असमर्थ देखकर।।

प्रश्न 2. अपनी माँ के बारे में सोचते हुए नीचे लिखे वाक्यों को पूरा करो

(क) मेरी माँ बहुत खुश होती हैं जब मैं अच्छे अंकों से परीक्षा में पास होता हूँ।

(ख) माँ मुझे इसलिए डाँटती हैं क्योंकि मुझे गलती का अहसास हो और दोबारा वह गलती न करू।

(ग) मेरी माँ चाहती है कि मैं एक नेक और सच्चा इंसान बनें।

(घ) माँ उस समय बहुत बेबस हो जाती है जब मैं कभी बीमार पड़ जाता हूँ।

(ङ) मैं चाहती/ता हूँ कि मेरी माँ की आयु लम्बी और स्वस्थ हो।

पाठ 10 एक दिन की बादशाहत

कठिन शब्द ----

पाठ से सम्बंधित प्रश्न उत्तर ---

कहानी की बात

प्रश्न 1.

अब्बा ने क्या सोचकर कहानी की बात मान ली?

उत्तर:

उन्होंने सोचा कि बच्चों की बात कभी-कभी मान लेनी चाहिए। उन्हें जिज्ञासा भी थी कि देखें बच्चे कैसे क्या करते

प्रश्न 2 वह एक दिन बहुत अनोखा था जब बच्चों को बड़ों के अधिकार मिल गए थे। वह दिन बीत जाने पर इन्होंने क्या सोचा होगा-

- **आरिफ ने**
- **अम्मी ने**
- **दादी ने**

उत्तर: आरिफ ने सोचा होगा कितना अच्छा होता अगर रोज ऐसा ही दिन होता। फिर उसे मज़ा ही मज़ा आता।

- **अम्मी ने सोचा होगा कि बच्चों की मर्जी भी सुननी चाहिए। उन पर हमेशा पाबंदियाँ नहीं लगानी चाहिए।**
- **दादी ने सोचा होगा कि अच्छा हुआ वह एक दिन बीत गया नहीं तो ये बच्चे नाक में दम कर देते।**

तुम्हारी बात

प्रश्न 1.

अगर तुम्हें घर में एक दिन के लिए सारे अधिकार दे दिए जाएँ तो तुम क्या-क्या करोगी?

उत्तर:

- **कम्प्यूटर पर ज्यादा देर तक काम करूंगी।**
- **अपनी सहेलियों को बुलाकर उनसे गप्पे मारूंगी।**
- **दूध और फल बिल्कुल नहीं लूंगी।**
- **रसोइए से मनमानी चीजें बनवाकर खाऊँगी।**
- **नेट पर सर्किंग करूंगी।**

प्रश्न 2. कहानी में ऐसे कई काम बताए गए हैं जो बड़े लोग आरिफ और सलीम से करने के लिए कहते थे। तुम्हारे विचार से उनमें से कौन-कौन से काम उन्हें बिना शिकायत किए कर लेने चाहिए थे और कौन-कौन से कामों के लिए मना कर देना चाहिए था?

उत्तर: मेरे विचार से आरिफ और सलीम को निम्न काम बिना शिकायत किए कर लेने चाहिए थे-

- **रात को जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने का काम**
- **घर में शांति से रहने का काम**
- **दोस्तों के साथ गप्पे नहीं मारने का काम**
- **कम जेब खर्च में ही संतुष्ट रहने का काम**

मेरे विचार से उन्हें निम्न कामों के लिए मना कर देना चाहिए-

- **बेकार के कपड़े पहनने से**
- **मिर्ची के सालन खाने से**

तरकीब

दोनों घंटों बैठकर इन पाबंदियों से बच निकलने की तरकीबें सोचा करते थे।''

1. **तुम्हारे विचार से वे कौन कौन-सी तरकीबें सोचते होंगे?**
2. **कौन-सी तरकीब से उनकी इच्छा पूरी हो गई थी?**
3. **क्या तुम उन दोनों को इस तरकीब से भी अच्छी तरकीब सुझा सकती हो?**

उत्तर: घर के बड़े लोगों को कैसे समझाया जाए जिससे कि वे उन पर इतनी अधिक पाबंदियाँ नहीं लगाएँ।

1. **उन्होंने अब्बा से दरखास्त पेश की कि एक दिन उन्हें बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ।**
2. **उन दोनों ने जो तरकीब अपनाई वह सबसे अच्छी है। इस तरकीब ने बड़ों को इस बात का एहसास करा दिया कि हर समय बच्चों को निर्देश देते रहना अच्छी बात नहीं होती।**

अधिकारों की बात

"... आज तो उनके सारे अधिकार छीने जा चुके हैं।"

1. **अम्मी के अधिकार किसने छीन लिए थे?**
2. **क्या उन्हें अम्मी के अधिकार छीनने चाहिए थे?**
   उन्होंने अम्मी के कौन-कौन से अधिकार छीने होंगे?

उत्तर:

1. **आरिफ और सलीम ने अम्मी के अधिकार छीन लिए थे।**
2. **कायदे से तो उन्हें अम्मी के अधिकार नहीं छीनने चाहिए थे लेकिन उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे | इस बात से काफी परेशान हो चुके थे कि उन्हें अपनी मर्जी से चैं करने की भी इजाजत नहीं थी।**
3. **उन्होंने अम्मी के निम्न अधिकार छीने होंगे|**

   - **डाँटने का अधिकार**
   - **अपना मनपसंद भोजन बनवाने का अधिकार**
   - **पाबंदियाँ लगाने का अधिकार।**

बादशाहत

प्रश्न 1. 'बादशाहत' क्या होती है? चर्चा करो।

उत्तर: बादशाहत शब्द बादशाह से बना है। इसका अर्थ होता है बादशाह द्वारा अपने राज्य में अपनी मर्जी के अनुसार हुकूमत चलाना।।

प्रश्न 2. तुम्हारे विचार से इस कहानी का नाम 'एक दिन की बादशाहत' क्यों रखा गया है? तुम भी अपने मन से सोचकर कहानी को कोई शीर्षक दो।

उत्तर:

ऐसा शीर्षक इसलिए रखा गया है क्योंकि आरिफ़ और सलीम एक दिन के लिए बादशाह की तरह अपनी मर्जी से घर का शासन चलाते हैं। वे घर के सभी सदस्यों को आदेश देते हैं। उन्हें क्या करना है, क्या पहनना है, क्या खाना है... आदि निर्देश देते हैं। इस कहानी का दूसरा शीर्षक हो सकता है 'बच्चों की हुकूमत'

प्रश्न 3.

कहानी में उस दिन बच्चों को सारे बड़ों वाले काम करने पड़े थे। ऐसे में कौन एक दिन का असली 'बादशाह' बन गया था?

उत्तर:

आरिफ़ एक दिन का असली 'बादशाह' बन गया था।

तर माल

रोज़ की तरह आज वह तर माल अपने लिए न रख सकती थी।''

1. **कहानी में किन-किन चीज़ों को तर माल कहा गया है?**
2. **इन चीज़ों के अलावा और किन-किन चीज़ों को 'तर माल' कहा जा सकता है?**
3. **कुछ ऐसी चीज़ों के नाम भी बताओ, जो तुम्हें ''तर माल' नहीं लगतीं।**
4. **इन चीज़ों को तुम क्या नाम देना चाहोगी? सुझाओ।**

उत्तर: अंडे और मक्खन को तर माल कहा गया है।

1. **हलवा, पूरी, मालपुआ आदि को 'तर माल' कहा जा सकता है।**
2. **दाल, चावल, रोटी, पॉपकॉर्न, मूंगफली आदि तरमाल नहीं लगतीं।**
3. **स्वयं करो।**

मनपसंद कपड़े

बिल्कुल इसी तरह तो वह आरिफ़ और सलीम से उनकी मनपसंद कमीज़ उतरवा कर निहायत बेकार कपड़े पहनने का हुक्म लगाया करती हैं।''

प्रश्न 1. तुम्हें भी अपना कोई खास कपड़ा सबसे अच्छा लगता होगा। उस कपड़े के बारे में बताओ। वह तुम्हें सबसे अच्छा क्यों लगता है?

उत्तर:

स्वयं करो।।

प्रश्न 2. कौन-कौन सी चीजें तुम्हें बिल्कुल बेकार लगती हैं?

(क) पहनने की चीजें – कुर्ता – पायजामा

(ख) खाने-पीने की चीजें – रोटी, दलिया, हरी सब्जियाँ, अन्नानास

(ग) करने के काम। – कपड़े साफ करना, जूते पॉलिश करना
(घ) खेल – कबड्डी, पतंगबाजी।

हल्का-भारी
(क) "इतनी भारी साड़ी क्यों पहनी?"
यहाँ पर 'भारी साड़ी' से क्या मतलब है?
● साड़ी का वज़न ज्यादा था।
● साड़ी पर बड़े-बड़े नमूने बने हुए थे।
● साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई थी।
उत्तर:
● साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई थी।

(ख)

- भारी साड़ी
- भारी अटैची
- भारी काम
- भारी बारिश।

ऊपर "भारी' विशेषण का चार अलग-अलग संज्ञाओं के साथ इस्तेमाल किया गया है।
इन चारों में भारी' का अर्थ एक-सा नहीं है। इनमें क्या अंतर है?
उत्तर:

- भारी साड़ी-साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई होने पर यह भारी लगने लगती है। ऐसी साड़ी मँहगी भी होती हैं। अतः यहाँ 'भारी' का अर्थ मँहगी और अत्यधिक कढ़ाईदार होने से है।
- भारी अटैची-अटैची में वज़नदार सामान है जिससे वह भारी हो गई है। अतः यहाँ 'भारी' का अर्थ है। वज़नदार।
  भारी काम-कोई काम जब बहुत बड़ा, मुश्किल और पेचीदा होता है तब उसके पहले 'भारी' विशेषण का प्रयोग किया जाता है। अतः यहाँ 'भारी' का अर्थ काम के 'बड़े, मुश्किल और पेचीदा होने से है।

- **भारी बारिश–वर्षा जब बहुत अधिक होती है तो उसके पहले प्रायः हम 'भारी विशेषण लगाते हैं। अतः यहाँ 'भारी' का अर्थ 'अधिक' से है।**

(ग) भारी की तरह 'हल्का' का भी अलग–अलग अर्थों में इस्तेमाल करो।
उत्तर:

- **हल्का बदन या शरीर–आज मैंने कम खाया है जिसके कारण बदन हल्का महसूस हो रहा है।**
- **हल्की बात–मेरे सामने इतनी हल्की बात मत करो।**
- **हल्का काम–जो काम तुम कर रहे हो वह बहुत हल्का है और कोई भी उसे कर लेगा।**
- **हल्का खाना–मेरी दादी हमेशा हल्का खाना खाती हैं।**

व्याकरण भाग ---

हिंदी मुहावरे और अर्थ (Muhavare ke udaharan)

नाक काटना	इज्जत जाना		अक्ल का दुश्मन	मुर्ख
हाथ बाँटना	मदद करना		उठाते - बैठते	हर समय
पैर पकड़ना	क्षमा चाहना		भूत चढ़ना	किसी बात की जिद
हवा खिलाना	कही भेजना		वचन देना	जबान देना
नींद हराम होना	तंग आना		टाँग अड़ाना	दखल देना
जड़ उखाड़ना	पूर्ण नाश करना		आग बबूला होना	अति क्रुद्ध होना
अंग भरना	लिपट लेना		नज़र चुकाना	आँख चुराना
मिट्टी में मिलना	नष्ट होना		रंग उतरना	फीका होना

राम जाने	मुझे नहीं मालूम		सात - पाँच करना	आगे पीछे करना
फूल झड़ना	मधुर बोलना		दिमाग खाना	बकवास करना

Muhavare in Hindi

पर्यायवाची शब्द / समानार्थक शब्द (Paryayvachi Shabd

जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें पर्यायवाची या समानार्थक शब्द कहते हैं। जैसे –

क्रोध	गुस्सा , आक्रोश , रोष		खून	रक्त , लहू , शोणित
घर	निवास , भवन , सदन , आलय		आश्रम	मठ , संघ , अखाडा
उजाला	रोशनी , प्रकाश , चाँदनी		औरत	स्त्री , धरनी
झंडा	निशान , ध्वज		दुःख	खेद , शोक , संकट , क्लेश
देव	देवता , अमर , सुर , निर्जर		दिन	दिवस, दिवा, वार, प्रमान
स्वर्ग	सुरलोक , दिव्यधाम , देवलोक		सिंह	शेर , मृगराज , बहुबल
सोना	हेम, कुंदन , कंचन, कनक		महादेव	शिव , शम्बू , कैलाशनाथ , त्रिलोचन , शंकर
पानी	जल , वरि , सारंग , नीर		किसान	भूमिपुत्र, हलधर , कृषक, खेतिहर
धरती	पुथ्वी , भू , वसुंधरा , अवनि		नर्क	यमलोक , नरक , यमालय

छतरी	छाता , छत्र		थोड़ा	कम , जरा , अल्प

Paryayvachi Shabd in Hindi

विलोम शब्द (Vilom Shabd in Hindi)

विलोम शब्द वह शब्द है जिसका अर्थ दिए हुए शब्द के एकदम उल्टा होता है जैसे –

आजाद	गुलाम		चढ़ाव	उतार
दानी	कंजूस		न्याय	अन्याय
अगला	पिछला		पाप	पुण्य
अगम	सुगम		नया	पुराना
परतंत्र	स्वतंत्र		अमीर	गरीब
मुनाफा	नुकसान		सुख	दुःख
आगे	पीछे		सत्कार	तिरस्कार
जय	पराजय		हसना	रोना
सामान्य	विशिष्ट		रात	दिन
मित्र	शत्रु		आग	पानी
तुल	अतुल		दूषित	स्वच्छ

Vilom Shabd in Hindi

निबंध लेखन (Short essay in Hindi)

कक्षा 5 (Hindi grammar for class 5) के लिए निबंध लेखन १४० से १७० शब्दों तक का हो सकता है।

रक्षा बंधन पर निबंध (Raksha Bandhan essay in Hindi)

रक्षा – बन्धन हमारा राष्ट्रव्यापी पारिवारिक पर्व है , ज्ञान की साधना का त्यौहार है । प्राचीन आश्रमो में स्वधाय के लिए , यज्ञ और ऋषियों के लिए तपर्ण कर्म करने के कारन इसका " ऋषि – तर्पण " नाम पड़ा। यज्ञ के उपरान्त राक्ष्या सूत्र बाँधने की प्रथा के कारन " रक्षा – बन्धन " लोक में प्रसिद्ध हुआ।

बीसवीं सदी में रक्षा – बन्धन पर्व विशुद्ध रूप में बहिन द्वारा भाई की कलाई में राखी बाँधने का पर्व है। इसमें रक्षा की भावना लुप्त है। रक्षाबन्धन के दिन घर-आँगन साफ़ करते है। बच्चे नहाने के बाद नए कपड़े पहनते हैं।

भाई बहिन का यह मिलन बीते दिनों की आपबीती बताता है। रक्षा – बन्धन एक दूसरे के दुःख , कष्ट , पीड़ा को समझने की चेष्टा है तो सुख , समृद्धि में भागीदारी का बहाना।

Hindi Grammar for Class 5

हिन्दी दिवस पर निबंध (Hindi Divas essay in Hindi)

प्रतिवर्ष १४ सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस हिन्दी के राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित होने है गर्वपूर्ण दिन है। संविधान सभा ने १४ सितम्बर १९४९ को हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित किया। बहुत समय पूर्व भारत में संस्कृत भाषा का प्रभाव था। बाद में धीरे-धीरे सामान्य जन-साधारण की भाषा के रूप में हिंदी भाषा प्रचलन में थी।

यह भारतीयों के लिए गर्व का क्षण था जब भारत की संविधान सभा ने हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था।हिन्दी दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भारत के राष्ट्रपति द्वारा नई दिल्ली में विज्ञान भवन में लोगों से हिंदी से संबंधित क्षेत्रों में उनके बेहतर काम के लिए पुरस्कार वितरित किए जाते हैं। हिन्दी दिवस पर प्रत्येक विद्यालय में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार के लिए कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक होना चाहिये जिसमें बच्चे बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी करें।

हिन्दी का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंदी हिंदुस्तान की राष्ट्रभाषा ही नहीं बल्कि हिंदुस्तानियों की पहचान भी है। हिन्दी हिन्दुस्तान को बांधती है। इसके प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है।

गिनती- 1 से 100 तक (Numbers in Hindi 1 to 100)

हिंदी संख्याएं(Hindi numbers 1 to 100 in words) सीखना आसान है। यहाँ हिंदी नंबर 1 से 100 हैं। यह विशेष रूप से कक्षा 5 (Hindi grammar for class 5) के लिए काम आता है।

Hindi Grammar for Class 5

1	१	एक
2	२	दो
3	३	तीन
4	४	चार
5	५	पाँच
6	६	छह
7	७	सात
8	८	आठ
9	९	नौ
10	१०	दस
11	११	ग्यारह
12	१२	बारह
13	१३	तेरह
14	१४	चौदह
15	१५	पंद्रह
16	१६	सोलह
17	१७	सत्रह
18	१८	अठारह

19	१९	उन्नीस
20	२०	बीस
21	२१	इक्कीस
22	२२	बाईस
23	२३	तेईस
24	२४	चौबीस
25	२५	पच्चीस
26	२६	छब्बीस
27	२७	सत्ताईस
28	२८	अट्ठाईस
29	२९	उनतीस
30	३०	तीस
31	३१	इकतीस
32	३२	बत्तीस
33	३३	तैंतीस
34	३४	चौंतीस
35	३५	पैंतीस
36	३६	छत्तीस
37	३७	सैंतीस

38	३८	अड़तीस
39	३९	उनतालीस
41	४१	इकतालीस
40	४०	चालीस
42	४२	बयालीस
43	४३	तैंतालीस
44	४४	चवालीस
45	४५	पैंतालीस
46	४६	छियालीस
47	४७	सैंतालीस
48	४८	अड़तालीस
49	४९	उनचास
50	५०	पचास

51	५१	इक्यावन
52	५२	बावन
53	५३	तिरपन
54	५४	चौवन
55	५५	पचपन
56	५६	छप्पन

57	५७	सत्तावन
58	५८	अट्ठावन
59	५९	उनसठ
60	६०	साठ
61	६१	इकसठ
62	६२	बासठ
63	६३	तिरसठ
64	६४	चौंसठ
65	६५	पैंसठ
66	६६	छियासठ
67	६७	सड़सठ
68	६८	अड़सठ
69	६९	उनहत्तर
70	७०	सत्तर
71	७१	इकहत्तर
72	७२	बहत्तर
73	७३	तिहत्तर
74	७४	चौहत्तर
75	७५	पचहत्तर

76	७६	छिहत्तर
77	७७	सतहत्तर
78	७८	अठहत्तर
79	७९	उनासी
80	८०	अस्सी
81	८१	इक्यासी
82	८२	बयासी
83	८३	तिरासी
84	८४	चौरासी
85	८५	पचासी
86	८६	छियासी
87	८७	सतासी
88	८८	अठासी
89	८९	नवासी
90	९०	नब्बे
91	९१	इक्यानवे
92	९२	बानवे
93	९३	तिरानवे
94	९४	चौरानवे

95	९५	पचानवे
96	९६	छियानवे
97	९७	सतानवे
98	९८	अठानवे
99	९९	निन्यानवे
100	१००	सौ

विषय - हिंदी	पाठ 11 चावल की रोटियां	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 12 गुरु और चेला	निबंध , moohavre ,पर्यायवाची शब्द	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

कठिन शब्द ---

1 अलमारी

2 फूलदान

3 ऊँचाई

4 परिस्थिति

5 वर्णन

6 जम्हाई

7 प्रार्थना

8 महत्वपूर्ण

मंच और मंचन

एक सादा कमरा, दीवारों पर बाँस की चटाइयाँ। एक दीवार के सहारे माँस रखने की अलमारी। अलमारी के ऊपर एक रेडियो, चाय की केतली, कुछ कप और खाली गुलाबी फूलदान रखा है। कमरे के बीच फर्श पर एक चटाई बिछी है जिसके ऊपर कम ऊँचाई वाली गोल मेज रखी है। दो दरवाज़े। एक दरवाजा पीछे की ओर खुलता है और दूसरा एक किनारे की ओर। पंछियों के चहचहाने के साथ-साथ पर्दा उठता है। दूर कहीं मुर्गा बाँग देता है। कुत्ता भौंकता है। कहीं प्रार्थना की घटियाँ बजती हैं। कोको आता है, जम्हाई लेकर अपने को सीधा करता है। ऊपर लिखी पंक्तियों में कोको के घर के एक कमरे का वर्णन किया गया है। दरअसल नाटक के लिए मंच सज्जा कैसी हो यह निर्देश उसके लिए है। तुम इस वर्णन को पढ़कर उस मंच का एक चित्र बनाओ जो ठीक वैसा ही होना चाहिए जैसा कि बताया गया है।

उत्तर:

स्वयं करो।

नाटक की बात

प्रश्न 1. नाटक में हिस्सा लेने वालों को पात्र कहते हैं। जिन पात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें मुख्य पात्र और जिनकी भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती है उन्हें 'गौण पात्र' कहते हैं। बताओ इस नाटक में कौन-कौन मुख्य और गौण पात्र कौन हैं?

2. पात्रों को जो बात बोलनी होती है उसे संवाद कहते हैं। क्या तुम किसी एक परिस्थिति के लिए संवाद लिख सकती हो? (इसके लिए तुम टोलियों में भी काम कर सकती हो।) उदाहरण के लिए खो-खो या कबड्डी जैसा कोई खेल-खेलते समय दूसरे दल के खिलाड़ियों से बहस।

3. कभी-कभी आपने कोई चीज़ या बात दूसरों से छिपाई है या छिपाने की कोशिश की है, उस समय क्या-क्या हुआ था?

4. कहते हैं, एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। क्या तुम्हें कहानी पढ़कर ऐसा लगता है? कहानी की | मदद से इस बात को समझाओ।

उत्तर:

1. इस नाटक में कोको महत्वपूर्ण भूमिका में है। अतः उसे नाटक का मुख्य पात्र कहेंगे। बाकी सभी-नीनी, मिमि, तिन सू और उ बा तुन गौण पात्र हैं।

2. स्वयं करो।

3. एक बार मेरा एक दोस्त मुझसे फुटबॉल माँगने आया। मैं देना नहीं चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि वह उसकी हवा निकालकर मेरे पास लौटाने आएगा। वह कई दोस्तों के फुटबॉलों के साथ ऐसा कर चुका था। अतः मैंने बहाना बनाया कि फुटबॉल मेरा छोटा भाई लेकर खेलने चला गया है।

4. हाँ, यह बात बिल्कुल सही है कि एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ जाते हैं। ऐसा ही कुछ इस नाटक , में हुआ है। कोको को चावल की रोटियाँ बहुत पसंद हैं। अतः वह सभी चारों रोटियाँ स्वयं खाना चाहता है। लेकिन संयोग ऐसा होता है कि जब-जब वह रोटियाँ खाने बैठता है, उसका कोई-न-कोई दोस्त आ जाता है। वह रोटियाँ उनके साथ बाँटकर नहीं खाना चाहता है और उन्हें छिपाने की कोशिश में कई झूठ बोलता है, जैसे-उसका पेट भरा है, रेडियो खराब है, घर में चूहा है, माँ को फूलों से एलर्जी है, आदि।

एक चावल कई-कई रूप

प्रश्न 1. कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रखी थीं। भारत के विभिन्न प्रांतों में चावल अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है-भोजन के हिस्से के रूप में भी और नमकीन और मीठे पकवान के रूप में भी। तुम्हारे प्रांत में चावल का इस्तेमाल कैसे होता है? घर में बातचीत करके पता करो और एक तालिका बनाओ। कक्षा में अपने दोस्तों की तालिका के साथ मिलान करो तो पाओगी कि भाषा, कपड़ों और रहन-सहन के साथ-साथ खान-पान की दृष्टि से भी भारत अनूठा है।

उत्तर: हमारे प्रांत दिल्ली में चावल का इस्तेमाल निम्नलिखित चीजें बनाने में होता है-

- खाने में प्रयुक्त सादा चावल
- नमकीन पुलाव
- मीठा पुलाव

- रोटी

प्रश्न 2. अपनी तालिका में से चावल से बनी कोई एक खाने की चीज़ बनाने की विधि पता करो और उसे नीचे दिए गए बिंदुओं के हिसाब से लिखो।

● सामग्री

● तैयारी

● विधि

उत्तर:

चावल का नमकीन पुलाव बनाने की विधि

सामग्री- चावल, गोभी, मटर, गाजर, आलू, धनिया पत्ता।

विधि- सबसे पहले सभी सब्जियों को (धनिया पत्ता नहीं) अच्छी तरह धोकर काट लो। फिर चावल को धोकर

हल्का सुखा लो। फिर उसे घी में भूनकर निकाल लो। अब कटी सब्जियों को घी में भूनो। भूनते समय उसमें नमक, मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर व इलाइची डालो। जब उनका रंग सुनहला हो जाए तो उसमें चावल को डालकर थोड़ी देर फिर भूनो। अब प्रेशर कुकर में अंदाज से पानी चढाओ। जब पानी गर्म हो जाए तो उसमें कड़ाही की सामग्री डाल दो। फिर उसे बंद कर दो। एक सीटी के बाद उतार लो। थोड़ी देर बाद गर्मागरम परोसो। चाहो तो ऊपर में धनिया पत्ता बारीक-बारीक काटकर पुलाव पर फैला दो।

प्रश्न 3. "कोको के माता-पिता धान लगाने के लिए खेतों में गए।"

कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाईं।"

एक ही चीज़ के विभिन्न रूपों के अलग-अलग नाम हो सकते हैं। नीचे ऐसे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें अंतर बताओ।

चावल, धान, भात, मुरमुरा, चिउड़ा

साबुत दाल, धुली दाल, छिलका दाल

गेहूँ, दलिया, आटा, मैदा, सूजी

उत्तर:

• चावल – धान से निकला दाना चावल होता है।

• धान – छिलका लगे चावल को धान कहते हैं।

• भात – पका हुआ चावल भात कहलाता है।

• मुरमुरा चावल या धान का भूना हुआ रूप मुरमुरा कहलाता है।

• चिउड़ा – धान को भिगोकर या उबालकर कूटने से चिउड़ा तैयार होता है।
• साबुत दाल – छिलके वाली दाल जो टुकड़ों में नहीं है।
• धुली दाल – टूटी हुई बिना छिलके वाली दाल।
• छिलका दाल – टूटी हुई छिलके वाली दाल
• गेहूँ – गेहूँ साबुत दाना होता है।
• दलिया – गेहूँ के दानों को दलकर दलिया बनाया जाता है।
• आटा – गेहूँ के दानों को पीसकर आटा बनाया जाता है।
• मैदा – गेहूँ के दानों को बहुत ही अधिक बारीक पीसकर मैदा बनाया जाता है।

के, में, ने, को, से...
कोको की माँ ने कल दुकान से एक फूलदान खरीदा था।''
ऊपर लिखे वाक्य में जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है वे वाक्य में शब्दों को आपस में संबंध बताते हैं। नीचे एक मजेदार किताब ''अनारको के आठ दिन'' का एक अंश दिया गया है। उसके खाली स्थानों में इस प्रकार के सही शब्द लिखो।
उत्तर: अनारको एक लड़की है। धर के लोग उसे अन्नो कहते हैं। अन्नो नाम छोटा जो है, सो उस से हुक्म चलाना आसान होता है। अन्नो, पानी ले आ, अन्नो धूप में मत जाना, अन्नो बाहर अँधेरा है–कहीं मत जा, बारिश में भीगना मत, अन्नो! और कोई बाहर से घर में आए तो घर वाले कहेंगे–ये हमारी अनारको है, प्यार से हम इसे अन्नो कहते हैं। प्यार से हुँ–ह–ह!

आज अनारको सुबह सोकर उठी तो हाँफ रही थी। रात सपने में बहुत बारिश हुई।
अनारको ने याद किया और उसे लगा, आज के सपने में जितनी बारिश हुई उतनी तो पहले के सपनों में कभी नहीं हुई। कभी नहीं। जमके बारिश हुई थी आज के सपने में और जमकर उसमें भीगी थी अनारको। खूब उछली थी, कूदी थी, चारों तरफ पानी छिटकाया था और खूब–खूब भीगी थीं।

पाठ **गुरु और चेला**

कठिन शब्द --

प्रश्न उत्तर --

टके की बात

प्रश्न 1.

टका पुराने जमाने का सिक्का था। अगर आजकल सब चीजें एक रुपया किलो मिलने लगे तो उससे किस तरह के फायदे और नुकसान होंगे?

उत्तर:

फायदा-गरीबों को भी सब चीजें खरीदने का मौका मिलेगा। अमीर-गरीब का भेद खत्म हो जाएगा।

नुकसान-बाजार मंदा पड़ता जाएगा। देश की अर्थव्यवस्था लचर हो जाएगी।

प्रश्न 2.

भारत में कोई चीज़ खरीदने-बेचने के लिए रुपये का इस्तेमाल होता है और बांग्लादेश में 'टके' का। 'रुपया' और

'टका' क्रमशः भारत और बांग्लादेश की मुद्राएँ हैं। नीचे लिखे देशों की मुद्राएँ कौन-सी हैं?

सऊदी अरब जापान फ्रांस, इटली इंग्लैंड

उत्तर:

- **सऊदी अरब – दीनार**
- **जापान – येन**
- **फ्रांस – यूरो**
- **इटली – यूरो**
- **इंग्लैंड – पाउंड**

कविता की कहानी

प्रश्न 1.

इस कविता की कहानी अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर:

इस प्रश्न के उत्तर: के लिए कविता का सारांश देखें।

प्रश्न 2.

क्या तुमने कोई और ऐसी कहानी या कविता पढ़ी है जिसमें सूझ-बूझ से बिगड़ा काम बना हो, उसे अपनी कक्षा में सुनाओ।

उत्तर:

स्वयं करो।

प्रश्न 3.

कविता को ध्यान से पढ़कर 'अंधेर नगरी' के बारे में कुछ वाक्य लिखो।

(सड़कें, बाजार, राजा का राजकाज)

उत्तर:

- **सड़कें-अंधेर नगरी में सड़कें चमकदार थीं।**
- **बाजार-अंधेर नगरी के बाजार में सब चीजें टके सेर बिकती थीं।**
- **राजा का राजकाज-अंधेर नगरी का राजा मूर्ख था। इसलिए उसका राजकाज सही नहीं था। प्रजा बहुत दुखी रहती थी। ऐसे राजा से मुक्ति चाहती थी।**

प्रश्न 4.

क्या ऐसे देश को 'अंधेर नगरी' कहना ठीक है? अपने उत्तर: का कारण भी बताओ।

उत्तर:

हाँ, ऐसे देश को ही तो 'अंधेर नगरी' कहते हैं क्योंकि इस नगरी का राजा निहायत मूर्ख था। उसे यह भी पता । नहीं था कि सही क्या है गलत क्या है, किसे सजा चाहिए, किसे शाबाशी। उसके राज में प्रजा काफी दुखी रहती थी, उससे मुक्ति चाहती थी।

कविता की बात

प्रश्न 1.

"प्रजा खुश हुई जब मरा मूर्ख राजा ।"

(क) अँधेर नगरी की प्रजा राजा के मरने पर खुश क्यों हुई? ।

(ख) यदि वे राजा से परेशान थे तो उन्होंने उसे खुद क्यों नहीं हटाया? आपस में चर्चा करो।

उत्तर:

(क) मूर्ख को कोई नहीं चाहता क्योंकि वह हमेशा लोगों की परेशानी का कारण बनता है। अंधेर नगरी की प्रजा राजा के मरने पर इसलिए खुश हुई क्योंकि वह मूर्ख था। उसके मरने से उनकी वर्षों की तमन्ना पूरी हुई। वे राजा की मूर्खतापूर्ण शासन-व्यवस्था से बड़े दुखी थे। अब उनके दुख का अंत हो गया।

(ख) उन्होंने ऐसे राजा को खुद इसलिए नहीं हटाया क्योंकि यह काम आसान नहीं था। इस काम

को – सफलतापूर्वक करने के लिए उन्हें किसी योग्य व्यक्ति के नेतृत्व में एकजुट होना पड़ता। सबको एकजुट करना भी मुश्किल काम होता है, और यदि काम हो भी जाए तो काफी समय लगता है।

प्रश्न 2.

"गुरु का कथन, झूठ होता नहीं है।"

(1) गुरुजी ने क्या बात कही थी?

(2) राजा यह बात सुनकर फाँसी पर लटक गया। तुम्हारे विचार से गुरुजी ने जो बात कही, क्या वह सच थी?

(3) गुरुजी ने यह बात कहकर सही किया या गलत? आपस में चर्चा करो।

उत्तर:

(1) यह मुहूर्त फाँसी पर चढ़ने के लिए सबसे शुभ है। इस मुहूर्त में जो फाँसी पर चढ़ेगा वह चक्रवर्ती राजा बनेगा और उसके सिर पर पूरे संसार का छत्र होगा।

(2) बिल्कुल नहीं। राजा मूर्ख था। इसलिए गुरुजी की बात को सच मान लिया।

(3) बिल्कुल सही किया। ऐसा करके उन्होंने न केवल अपने निर्दोष चेले को बचाया बल्कि उस नगरी की सारी प्रजा को भी बचा लिया। प्रजा ऐसे मूर्ख राजा से मुक्ति चाहती थी। उनकी इच्छा गुरुजी ने पूरी की।

अलग तरह से

• अगर कविता ऐसे शुरू हो तो आगे किस तरह बढ़ेगी?

थी बिजली और उसकी सहेली थी बदली

उत्तर:

फिर से एक बार कविता पढ़ो और इस प्रश्न को स्वयं करो।

क्या होता यदि...

1. मंत्री की गर्दन फैदे के बराबर की होती?

2. राजा गुरुजी की बातों में न आता?

3. अगर संतरी कहता कि "दीवार इसलिए गिरी क्योंकि पोली थी" तो महाराज किस-किस को बुलाते? आगे क्या होता?

उत्तर:

1. उसे फाँसी पर चढ़ा दिया जाता।

2. वह जीवित रहता और उसकी शासन व्यवस्था डगमगाती हुई चलती रहती। साथ ही चेले को फाँसी मिल जाती।

3. स्वयं करो।

शब्दों की छानबीन

प्रश्न 1.

नीचे लिखे वाक्य पढ़ो। जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उन्हें आजकल कैसे लिखते हैं, यह भी बताओ।

(क) न जाने की अंधेर हो कौन छन में!

(ख) गुरु ने कहा तेज ग्वालिन न भुग री!

(ग) इसी से गिरी, यह न मोटी घनी थी!

(घ) ये गलती न मेरी, यह गलती बिरानी!

(ङ) न ऐसी महूरत बनी बढ़िया जैसी!

उत्तर:

(क) छन-क्षण

(ख) भग-भाग

(ग) घनी-गहरी

(घ) बिरानी-परायी

(ङ) महूरत-मुहूर्त।

प्रश्न 2.

चमाचम थीं सड़कें... इस पंक्ति में 'चमाचम' शब्द आया है। नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और दिए गए वाक्यों में ये शब्द भरो-

पटापट चकाचक फटाफट चटाचट झकाझक खटाखट चटपट।

(i) आँधी के कारण पेड़ से ..... फल गिर रहे हैं।

(ii) हंसा अपना सारा काम ..... कर लेती है।

(iii) आज रहमान ने ..... सफेद कुर्ता पाजामा पहना है।

(iv) उस भुक्खड़ ने ..... सारे लड्डू खा डाले।

(v) सारे बर्तन धुलकर ..... हो गए।

उत्तर:

(i) पटापट

(*ii*) फटाफट

(*iii*) झकाझक

(*iv*) चटपट

(*v*) चकाचक

व्याकरण भाग ----

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, उसे सर्वनाम कहते हैं। जैसे– वह, यह, मैं, तुम आदि।

- मेरे दोस्त का नाम शिखर है।
- शिखर पाँचवी कक्षा में पढ़ता है।
- शिखर के पिताजी अध्यापक हैं।
- शिखर की माता जी डॉक्टर हैं।
- शिखर पढ़ने में बहुत अच्छा है।
- शिखर क्रिकेट का अच्छा खिलाड़ी है।
- शिखर को कई पुरस्कार भी मिले हैं।

ऊपर के वाक्यों में 'शिखर' शब्द का बार–बार प्रयोग हुआ है। यह अच्छा नहीं लग रहा है। अब उन्हीं वाक्यों को इस रूप में पढ़िए:

- मेरे दोस्त का नाम शिखर है।
- वह पाँचवी कक्षा में पढ़ता है।
- उसके पिताजी अध्यापक हैं।
- उसकी माता जी डॉक्टर हैं।
- वह पढ़ने में बहुत अच्छा है।
- वह क्रिकेट का अच्छा खिलाड़ी है।
- उसको कई पुरस्कार भी मिले हैं।

इन वाक्यों में 'शिखर' संज्ञा शब्द के बदले वह, उसके, उसकी, शब्दों का प्रयोग किया गया है। ये सभी सर्वनाम हैं।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छह भेद हैं:

- 1. पुरुषवाचक सर्वनाम
- 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
- 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- 4. संबंधवाचक सर्वनाम
- 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
- 6. निजवाचक सर्वनाम

पुरुषवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम जो कहने वाले, सुनने वाले या अन्य पुरुष (जिसके बारे में बात कर रहे हों) का बोध कराएँ उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे: मैं, तू, वह आदि।
पुरूषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं:
(क) उत्तम पुरुष
(ख) मध्यम पुरुष
(ग) अन्य पुरुष

उत्तम पुरुष

जिस सर्वनाम को बोलने वाला अपने लिए प्रयुक्त करे उसे उत्तम पुरुष सर्वनाम कहते हैं। जैसे: मैं, हम।

मध्यम पुरुष

जिस सर्वनाम को बोलने वाला सुनने वाले के लिए प्रयुक्त करे, उसे मध्यम पुरुष सर्वनाम कहते हैं। जैसे: तू, तुम।

अन्य पुरुष

जिस सर्वनाम को बोलने वाला अन्य पुरूष के लिए प्रयुक्त करे, उसे अन्य पुरुष सर्वनाम कहते हैं। जैसे: वह, वे।

निश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम जो किसी वस्तु या स्थान के बारे में निश्चयपूर्वक ज्ञान कराएँ, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे:

1. यह मेरी पुस्तक है।
2. वह मेरा घर है।

यहाँ 'यह' और 'वह' शब्द किसी निश्चित वस्तु की ओर संकेत कर रहे हैं। अतः ये 'निश्चयवाचक सर्वनाम' हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम जो किसी वस्तु का निश्चयपूर्वक ज्ञान न कराएँ उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे:

1. कोई गा रहा है।
2. उसे कुछ हो गया है।

यहाँ 'कोई' और 'कुछ' शब्द निश्चयपूर्वक ज्ञान नहीं कराते। अतः ये अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

संबंधवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम वाक्य में प्रयुक्त किसी दूसरी संज्ञा सर्वनाम से संबंध बताते हैं, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे:

1. जैसा करोगे वैसा भरोगे।
2. जो भागेगा वह गाड़ी पकड़ लेगा।

यहाँ 'जैसा-वैसा' और 'जो-वह' शब्द दो बातों में मेल स्थापित करते हैं। अतः ये 'संबंधवाचक सर्वनाम' हैं।

प्रश्नवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम वाक्य में किसी प्रश्न का बोध कराएँ, उन्हें 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे:

1. कौन गा रहा है?
2. वह क्या कर रहा है?

यहाँ 'कौन' और 'क्या' शब्द प्रश्न करने का बोध कराते हैं। अतः ये 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' हैं।

निजवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम जो कर्ता के साथ अपनेपन का भाव प्रकट करते हैं, उन्हें 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे:

1. मैं अपना काम आप कर लूँगा।
2. वह स्वयं आया था।

यहाँ 'आप' और 'स्वयं' शब्द कर्ता के लिए ही प्रयुक्त हुए हैं। अतः ये 'निजवाचक सर्वनाम' हैं।

सर्वनाम शब्दों की रूप रचना

सर्वनाम शब्द विकारी होते हैं। परंतु लिंग के कारण इनमें कोई परिवर्तन नहीं होता।
जैसे:

1. वह खेल रहा है।
2. वह खेल रही है।

सर्वनाम के रूप

उत्तम पुरूष 'मैं' के रूप

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
कर्म	मुझको, मुझे	हमको, हमें
करण	मुझसे	हमसे
संप्रदान	मेरे लिए	हमारे लिए
अपादान	मुझसे	हमसे
संबंध	मेरा, मेरे, मेरी	हमारा, हमारे, हमारी
अधिकरण	मुझमें, मुझ पर	हममें, हम पर

मध्यम पुरूष 'तू' के रूप

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	तू, तूने	तुम, तुमने
कर्म	तुझको, तुझे	तुमको, तुम्हें
करण	तुझसे	तुमसे
संप्रदान	तेरे लिए	तुम्हारे लिए
अपादान	तुझसे	तुझसे
संबंध	तेरा, तेरे, तेरी	तुम्हारा, तुम्हारे, तुम्हारी
अधिकरण	तुझमें, तुझपर	तुममें, तुम पर

अन्य पुरुष 'वह' के रूप

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	वह, उसने	वे, उन्होंने

कर्म	उसको	उनको
करण	उससे	उनसे
संप्रदान	उसके लिए	उनके लिए
अपादान	उससे	उनसे
संबंध	उसका, उसके,	उसकी उनका, उनके, उनकी
अधिकरण	उसमें, उस पर	उनमें, उन पर

निश्चयवाचक 'यह' के रूप

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	यह, इसने	ये, इन्होंने
कर्म	इसको	इनको
करण	इससे	इनसे
संप्रदान	इसके लिए	इनके लिए
अपादान	इससे	इनसे
संबंध	इसका, इसके, इसकी	इनका, इनके, इनकी
अधिकरण	इसमें, इस पर	इनमें, इन पर

अनिश्चयवाचक 'कोई' के रूपकर्ता

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	कोई, किसी ने	किन्हीं ने

संबंधवाचक 'जो' के रूपकर्ता

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता		

विषय - हिंदी	पाठ 13 स्वामी की दादी	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 14 बाघ आया उस रात	निबंध , moohavre ,पर्यायवाची शब्द ,पत्र लेखन	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

पाठ 13 स्वामी की दादी

कठिन शब्द ---

1 खूंखार

2 दिलचस्पी

3 महामूर्ख

4 चूड़ियाँ

5 गणित

6 ईमानदारी

7 प्रभावशाली

8 व्यक्तित्व

प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. सच? राजम बड़ा बहादुर लड़का है।'' स्वामी को क्यों लगा कि दादी ने यह बात उसे खुश करने के लिए कही?

उत्तर: स्वामी अच्छी तरह जानता था कि उसकी दादी राजम को पसंद नहीं करती हैं। इसलिए उनके मुँह से राजम की बड़ाई सुनकर उसे (स्वामी) लगा कि वे उसे खुश करने के लिए ऐसा कर रही हैं।

प्रश्न 2. मेडल से चूड़ियाँ बनवा लेने पर दादी ने बुआ को महामूर्ख क्यों माना?

उत्तर: मेडल इस बात की निशानी थी कि दादाजी पढ़ने में अव्वल थे। वह जब तक रहता घर और बाहर के लोगों को प्रेरणा देता। ऐसी प्रेरक चीजों को संभालकर रखनी होती हैं। बुआ ने उसका महत्व नहीं समझा और उससे चार चूड़ियाँ बनवा लीं। इसीलिए दादी ने उसे महामूर्ख कहा।

प्रश्न 3. पाठ के आधार पर दादी या स्वामी के स्वभाव, आदतों आदि के बारे में तुम्हें क्या पता चलता है? किसी एक के बारे में दस-बारह वाक्य लिखो।

उत्तर: स्वामी

स्वामी एक छोटा लड़का था जो अपनी दादी के साथ उनकी कोठरी में रहता था। उसे दादी से बहुत लगाव था। वह दादी की गोद में जब सिर रखकर लेटता था तो स्वयं को बहुत सुरक्षित महसूस करता था। वह दादी की पुरानी बातों में जरा भी दिलचस्पी नहीं लेता। उनको अपनी बात सुनने को कहता। और अगर दादी ने उसकी बातों में दिलचस्पी नहीं दिखायी तो वह नाराज हो जाता था। उसका एक दोस्त था जिसका नाम राजम था। वह उसकी बहादुरी और गणित में अच्छे नंबर लाने से बहुत प्रभावित रहता था। वह दादी से उसके बारे में बढ़ा-चढ़ाकर कहता रहता था।

तुम्हारी समझ से

प्रश्न 1. स्वामी ने राजम को ऊँची चीज' माना। क्या तुम स्वामी की राय से सहमत हो? अपने उत्तर: के कारण लिखो।

उत्तर: हाँ, मैं स्वामी की राय से सहमत हूँ। राजम पढ़ने में तेज था। उसके गणित में अच्छे नंबर आते थे। वह बहादुर भी था। उसने बचपन में एक शेर को मारा था। और तो और उसके पिताजी पुलिस के सबसे बड़े अफसर थे। उसके पास पुलिस की वर्दी थी।

प्रश्न 2. स्वामी का अपनी दादी के साथ कैसा रिश्ता था? तीन-चार वाक्यों में लिखो।
उत्तर: स्वामी का अपनी दादी से बहुत लगाव था। वह उनकी गोद में सिर रखकर सुरक्षित महसूस करता था। वह उनसे कभी-कभी चिढ़ जरूर जाता था लेकिन उनसे बहुत प्यार करता था। रोज रात में उनके साथ सोता था। उनकी संगति में वह प्रसन्न रहता था।

कहानी और तुम
प्रश्न 1. (क) "स्वामीनाथन के दादा रौबदार सब मजिस्ट्रेट थे।" किसी व्यक्ति का रौब किन बातों से पता चलता है?
(ख) क्या तुम्हारे आसपास कोई रौबदार व्यक्ति है? शब्दों के जरिए उसका खाका खींचो।
उत्तर: (क) किसी व्यक्ति का रौब उसके पद और पद के साथ उसकी ईमानदारी, उसके प्रभावशाली व्यक्तित्व और समाज में उसकी पूछ और इज्जत से पता चलता है।
(ख) स्वयं करो।

प्रश्न 2. "स्वामीनाथन दादी के पास ... बहुत प्रसन्न और सुरक्षित महसूस कर रहा था।" तुम कब असुरक्षित महसूस करती हो?
उत्तर: जब घर में कोई नहीं होता है और बिजली गुल हो जाती है।

प्रश्न 3. तुम इन हालात में कैसा महसूस करती हो
(क) दोस्त के घर में
(ख) जब तुम पहली बार किसी के घर जाती हो
(ग) रेलगाड़ी या बस में किसी सफ़र पर
(घ) जब तुम मुख्याध्यापक के कमरे में जाती हो।
उत्तर:
(क) दोस्त के घर में अच्छा महसूस करती हूँ।
(ख) जब पहली बार किसी के घर जाती हूँ तो पहले थोड़ा संकोच और डर महसूस होता है। लेकिन कुछ देर बातचीत करने पर ठीक हो जाती हूँ।
(ग) रेलगाड़ी या बस में सफर करते समय मैं बेहद खुशी का अनुभव करती हूँ।
(घ) जब मैं मुख्याध्यापक के कमरे में जाती हूँ तो बेहद डरी होती हूँ।

पता करो।
प्रश्न 1.

सब-मजिस्ट्रेट कौन होता है? क्या वह पुलिस विभाग में होता है?

उत्तर:

सब-मजिस्ट्रेट एक जज होता है जो मुकदमों के फैसले सुनाता है। वह पुलिस विभाग से संबंधित नहीं होता।

प्रश्न 2.

तुम्हारा घर या स्कूल किस थाने में आता है? थाने में कौन-कौन से पद होते हैं? उन व्यक्तियों के नाम भी पता करो जो इन पदों पर हैं। नीचे दी गई तालिका में इकट्ठा की गई जानकारी को दर्ज करो।

थाने का नाम –
पद –
व्यक्ति का नाम –

उत्तर:

थाने में जो पद होते हैं उनका नाम क्रमानुसार

- **एस.एच.ओ.**
- **सब-इन्सपेक्टर**
- **हवलदार**
- **सिपाही**

नोट-विद्यार्थी अपने थाने का नाम पता करें और उपरोक्त पदों पर जो व्यक्ति आसीन हैं उनका नाम भी लिखें।

दादी का बक्सा

"उसका (दादी) सामान था–पाँच दरियाँ, तीन चादरें .....
लकड़ी का एक छोटा बक्सा जिसमें ताँबे के सिक्के,
इलायची, लौंग और सुपारी पड़े रहते थे।"

1. दादी अपने बक्से में इलायची, लौंग और सुपारी क्यों रखती होंगी?

2. क्या तुम्हारे घर में इनका इस्तेमाल होता है? किस-किस तरह से होता है?

3. ताँबे के सिक्के बनाने के लिए किस-किस धातु का इस्तेमाल होता है?

4. सिक्के कौन-कौन सी धातु के बने हो सकते हैं?

उत्तर:

1. खाने और मन बहलाने के लिए रखती होंगी।

2. हाँ, मेरे घर में भी इन चीजों का इस्तेमाल होता है। इलायची और लौंग का प्रयोग चाय और सब्जियों को जायकेदार बनाने में होता है। सुपारी खाने में इस्तेमाल होता है।

3. ताँबा और लोहे जैसे दो धातुओं से ताँबे के सिक्के बनाये जाते हैं।

4. ताँबा, सोना, चाँदी, लोहा, गिलट आदि के बने होते हैं।

शब्दों की बात

प्रश्न 1.

नीचे पहले स्तंभ के रेखांकित विशेषणों और दूसरे स्तंभ के शब्दों का वाक्य में प्रयोग करो। तुम एक से अधिक वाक्यों का सहारा भी ले सकती हो।

ऊलजलूल कल्पना	चेतावनी
रूखा स्वर	मिठास
खूँखार डाकू	समर्थन

उत्तर:

- ऊलजलूल-उसकी ऊलजलूल बातों से मैं बहुत जल्दी ऊब गया।
- रूखा-हमें किसी के भी साथ रूखा व्यवहार नहीं करना चाहिए।
- बूंखार-जंगलों में रहने वाले सभी जानवार खूँखार नहीं होते।
- चेतावनी-शिक्षक ने विद्यार्थियों को समय पर आने की चेतावनी दी।
- मिठास-दूध की मिठास सबको अच्छी लगती है।
- समर्थन-हमें अच्छी बातों का समर्थन करना चाहिए।

प्रश्न 2. नीचे कहानी से कुछ वाक्यों के अंश दिए गए हैं। इनमें जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका लिंग पहचानो। और लिखो।

पुलिस की वर्दी	काफी बड़ा दफ्तर
ताँबे के सिक्के	अपने सारे सामान

दसवाँ <u>हिस्सा</u> उस जैसा <u>महामूर्ख</u>

उत्तरः

शब्द	लिंग
वर्दी	स्त्रीलिंग
सिक्के	पुल्लिग
हिस्सा	पुल्लिग
दफ्तर	पुल्लिग
सामान	पुल्लिग
महामूर्ख	पुल्लिग

पाठ ---- 14 बाघ आया उस रात

कठिन शब्द

1 गति

2 चित्रात्मक

3 झाडियों

4 नदियों

5 दफ्तर

6 एकत्रित

7

प्रश्न उत्तर --

बात-बात में
प्रश्न 1. "वो इधर से निकला, उधर चला गया"
(क) यह बात कौन किसे बता रहा होगा?
(ख) तुम्हें यह उत्तर कविता की किन पंक्तियों से पता चला?
उत्तर:
(क) यह बात बेटू-छोटू को बता रहा होगा।
(ख) छोटू बोला
स्कूल में भी नहीं ..."
पाँच-साला बेटू ने
हमें फिर से आगाह किया
"अब रात को बाहर होकर बाथरूम न जाना!"

ख़बर तेंदुए की
(क) कक्षा 2 की रिमझिम में अखबार में छपा एक समाचार दिया गया है। साथ में उस समाचार के आधार पर लिखी एक कहानी भी दी गई है। उसे एक बार फिर से पढ़ो।
(ख) अब 'बाघ आया उस रात' कविता के आधार पर एक "समाचार' लिखो।
(ग) तेंदुए और बाघ में क्या अंतर है? पता करो। इस काम के लिए तुम बड़ों से बातचीत भी कर सकते हो।
उत्तर: (क) स्वयं करो।
(ख) स्वयं करो।
(ग) तेंदुए बाघ से थोड़े छोटे होते हैं। इनके दौड़ने की गति भी एक समान नहीं होती।

उस रात
इस कविता में एक ऐसी रात की बात की गई है जिस रात को कुछ अनोखी घटना घटी थी।

(क) उस रात को कौन-सी अनूठी बात हुई थी?
(ख) तुम्हारे विचार से क्या सचमुच यह बात अनूठी है? क्यों?
(ग) उस रात को और क्या-क्या हुआ होगा? अपने साथियों से बातचीत करके लिखो।
उत्तर:
(क) उस रात को गाँव में बाघ आ गया था।
(ख) हाँ, यह बात सचमुच अनूठी है क्योंकि बाघ हिंसक होते हैं और उनका वास स्थान जंगल होता है जब भी किसी वजह से वे रिहाइसी इलाकों में घुस आते हैं तो दहशत मचा देते हैं।
(ग) स्वयं करो।

बाघ के काम
बाघ कहीं काम नहीं करता, न किसी दफ्तर में, न कॉलेज में''
बाघ दिन भर क्या-क्या करता होगा? कहाँ-कहाँ जाता होगा? अपने साथियों के साथ मिलकर जानकारी एकत्रित करो। फिर चर्चा करके उस पर एक चित्रात्मक पुस्तक तैयार करो। इसे तुम अपने पुस्तकालय में भी रख सकते हो।
उत्तर:
बाघ दिनभर शिकार की खोज में जंगल में घूमता रहता होगा। कभी-कभी सो भी जाता होगी। शिकार की खोज में वह झाड़ियों, नदियों आदि जगहों पर जाता होगा।

आँखें फैलाकर
वो इधर से निकला उधर चला गया।
वो आँखें फैलाकर बतला रहा था।
नीचे आँख से जुड़े कुछ और मुहावरे दिए गए हैं, वाक्यों में इनका इस्तेमाल करो।
आँख लगना – आँख दिखाना
आँख मूंदना – आँख बचाना
आँखें भर आना – सिर-आँखों पर बैठाना
उत्तर:

- आँख लगना-उसके जाते ही मेरी आँख लग गई।
- आँख मूंदना-कैंसर के कारण उन्होंने असमय ही आँख मूंद ली। आँखें भर आना-पड़ोसी का दुखड़ा सुनकर मेरी आँखें भर आईं।
- आँख दिखाना-शिक्षक ने छात्रों को आँखें दिखाकर चुप कराया।

- **आँख बचाना–हिरण शेर के पास से आँख बचाकर निकल गया।**
- **सिर–आँखों पर बैठाना–गलत आदमी को कभी सिर–आँखों पर नहीं बैठाना चाहिए।**

शब्दों की दुनिया

(क) पाँच साला बेटू ने हमें फिर से आगाह किया। 'आगाह किया' का मतलब क्या हो सकता है?

(*i*) सचेत किया ……

(*ii*) मनोरंजन किया। ……

(*ii*) बताया ……

समझाया ……

उत्तर:

(*i*) सचेत किया।

(ख) कविता में इनमें से कौन–सा भाव झलकता है?

उत्तर:

भय या डर का भाव।

(ग) किन–किन पंक्तियों/शब्दों से ये भाव व्यक्त हो रहे हैं?

- **आश्चर्य**
- **डर**
- **अविश्वास**

उत्तर:

- **आश्चर्य–"वो इधर से निकला उधर चला गया ss"**
- **डर–"अब रात को बाहर होकर बाथरूम न जाना।"**
- **अविश्वास–"जाने कब बाघ फिर से आ जाए?"**

(घ) जब हम कविता के ज़रिए कोई बात कहते हैं तो आम तौर पर शब्दों के क्रम को बदल देते हैं।

(*i*) जैसे कविता का शीर्षक "बाघ आया उस रात" गद्य में "उस रात बाघ आया" होगा। ऐसा क्यों किया जाता। होगा?

(*ii*) इस किताब की दूसरी कविताएँ भी पढ़ो और शब्दों के क्रम में आए बदलाव पर गौर करो। ऐसे ही कुछ वाक्यों की सूची भी बनाओ।
(*iii*) क्या शब्दों के क्रम में बदलाव अख़बार की खबरों में भी आता है? नीचे बने कोलाज को .

व्याकरण भाग ---

विशेषण

विशेषण किसे कहते हैं?

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों के गुण, संख्या, मात्रा, अवस्था आदि की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
चित्रों के नीचे लिखे वाक्य पढ़िए:
1. हरा पत्ता
2. चौथी पुस्तक
3. पतली औरत

यहाँ पत्ता, पुस्तक तथा औरत संज्ञा शब्द हैं। हरा, चौथी तथा पतली विशेषण शब्द हैं, जो इन संज्ञा शब्दों की विशेषता बता रहे हैं। विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं। विशेषण के भेद-विशेषण के चार भेद होते हैं:

1. गुणवाचक
2. संख्यावाचक
3. परिमाण वाचक
4. सार्वनामिक

गुणवाचक विशेषण

वे विशेषण जो संज्ञा शब्दों के गुण, दोष, आकार तथा रंग आदि की विशेषताएँ बताते हैं, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। जैसे:

गुण–दोष:	अच्छा, बुरा, सुंदर, मुलायम, मीठा, खटा, शुद्ध, वीर आदि।
आकार:	लंबा, चौड़ा, छोटा, बड़ा, मोटा, पतला, नाटा, गोल, चौकार आदि।
रंग:	काला, लाल, पीला, नीला, नारंगी, आसमानी आदि।
स्थान:	भारतीय, जापानी, ग्रामीण, शहरी, पहाड़ी रेगिस्तानी आदि।
स्वभाव:	शांत, कमजोर, बुदधिमान, गुस्सैल, गंभीर आदि।
स्थिति:	गरीब, बीमार, प्रसन्न, क्रुद्ध, उदास आदि।

संख्यावाचक

वे विशेषण जो संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसके तीन भेद होते हैं:

1. (*i*). निश्चित संख्यावाचक विशेषण (दो, सात, हज्जार, आदि)
2. (*ii*). अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण (कुछ, कई, बहुत से, आदि)
3. (*iii*). क्रमिक संख्यावाचक विशेषण (तीसरा, दसवां, पहला, आदि)

परिमाणवाचक विशेषण

जो विशेषण संज्ञा के परिमाण (नाप–तौल) का बोध कराते हैं, उन्हें परिणामवाचक विशेषण कहते हैं
मापने के शब्द : तीन लीटर (दूध), एक कटोरी (घी)
मापने के शब्द : दो मीटर (कपड़ा), सौ गज (जमीन)
तौलने के शब्द : एक किलो (आटा), सौ ग्राम (लाल मिर्च) आदि।
ये तो सब निश्चित परिमाणवाचक विशेषण हैं। इनके अतिरिक्त अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण होते हैं। जैसे: कुछ लोग, थोड़ा–सा दूध, बहुत धन आदि।

सार्वनामिक विशेषण

वे सर्वनाम जो किसी संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताता हैं, उन्हे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं। जैसे:
वे फल
ये लाग
यह किताब
ये बच्चे
सार्वनामिक विशेषण की पहचान यह है कि वाक्य मे सर्वनाम और संज्ञा हमेशा साथ-साथ आते हैं।

विशेषण की रचना

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और अव्यय शब्दों में कुछ शब्दांश जोड़कर विशेषण बनाए जा सकते हैं।

संज्ञा से विशेषण

संज्ञा	विशेषण
घर	घरेलू
भारत	भारतीय
ग्राम	ग्रामीण
रंग	रंगीन
आदर	आदरणीय
नमक	नमकीन

सर्वनाम से विशेषण

सर्वनाम	विशेषण
मैं	मेरा
वह	वैसा
यह	ऐसा

क्रिया से विशेषण

क्रिया	विशेषण
पढ़ना	पढ़ाकू
लड़ना	लड़ाकू
देखना	दिखाऊ

अव्यय से विशेषण

अव्यय	विशेषण
भीतर	भीतरी
बाहर	बाहरी
ऊपर	ऊपरी

जब दो या अधिक व्याक्तियों या वस्तुओं में तुलना की जाती है, तब भी विशेषण का प्रयोग होता है। यह प्रयोग तीन प्रकार से होता है:

1. **जब किसी से तुलना न की जाए, केवल विशेषता बताई जाए– मिताली बहुत अच्छी है।**
2. **जब दो वस्तुओं या व्यक्तियों के बीच गुण या दोष की तुलना की जाती है– लता मिताली से अच्छी है। इसमें से अधिक, से बढ़कर, की अपेक्षा, से बड़ा, से कम आदि का प्रयोग किया जाता है।**
3. **जब दो से अधिक वस्तु या व्यक्तियों में से किसी एक को शंष से किसी विशेषता के आधार पर सबसे आगे रखा जाता है है। जैसे– सीमा सबसे अच्छी है।**

गुणवाचक विशेषण क्या है *?*

जो शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, दोष, रंग, आकार, अवस्था, स्थिति, स्वभाव, दशा, दिशा, स्पर्श, गंध, स्वाद आदि का बोध कराए, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।
उद्धाहरण:

गुणबोधक: अच्छा, भला, शिष्ट, सभ्य, नम्र, सुशील, कर्मठ आदि।
दोषबोधक: बुरा, अशिष्ट, असभ्य, उद्दंड, दुश्शील, आलसी आदि।
रंगबोधक: काला, लाल, हरा, पीला, मटमैला, सफेद, चितकबरा आदि।

अनुच्छेद लेखन --

अनुच्छेद लेखन

जब किसी विषय पर निश्चित क्रम से विचारों को प्रकट किया जाता है, तो ऐसे लेख को अनुच्छेद कहते हैं। किसी भी अनुच्छेद को मुख्य रूप से तीन भागों में बाँटा जा सकता है:

1. आरंभ- इसे भूमिका या प्रस्तावना कहते हैं। इसमें विषय का साधारण परिचय दिया जाता है।
2. मध्य भाग- इसमें अनुच्छेद की सारी बातें विस्तार से लिखी जाती हैं।
3. अंत- इसे 'उपसंहार' भी कहा जाता है। इस भाग में अनुच्छेद का निष्कर्ष होता है।

अनुच्छेद लिखते समय किन बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए?

अनुच्छेद लिखते समय इन बातों पर विशेष ध्यान दीजिए:

1. निर्धारित विषय के संबंध में आप जितनी भी बातें लिखना चाहते हैं, उनकी सूची बना लीजिए।
2. अनुच्छेद की रूपरेखा (outline) बना लेनी चाहिए।
3. अनुच्छेद की भाषा सरल तथा शुद्ध होनी चाहिए।
4. अनुच्छेद का आकार निश्चित कर लीजिए।
5. अनुच्छेद लिखने के बाद उसे एक बार अवश्य पढ़िए और देखिए कि कहीं कोई बात छूट तो नहीं गई।

आगे उदाहरण के रूप में कुछ अनुच्छेद दिए जा रहे हैं:

अपने मित्र के जन्मदिन का उपहार

संकेत बिंदु : पार्टी, उपहार के लिए बाजार जाना, उपहार का चुनाव, उपहार की पैकिंग,
'जन्मदिन' अपने आप में एक सुंदर-सा शब्द है, जिसे सुनते ही मन में ज़ोरों से खुशी की घंटियाँ बजने लगती हैं। कल्पना करते हुए ऐसा लगता है कि मानों किसी पार्टी में झूम रहे हों। जैसे ही कल्पनाओं से बाहर आते हैं तो याद आता है कि जन्मदिन पर उपहार कैसा और क्या होना चाहिए। मेरे मित्र का दो दिन पहले ही जन्मदिन था। सोचता रहा कि क्या दूँ। मैं अपने माता-पिता के साथ बाज़ार गया। वहाँ बहुत कुछ देखा- खिलौने, पुस्तकें, कपड़े, क्रिकेट सैट और भी कई सजावट की चीजें। ख़रीदना तो किसी एक को था। फिर सोचता रहा कि पसंद आएगा या नहीं। तभी मम्मी ने सुझाव दिया कि कुछ पुस्तकें खरीद ली जाएँ, क्योंकि उसकी पढ़ने में अधिक रुचि है। मम्मी की बात मानकर मैंने (Famous Five Series) खरीदी। मित्र को आश्चर्यचकित करने के लिए इन्हें सुंदर से रंगीन कागज़ में लपेटकर ले गया। जन्मदिन की पार्टी समाप्त होने पर मित्र ने उपहार खोलने में मदद के लिए रोक लिया। मैं भी यह देखने के लिए उत्साहित था कि उसे मेरा उपहार पसंद आएगा या नहीं। हमने बारी-बारी सभी उपहार खोले। पसंद और नापसंद उसके चेहरे पर झलक रही थी। जब उसने मेरा उपहार खोला तो उसके चेहरे पर खुशी को देखकर मैं गद्‌गद हो गया। मन में सोचने लगा कि मेरा उपहार उसे सबसे अधिक पसंद आया है। मित्र ने मुझे धन्यवाद करते हुए कहा कि इस (Famous Five Series) को पढ़ने की बहुत लालसा थी, जो आज पूरी हुई। मित्रो, किसी के लिए उपहार खरीदते समय हमें उसकी पसंद को ध्यान में रखना चाहिए।

मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन

संकेत बिंदु : जीवन का अच्छा दिन, जीवन का बुरा दिन, भाई से मिलने का खुशी
मनुष्य के जीवन का हर दिन एक समान नहीं होता। जीवन में उतार-चढ़ाव आते ही रहते हैं। कई दिन तो इतने बुरे बीतते हैं कि हम उन्हें भूल जाना चाहते हैं, परंतु कुछ दिन ऐसे होते हैं जिन्हें हम अपनी यादों में सदा के लिए संजोकर रख लेना चाहते हैं। उन्हें याद करने मात्र से ही हमें सुख और खुशी का एहसास होता है। मेरे अब तक के जीवन में भी कई दिन आए और गए, परंतु 6 जून, 20xx मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन था। उसे मैं सदा अपनी यादों में सँजोकर रखना चाहती हूँ। नानी जी ने मेरा माथा चूमते हुए बताया कि मेरा भाई आया है। मैं तो खुशी से झूम उठी। मुझे लगा, आज मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन है, क्योंकि मैं भगवान से भाई के लिए रोज़ प्रार्थना करती थी। अब रक्षाबंधन के दिन मैं भी अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधा करूँगी। यह सोचकर मन खुशी से नाचने लगा। मैं अपनी नानी से जल्दी अस्पताल चलने के लिए कहने लगी, क्योंकि मुझे अपने भाई को देखना था। अस्पताल पहुँचकर सब लोगों ने मुझे प्यार किया और बधाई दी। लोगों

में मिठाई बाँटी गई। चारों ओर खुशी का माहौल था। मैं तो फूली न समाई और यही मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन था। वह दिन मेरे मन के आकाश में चाँद-तारे और सूरज की भाँति सदा चमकता रहेगा।

मेरा प्रिय खिलाड़ी

संकेत बिंदु : जीवन में खेलों का महत्व, प्रिय खिलाड़ी, उनकी विशेषता का उल्लेख।
खेल और खिलाड़ी में सभी रुची लेते हैं। भारत में क्रिकेट सबसे लोकप्रिय खेल है। क्रिकेट मैच के दिन लोग भारी संख्या में क्रिकेट के मैदान में टूट पड़ते हैं और भारतीय टीम को प्रोत्साहित करते हैं। मेरा प्रिय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर है। यह नाम आजकल बच्चे-बच्चे की जुबान पर है। छोटे-से-छोटा बच्चा भी उनकी तस्वीर देखकर उन्हें पहचान लेता है और उन्हीं की तरह बनना चाहता है। सचिन क्रिकेट के इतिहास में सबसे प्रतिभावान बल्लेबाज़ हैं। भारत की ओर से सन् 1989-90 में सोलह वर्ष की आयु में सचिन ने क्रिकेट के मैदान में पहली बार कदम रखा था। तब से आज तक वे नई-नई ऊँचाइयों को छूते हुए सदा आगे बढ़ते जा रहे हैं। वे आज जिस स्तर पर पहुँचे हैं, यह उनकी लगन और परिश्रम का फल है। उन्होंने अपने आपको पूर्ण रूप से क्रिकेट को समर्पित कर दिया है। सचिन की गिनती देश के ही नहीं, बल्कि विश्व के महान बल्लेबाज़ों में की जाती है। अपने नब्बे-वें जन्मदिन पर सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने सचिन को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित कर उनकी प्रशंसा की थी। ब्रैडमैन के बाद सचिन को ही श्रेष्ठ क्रिकेटर मानते हैं। सचिन कमाल के बल्लेबाज़ हैं। वे लगातार क्रिकेट के रिकॉर्ड तोड़ने में लगे हैं। सन् 1992 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलते हुए उन्होंने अपना पहला शतक बनाया। शेनर्वार्न जैसे महान गेंदबाज़ की गेंदों को उन्होंने इस तरह पीटा कि उनके छक्के छूट गए। सितंबर 1998 में जिंबाब्वे में 127 रन बनाकर वे एकदिवसीय क्रिकेट के सबसे अधिक शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। यह एकदिवसीय मैच में उनका 22वां शतक था। भारत सरकार ने भी उन्हें 'खेल-रत्न' और 'पद्मश्री' से सम्मानित किया है। मैं भविष्य में सचिन तेंदुलकर के समान श्रेष्ठ खिलाड़ी बनना चाहता हूँ।

हमारे जीवन में कंप्यूटर का महत्व

संकेत बिंदु : विज्ञान की महत्त्पूर्ण खोज, इसका विकास, प्रारंभिक अवस्था, प्रयोग में सावधानियाँ। आज कंप्यूटर का शोर चारों ओर है। यह विज्ञान की नवीनतम खोज है। इसका प्रचार और प्रसार दुनिया में बहुत तेज़ी से हुआ है। हमारा देश भी इस क्षेत्र में पीछे नहीं है। कंप्यूटर विज्ञान द्वारा बनाया गया एक यंत्र-दिमाग है। यह कठिन-से-कठिन अंकों की गुत्थियों को आसानी से सुलझा सकता है।

यदि मनुष्य से इसके संचालन में कोई गलती हो जाए तभी यह गलती कर सकता है, अन्यथा नहीं। सत्य तो यह है कि यह हमारे जीवन का एक ज़रूरी अंग बन चुका है। कंप्यूटर के खेल तो एक चार-पाँच साल का बच्चा भी आसानी से खेल सकता है। घर, स्कूल, कार्यालयों व बाजारों में, सभी जगह कंप्यूटरों का उपयोग हो रहा है। इंटरनेट के द्वारा हम अपनी सभी समस्याओं को आसानी से हल करने में सफल हुए हैं। 'ई-मेल' के द्वारा हम दूर बैठे व्यक्तियों से आसानी से तुरंत बातचीत कर सकते हैं। आज कंप्यूटर रहित जीवन की कल्पना करने से ही मन डरने लगता है। जीवन व्यर्थ व सूना-सूना लगने लगता है। जहाँ एक ओर कंप्यूटर ने मानव को अपना गुलाम बनाकर आलसी, मस्तिष्क से पंगु व कई लोगों को बेरोज़गार किया है, वहीं दूसरी ओर देश को प्रगति की ओर बढ़ाया है। कंप्यूटरीकरण आज समय की माँग है। इसका महत्त्व इसके सदुपयोग और दुरुपयोग पर निर्भर करता है।

जब मैंने साइकिल चलाना सीखा

संकेत बिंदु: जन्मदिन पर उपहार, चलाने के लिए उत्साहित, मन में छिपा डर, गिरना और चोट लगना, आत्मविश्वास जागाना, खुशी का ठिकाना न रहना

मेरे सातवें जन्मदिन पर मुझे मेरे नाना जी ने साइकिल दी। मैं इस साइकिल को पाकर उसे चलाने के लिए बहुत उत्साहित था। जिस दिन मुझे यह साइकिल मिली उसी दिन शाम को मेरी मम्मी जी ने सिखाने का प्रयास किया। मैं डर-डर कर उस पर बैठा। उन्होंने पीछे से उसे पकड़ा। मैं हैंडल पकड़कर चलाने की कोशिश करने लगा। बार-बार पीछे देखता कि मम्मी ने पकड़ा हुआ है या नहीं। थोड़ी देर तो मैं चलाता रहा कि मम्मी भी साथ हैं। अचानक मैंने पीछे देखा तो मुझे कोई दिखाई नहीं दिया। मैं डर गया और धड़ाम से नीचे गिर गया। मेरे दोनों घुटनों में बहुत चोट आई। कई दिन तक मुझे बिस्तर पर ही पड़े रहना पड़ा। कुछ दिन बाद जब मैं ठीक होने लगा तो साइकिल को फिर से चलाने का साहस जुटाया। तब पापा ने मेरा साथ दिया। पापा पीछे से साइकिल को पकड़ते और मैं चलाता। कई दिन तक यह सिलसिला चलता रहा। लेकिन इस बार मैं दृढ़-निश्चय से साइकिल पर बैठा कि सीख कर ही दम लूँगा। यह बात मैंने सुनी थी कि जिनके इरादे पक्के होते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। चलाते-चलाते मैं बहुत आगे पहुँच चुका था। मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। आज जब मैं साइकिल चलाता हूँ तो लगता है कि महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की तरह हवा से बातें कर रहा हूँ। इस उपलब्धि के लिए मैं अपने नाना जी और पापा को धन्यवाद देता हूँ।

पत्र लेखन

पत्र लेखन के द्वारा हम दूर स्थित सगे-संबंधियों, कार्यालय के अधिकारियों, व्यापारियों, तथा मित्रों के साथ मन के विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:

1. 1. पत्र किसको लिखना है और उसमें क्या समाचार लिखना है।
2. 2. जिसको पत्र लिखना है उससे संबंध और उसके पद के अनुसार शिष्टाचार-पूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
3. 3. पत्र की भाषा सरल-सरस तथा स्पष्ट होनी चाहिए।
4. 4. पत्र में व्यर्थ की बातें नहीं लिखनी चाहिए और न ही पत्र में अभिमान पूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
5. 5. पत्र का आरंभ तथा समाप्ति अच्छे ढंग से होनी चाहिए।
6. 6. पता लिखते समय पूर्ण सवधानी बरतनी चाहिए।

पत्र के भाग

पत्र को छः भागों में विभाजित किया जा सकता है:

1. पत्र लिखने वाले का सही पता और तिथि।
2. उचित संबोधन एवं अभिवादन।
3. कुशलता देना एवं कुशलता पूछना।
4. अन्य समाचार लिखना।
5. अंतिम भाग में लेखक का नाम व हस्ताक्षर।
6. पत्र पाने वाले का पता और तिथि।

***1.* गर्मियों की छुट्टियाँ साथ बिताने के लिए मित्र को निमंत्रण-पत्र।**

राजधानी पार्क, नई दिल्ली।
दिनांक : 07 जुलाई 20xx
मित्र शुभम
मधुर-स्मृति

मुझे आशा है कि तुम्हारे विद्यालय में गर्मी की छुट्टियों पर चर्चा होने लग गई होगी। कई विद्यार्थियों ने छुट्टियों में घूमने की योजना भी बना ली होगी। आप भी इस समय कहीं पर जाने का कार्यक्रम बनाने की तैयारी कर रहे होंगे। मैं इस पत्र द्वारा गर्मियों की छुट्टियाँ साथ बिताने के लिए निमंत्रण भेज रहा हूँ।

यह तो तुम्हे मालूम ही है कि मेरे मामा जी शिमला में मुख्याध्यापक हैं। उन्होंने पत्र भेजकर मुझे शिमला आने के लिए कहा है। शिमला का मौमस भी सुहावना रहता है। मामाजी कार द्वारा हमें घुमा भी देंगे और स्कूल का काम करने में भी हमारी मदद करेंगे। वहाँ पर मेरे पहले से ही कई मित्र हैं। हम साथ-साथ घूमेंगे तथा खेलेंगे। मुझे आशा है कि आप यह स्वर्णिम अवसर को अपने हाथ से नहीं जाने दोगे। व्यय के बारे में कोई चिंता न करना, वह सब प्रबंध मैं पहले से ही कर चुका हूँ।

तुम मेरे पास कब तक पहुंच जाओगे, शीघ्र लिखना। माताजी तथा पिताजी को मेरी तरफ से प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र मयंक

2. पत्र/पत्रिका का ग्राहक बनने के लिए संपादक को पत्र।

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स, दिल्ली,

श्रीमान् जी,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपकी पत्रिका चंदा मामा का नियमित पाठक हूँ। मुझे यह प्रिय पत्रिका हर बार कठिनाई से प्राप्त होती है। अतः मैं इस पत्रिका का स्थायी ग्राहक बनना चाहता हूँ। कृपया अपनी ग्राहक सूची में मेरा नाम तथा पता भी लिख लें, ताकि आगामी मास से यह पत्रिका नियमित रूप से मुझ तक पहुँच सके। मैं आपका अति आभारी रहूँगा।,

पत्रिका का चंदा मैं मनीआर्डर द्वारा भेज रहा हूँ।

शुभाकांक्षी

अमन कुमार

1207/34, राज नगर, गाजियाबाद

दिनांक : 7 मार्च 20xx

3. गाड़ी के प्रबंध के लिए प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,
मान्यवर प्रधानाचार्य जी,
आदर्श बाल निकेतन,
जालंधर।
श्रीमान् जी,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में पाँचवी (बी) कक्षा का विद्यार्थी हूँ। मेरा घर विद्यालय से लगभग चार किलोमीटर की दूरी पर है। पैदल चलकर विद्यालय आने में असुविधा रहती है तथा कभी-कभी विद्यालय पहुंचने में देर भी हो जाती है। वर्षा होने पर विद्यालय पहुँचना असंभव हो जाता है।
श्रीमान् जी मेरे मोहल्ले में विद्यालय द्वारा भेजी हुई दो गाड़ियाँ आती हैं। गाड़ी में बैठने का स्थान भी है। अतः आपसे प्रार्थना है कि आप मुझे गाड़ी द्वारा विद्यालय आने की आज्ञा प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद
दिनांक: 14 अप्रैल 20xx
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अंशुल शर्मा, कक्षा पाँचवी (बी)

4. त्रैमासिक परीक्षा में आए अंकों की जानकारी देते हुए बड़े भाई को पत्र।

छात्रावास,
मॉडल पब्लिक स्कूल,
देहरादून
दिनांक : 4 जून, 20xx
आदरणीय भाई साहब,
सादर प्रणाम।
आपका पत्र मिला। पत्र पढ़कर मालूम हुआ कि आपने मेरे त्रैमासिक परीक्षा के अंक जानने चाहे हैं। प्रिय भाई मुझे अंक कार्ड कल ही मिला है। आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मै 700 अंकों में से 650 अंक प्राप्त करके अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पर रहा हूँ। गणित में मेरे 100 में से 98 तथा अंग्रेजी में 92 अंक आए हैं। संस्कृत में 88 अंक हैं जो मुझे कम लग रहे हैं। इस कमी को अगली परीक्षा में सुधारने का प्रयत्न करूँगा। फोन द्वारा पिताजी को भी मेरे परीक्षा के परिणाम से अवगत करा देना।

माताजी को प्रणाम।
पाने वाले का पता
आपका छोटा भाई
रोहित

5. प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र, बुक बैंक से पुस्तकें दिलवाने के लिए।

सेवा में,
श्रीमान् प्रधानाचार्य जी,
केंद्रीय विद्यालय,
जनकपुरी, नई दिल्ली
मान्यवर,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में पाँचवी (बी) कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिताजी निर्धन व्यक्ति हैं और मुझे पढ़ा सकने में असमर्थ हैं। मैं जैसे-तैसे अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ। मैने कुछ रुपये इधर-उधर कार्य करके इकट्ठे किए थे। उससे मैंने विद्यालय में प्रवेश तथा कुछ कापियाँ खरीद ली हैं। लेकिन अपनी कक्षा की पुस्तकें खरीद पाने में असमर्थ हूँ। मेरी निर्धनता को देखते हुए अपने विद्यालय के बुक बैंक से पाँचवी कक्षा की सारी पुस्तकें दिलवाने की आज्ञा प्रदान करें। जिससे मैं पुस्तकें न खरीद पाने की चिंता से मुक्त हो सकूँ। पुस्तकें दिलवाने की अति कृपा होगी। अतः इसके लिए मैं आजीवन आपका आभारी रहूँगा।
धन्यवाद
दिनांकः 14 मई, 20xx
आपका आज्ञाकारी शिष्य
राजेश
कक्षा- पाँचवी (बी)

6. पिता के स्थानांतरण हो जाने पर विद्यालय से प्रमाण पत्र लेने हेतु प्रार्थना-पत्र।

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
आदर्श बाल निकेतन,
कानपुर।
मान्यवर,

सानुरोध प्रार्थना है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण कानपुर से जयपुर हो गया है। इसलिए हमारा पूरा परिवार जयपुर जा रहा है। मुझे न चाहते हुए भी यह विद्यालय छोड़कर उनके साथ जाना पड़ रहा है। अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र देने की कृपा करें, ताकि मेरा वहाँ विद्यालय में प्रवेश हो सके।

धन्यवाद।

दिनांक : 8 सितंबर, 20xx

आपका आज्ञाकारी शिष्य

राजेश गुप्ता कक्षा पाँचवी

(ब) अनुक्रमांक -2

7. परीक्षा में कम अंक प्राप्त करने पर पिता की ओर से पत्र।

1241/3 अल्लीगंज

भागलपुर (बिहार)

दिनांक 4 अप्रैल 20xx

प्रिय योगेश,

स्नेहाशीष!

आपके प्रधानाचार्य द्वारा भेजा गया प्रगति कार्ड मिला। परीक्षा पत्र के अंक देखे। इतने कम अंक देखकर मन बहुत उदास हुआ। कहाँ तुम यहाँ पर प्रथम आते थे, और वहाँ पर पास होने के भी लाले पड़ गए हैं। क्या गणित में 35 अंक, अंग्रेजी में 27 अंक लेने के लिए तुम्हें छात्रवास में भेजा था। मुझे तुमसे ऐसी उम्मीद न थी, लगता है तुम बुरी संगत में पड़ गए हो। अब भी समय रहते संभल जाओ। मुझे आशा है कि तुम अगली परीक्षा में अच्छे अंक लेकर मेरे दुःखी मन को प्रसन्न करने का प्रयत्न करोगे। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, इसे समझकर अच्छे अंक लेने के लिए अभी से जुट जाओ।

शुभाकांक्षी

तुम्हारा पिता

पत्र लेखन का क्या महत्त्व है? तथा अच्छे पत्र लेखन के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

पत्र लेखन के द्वारा हम दूर स्थित सगे-संबंधियों, कार्यालय के अधिकारियों, व्यापारियों, तथा मित्रों के साथ मन के विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:

1. पत्र किसको लिखना है और उसमें क्या समाचार लिखना है।

2. जिसको पत्र लिखना है उससे संबंध और उसके पद के अनुसार शिष्टाचार-पूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

3. पत्र की भाषा सरल-सरस तथा स्पष्ट होनी चाहिए।

4. पत्र में व्यर्थ की बातें नहीं लिखनी चाहिए और न ही पत्र में अभिमान पूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

5. पत्र का आरंभ तथा समाप्ति अच्छे ढंग से होनी चाहिए।

6. पता लिखते समय पूर्ण सवधानी बरतनी चाहिए।

विषय - हिंदी	पाठ 15 बिशन की दिलेरी	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 16 पानी रे पानी	शब्द निर्माण एव	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

पाठ 15 बिशन की दिलेरी

कठिन शब्द --

1 लाइसेंस

2 सरपंच

3 तीतर

4 घायल

5 कर्नल

प्रश्न उत्तर ---

कहानी से

प्रश्न 1.

जी हाँ, हमारे पास लाइसेंस वाली बंदूकें हैं। सरपंच माधोसिंह भी हमें जानता है।'' शिकारियों ने कर्नल साहब से क्या सोचकर ऐसा कहा होगा?

उत्तर:

शिकारियों ने कर्नल साहब से ऐसा इसलिए कहा होगा ताकि कर्नल साहब यह समझ जाएं कि वे (शिकारी) अवैध -रूप से तीतर का शिकार नहीं कर रहे हैं। बल्कि उन्हें सरकार से लाइसेंस वाली बंदूकें मिली हैं। इतना ही नहीं, वे यह भी साबित करना चाहते थे कि वे उस इलाके में अजनबी नहीं है। उन्हें वहाँ का सरपंच माधोसिंह अच्छी तरह जानता है।

प्रश्न 2.

बिशन घायल तीतर को क्यों बचाना चाहता था?

उत्तर:

घायल तीतर को देखकर बिशन का दिल पिघल गया। वह उसको घायल अवस्था में असहाय नहीं छोड़ सकता था।

अतः उसने उसे उठा लिया और उचित इलाज करके तीतर को बचा लिया।

प्रश्न 3.

घायल तीतर को बचाने के लिए उसे किस तरह की परेशानियाँ हुईं?

उत्तर:

उसने झाड़ियों से गुजरकर बड़ी मुश्किल से घायल तीतर को पकड़ा। शिकारियों से बचने के लिए

उसे कैंटीले तारों की बाड़ में से होकर गुजरना पड़ा। उसे घुटने के बल भी चलना पड़ा। बहुत सँभलकर चलने पर भी उसके हाथ-पाँव पर काँटों की बहुत-सी खरोंचें उभर आईं। खरोंचों से खून भी निकलने लगा। कमीज की एक आस्तीन भी फट गई जिसके कारण माँ से डाँट खानी पड़ सकती थी। उसे चिमनी के पीछे छिपना पड़ा। तीतर को बड़ी मुश्किल से एक टोकरी में छिपा सका।

प्रश्न 4.

घायल तीतर अगर तुम्हें मिला होता, तो क्या तुम उसे पालते या अच्छा होने पर छोड़ देते? क्यों?

उत्तर:

घायल तीतर को बिल्कुल स्वस्थ होने तक मैं उसे अपने पास रखता। फिर उसे छोड़ देता ताकि वह स्वच्छंद जीवन जी सके।

भाषा की बात

प्रश्न 1.

इन वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

(i) सुबह की हल्की धूप में खेत सुनहरे दिखाई दे रहे थे।

(ii) वह इतना तेज़ चल रहा था मानो उसके पंख लग गए हों।

उत्तर:

(i) सुबह की हल्की धूप खेतों में खिल रही थी।

(ii) वह इतना तेज चल रहा था जैसे उसके पैरों में पंख लगे हों।

प्रश्न 2.

"तीतर स्वेटर में फंस गया तो बिशन ने उसे पकड़ लिया और अपने सीने से चिपका लिया"। ऊ लिखे वाक्य में 'उसे' शब्द का इस्तेमाल 'तीतर' के लिए किया गया है। एक ही संज्ञा का बार-बार इस्तेमाल .' करने की बजाय उसकी जगह पर कुछ खास शब्दों का प्रयोग किया जाता है। ऐसे शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम का ठीक रूप छाँटकर लिखो।

(क) मास्टर साहब ने अप्पाराव को ..... पास बुलाकर
कहा, ... कल ..... घर आना। (मैं, अपना, तुम)

(ख) सेंटीला ..... घर नागालैंड के किस शहर में है? (तुम)

(ग) सुधा ने ..... बुआ से पूछा, पापा ..... कितने बड़े हैं? (आप)

(घ) मोहन को समझ में नहीं आ रहा कि ..... क्या करना चाहिए? (वह)

(ङ) विमल ने …… अफ़सर को याद दिलाया कि …… चार बजे बैठक में जाना है। (आप, वह)

उत्तर:

(क) अपने, तुम

(ख) तुम्हारा

(ग) अपनी, आपसे

(घ) उसे

(ङ) अपने, उन्हें।

प्रश्न 3.

इन वाक्यों को पूरा करो

(क) वह इतना धीरे चल रहा था, मानो ……

……

(ख) रात में चमकते तारे ऐसे दिख रहे थे, मानो ……

……

(ग) तुम तो मंगल ग्रह के बारे में ऐसे बता रहे हो, मानो ……

……

(घ) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी, मानो ……

……

उत्तर:

(क) चीटी चल रही हो।

(ख) आकाश में दूधिया चादर बिछा हो।

(ग) तुम वहाँ के बाशिंदे हो।

(घ) अभी खा जाएगी उसे।।

फसलों के इर्द-गिर्द

प्रश्न 1.

इस कहानी में सेबों के खेत और सीढ़ीनुमा खेत का ज़िक्र आया है। अनुमान लगाकर बताओ कि यह कहानी भारत के किस भौगोलिक क्षेत्र की होगी और वहाँ सीढ़ीनुमा खेती क्यों की जाती होगी?

उत्तर:

यह कहानी भारत के पहाड़ी इलाके की होगी। पहाड़ी इलाकों में समतल भूमि नहीं होती। वहाँ

पहाड़ों को यथासंभव काट-काटकर सीढ़ीनुमा बनाया जाता है और उसी पर खेती की जाती है। ऐसे में भारी बारिश का पानी फसलों के बीच टिक नहीं पाता हैं जो कि अच्छी फसल के लिए आवश्यक है। बर्फ भी पिघलकर फिसल जाता है और खेती बर्बाद नहीं होती है।

प्रश्न 2.

"सेबों के बाग में कीटनाशक दवा का छिड़काव हो रहा था ।" यों तो कीटनाशक दवाएँ फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़ा लगने से बचाती हैं, पर

(क) ये कीटनाशक दवाएँ कीड़ों को नष्ट करती हैं। इनसे इनका सेवन करने से क्या हमें भी नुकसान होता होगा? पता करो और कक्षा में बातचीत करो।

(ख) ऐसे में फलों और सब्जियों का इस्तेमाल करने से पहले किन बातों को ध्यान में रखना जरूरी होगा?

उत्तर:

(क) कीटनाशक दवाएँ फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़ों से बचाती हैं। लेकिन जब हम इन्हें खाते हैं तो ये हमें भी नुकसान पहुँचाती हैं। हमारा पाचन तंत्र गड़बड़ हो जाता है।

(ख) फलों और सब्जियों को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह धोकर उन्हें पोंछ लेना चाहिए। जहाँ तक संभव हो उनके छिलके को उतार लेना चाहिए।

तुम्हारे आस-पास

प्रश्न 1.

कर्नल दत्ता ने घायल तीतर को गेंदे की पत्तियों का रस पिलाने के लिए कहा। पत्तों का इस्तेमाल कई कामों के लिए होता है। नीचे लिखी पत्तियों का इस्तेमाल किसलिए होता है?

उत्तर:

- तुलसी-तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल पूजा-पाठ तथा चाय बनाने में होता है।
- नीम-फोड़े-फुसी निकलने पर नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाया जाता है, पत्तियों को पीसकर घाव पर उसका लेप भी चढ़ाया जाता है।
- मीठा नीम-सब्जियों तथा दाल को अधिक जायकेदार बनाने में मीठे नीम की पत्तियों को इस्तेमाल होता है।

- आम-पूजा-पाठ में आम की पत्तियों का उपयोग होता है।
- अमरूद-दवा बनाने में अमरूद के पत्तों का इस्तेमाल होता है।
- तेजपत्ता-सब्जियों को जायकेदार बनाने में तेजपत्ता का प्रयोग होता है।
- केला-पूजा-पाठ में केले के पत्ते का प्रयोग होता है।
- सागवान-इनके पत्तों से दोने तथा पत्तल बनाए जाते हैं।

प्रश्न 2.

कर्नल साहब के कहने पर बिशन दौड़कर 'दवाइयों का बक्सा' ले आया। इसे तुम प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स/फर्स्ट एड बॉक्स के नाम से जानते होंगे।

(क) इस बॉक्स में क्या-क्या चीजें होती हैं?

(ख) इसका इस्तेमाल कब-कब किया जाता है?

उत्तर:

(क) प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स में रूई, डिटॉल, क्रेप बैन्डेड, छोटी कैंची, घाव पर लगाने के लिए मलहम, पट्टी, पुदीन हरा आदि चीजें होती हैं।

(ख) इसका इस्तेमाल तब होता है जब किसी को मामूली चोट लग जाती है, या शरीर के किसी अंग से खून निकलने लगती है।

प्रश्न 3.

तुमने पर्यावरण अध्ययन में पढ़ा होगा कि पहाड़ी क्षेत्रों में आमतौर पर छतें ढलावदार बनाई जाती हैं। सोचकर बताओ ऐसा क्यों किया जाता है?

उत्तर:

पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी खूब होती है। वर्षा भी उतनी ही अधिक होती है। इसीलिए उन क्षेत्रों में छतें ढलावदार बनाई जाती हैं ताकि पानी बिना रुकावट बह जाए और बर्फ भी पिघलकर नीचे गिर जाए।

पहाड़ी इलाका

इस कहानी में पहाड़ी, घाटी, शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। पहाड़ी इलाके से जुड़े हुए और शब्द सोचकर लिखो।

जैसे-ढलान, चट्टान आदि।

उत्तर:

पथरीला, चोटी, सीढ़ीनुमा, झाड़ी, टेढ़ा-मेढ़ा, पहाड़ी नदी, बर्फीला, पहाड़, संकरा आदि।

तीतर

प्रश्न 1.

पहेली–तीतर के दो आगे तीतर

तीतर के दो पीछे तीतर

बोलो कितने तीतर

उत्तर:

तीन तीतर।

प्रश्न 2.

यहाँ तीतर का फोटो दिया गया है। गौर से देखो और उसका वर्णन करो। चौथी कक्षा में तुम यह कर चुके हो।

उत्तर:

तीतर कम ऊँचाई तक उड़ान भरने वाला एक छोटा पक्षी है। इसके पंख छोटे–छोटे होते हैं तथा यह देखने में सुंदर प्रतीत होता है। यह ज्यादातर झुंड में रहना पसंद करता है।

पाठ

कठिन शब्द ---

तुम्हारे आस–पास

अपने आस–पास के बड़ों से पूछकर पता लगाओ

1. तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?

2. तुम्हारे घर का मैला पानी बहकर कहाँ जाता है?

3.

(क) तुम्हारे इलाके में धरती के अंदर का पानी कितने फीट या कितने हाथ नीचे है?

(ख) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी कितने नीचे था?

उत्तर:

1. हमारे घर में पानी जल बोर्ड के सप्लाई से आता है।

2. हमारे घर का मैला पानी बहकर नालों एवं सीवर में जाता है।

3.

(क) हमारे इलाके में धरती के अंदर का पानी लगभग 80–100 फीट नीचे है।

(ख) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी लगभग 20–25 फीट नीचे था।

अनुमान लगाओ

पाठ के आधार पर बताओ

1. अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छीनने के बराबर है। लेखक ऐसा क्यों मानते

2. बड़ी संख्या में इमारतें बनने से बाढ़ और अकाल का खतरा कैसे पैदा होता है?

3. धरती की गुल्लक किन-किन साधनों से भरती है?

उत्तर:

1. मोटर लगवाने वाले को पर्याप्त पानी मिल जाता है जबकि मोटर नहीं लगवाने वाले को पानी नहीं मिल पाता है। स्पष्टतः यह उनका हक छीनने के बराबर है।

2. बड़ी संख्या में इमारतें बनने से खाली भूमि कम पड़ती जाती है। ढकी भूमि जल नहीं सोख पाती है जिससे धरती की गुल्लक भर नहीं पाती। इससे गर्मी में अकाल और बरसात में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

3. हमारे गाँव में, शहर में जो छोटे-बड़े तालाब, झील आदि हैं वे धरती की गुल्लक भरने का काम करते हैं। इनमें जमा पानी जमीन के नीचे छिपे जल के भंडार में धीरे-धीरे रिसकर, छनकर जा मिलता है।

यदि हाँ तो...

1. क्या तुम्हारे इलाके में कभी बाढ़ आई है? यदि हाँ, तो उसके बारे में लिखो।

2. क्या तुम्हारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है? यदि हाँ, तो बताओ कि कैसे तुम्हारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है?

3. क्या तुम्हारे मोहल्ले में रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है? यदि हाँ, तो बताओ कि तुम्हारे घर में रोज़ औसतन कितने लीटर पानी खरीदा जाता है? इस पर कितना खर्चा होता है?

उत्तर:

1. हमारे इलाके में बाढ़ तब आई थी जब मेरा जन्म भी नहीं हुआ था। माता-पिता बताते हैं कि वह बहुत भयंकर बाढ़ थी। सारी बस्तियाँ पानी में डूब गईं थीं। हजारों लोग बेघर हो गए थे, लोग खाने खाने को मोहताज थे। छतों पर हेलिकॉप्टर से खाने का पैकेट गिराये जाते थे जो कि पर्याप्त नहीं होते थे। बच्चों और बूढ़ों की हालत काफी बदतर थी।

2. हाँ, मेरे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है। इसीलिए घर के लोगों की दिनचर्या पानी आने के साथ शुरू – हो जाती है। पानी प्रातः 6.30 में आता है जो करीब दो घंटे रहता है नहाना, कपड़ा-धोना आदि काम इसी बीच कर लेना पड़ता है। हम इन दो घंटों में दूसरा कोई

काम नहीं करते बल्कि केवल पानी से जुड़े काम ही करते हैं।
3. हाँ, मेरे मुहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है। स्वयं मेरे घर में रोज़ औसतन 30 लीटर पानी खरीदा जाता है। इस पर 60 रुपये खर्च होते हैं।

संकट क्यों?
1. पाठ में पानी के संकट के किस प्रमुख कारण की बात की गई है?
2. पानी के संकट का एक और मुख्य कारण पानी की फिजूलखर्ची भी है। कक्षा में पाँच-पाँच के समूह में बातचीत करो और बताओ कि अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए तुम क्या-क्या उपाय कर सकते हो?
3. जितना उपलब्ध है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने से पानी का संकट उत्पन्न होता है। क्या यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं?
उत्तर:
1. नदी-नालों तथा तालाबों को कचरे से पाटकर, भरकर समतल बना देना पानी के संकट का प्रमुख कारण है।
2. स्वयं करो।
3. हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं। हमें बिजली को सावधानीपूर्वक खर्च करना चाहिए। यदि खर्च उपलब्धता से अधिक होगा तो जाहिर है संकट पैदा होगा ही।

पानी का चक्कर-भाषा का चक्कर
1. पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर और नारे तैयार करो। यह काम तुम चार-चार के समूह में कर सकते हो।
2. "पानी की बर्बादी, सबकी बर्बादी" इस नारे में 'बर्बादी' शब्द का एक अर्थ है या दो अलग अर्थ हैं, सोचो।
3. पानी हमारी जिंदगी में महत्वपूर्ण तो है ही, मुहावरों की दुनिया में भी उसकी खास जगह है। पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठे करो और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करो।
उत्तर:
1. पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर
उत्तर:
स्वयं करें।
पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे

- **पानी है अनमोल**
  बहाओ इसे न बेकार
- **जल ही जीवन है।**
- **जल की सुरक्षा**
  जीवन की सुरक्षा

2. ''पानी की बर्बादी'' में 'बर्बादी' का अर्थ है पानी को बर्बाद करना। ''सबकी बर्बादी'' में 'बर्बादी' का अर्थ है पानी की कमी से होने वाली परेशानियाँ।
3. पानी से संबंधित कुछ मुहावरे और उनका वाक्य प्रयोग

- **मुँह में पानी आना–मिठाइयाँ देखते ही भोलू के मुँह में पानी आ गया।**
- **आँखों में पानी भर आना–उसकी विपदा की कहानी सुनकर मेरी माँ की आँखों में पानी भर आया।**
- **पानी–पानी होना–अपनी गलती के कारण भरी सभा में वह पानी पानी हो गया।**
- **पानी फेरना–मेरी मेहनत पर तुमने पानी फेर दिया।**

व्याकरण भाग ---

क्रिया किसे कहते हैं?

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे:

लड़कियाँ गेंद खेल रही है।
अध्यापिका पढ़ा रही है।
बच्चे हँस रहे हैं।

ऊपर के वाक्यों में 'लिख रही हैं', 'खेल रहा है', 'पढ़ा रही हैं' और 'हँस रहे हैं' शब्द किसी काम के करने या होने का बोध हो रहा हैं। ये सभी शब्द क्रियाएँ हैं।

धातु

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे: पढ़, लिख, हँस, आ, जा, खेल आदि।
सामान्य रूप: धातु के आगे 'ना' लगाने से धातु का सामान्य रूप प्राप्त होता है। जैसे:

पढ़ + ना = पढ़ना
लिख + ना = लिखना
हँस + ना = हँसना

क्रिया के भेद

क्रिया के दो भेद होते हैं:
(i). सकर्मक क्रिया
(ii). अकर्मक क्रिया

1. सकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्ता के काम करने का फल कर्म पर पड़े, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
जैसे:
रमेश पुस्तक पढ़ता है।
मैं विद्यालय जाता हूँ।
पंकज पानी पीता है।

ऊपर लिखे वाक्यों में पढ़ता है', 'जाता है', 'पीता है' क्रियाएँ सकर्मक हैं। यहाँ 'पढ़ना' क्रिया का फल पुस्तक पर, 'जाता' क्रिया का फल विद्यालय पर और 'पीता' क्रिया का फल पानी पर पड़ रहा है। जिन वाक्यों में कर्म न होते हुए भी 'क्या' प्रश्न करने पर उत्तर मिलता है तो वह सकर्मक क्रिया होती है। जैसे- रमेश पढ़ता है। क्या पढ़ता? उत्तर- पुस्तक।

2. अकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्ता के काम करने का फल कर्म पर न पड़कर कर्ता पर पड़े उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे:
योगेश हँसता है।

घोड़ा दौड़ता है।
सुप्रिया चलती है।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'हँसता है', 'दौड़ता है', 'चलती है' क्रियाएँ अकर्मक हैं। ये बिना कर्म के हैं। यहाँ क्रिया का फल कर्ता पर पड़ रहा है ना कि कर्म पर। इन वाक्यों में 'क्या' प्रश्न करने पर उत्तर नहीं मिलता। जैसे:
विकास हँसता है।
क्या हँसता है? उत्तर- नहीं है।

क्रिया के कुछ अन्य भेद

1. द्विकर्मक

कभी-कभी सकर्मक क्रिया में दो कर्म होते हैं, ऐसी क्रियाओं को द्विकर्मक क्रिया कहा जाता है। जैसे:
(क) मोहन ने सोहन को घड़ी दी।
(ख) मैं सचिन को पत्र लिखूगा।
पहले वाक्य में सोहन और घड़ी तथा दूसरे वाक्य में सचिन और पत्र कर्म हैं, इसलिए यह द्विकर्मक क्रिया कहलाते हैं।

2. संयुक्त क्रिया

जब एक से अधिक क्रियाओं का प्रयोग एक साथ किया जाए, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं। जैसे:
(क) रोहित खाता जा रहा है।
(ख) अजय गाता चला जा रहा है।

3. प्रेरणादायक क्रिया

जहाँ कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे से कार्य करवाए, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। जैसे:
(क) माँ नौकर से कपड़े धुलवाती है।

(ख) पिता अध्यापक से पुत्र को पढ़वाता है।
यहाँ 'धुलवाती है', 'पढ़वाता है' प्रेरणार्थ क्रियाएँ हैं

धातु किसे कहते हैं? और धातु से क्रिया कैसे बना सकते हैं?

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे: पढ़, लिख, हँस, आ, जा, खेल आदि।
सामान्य रूप:
धातु के आगे 'ना' लगाने से धातु का सामान्य रूप प्राप्त होता है। जैसे:
पढ़ + ना = पढ़ना
लिख + ना = लिखना
हँस + ना = हँसना

शब्द निर्माण – उपसर्ग

जो शब्दाशों से पहले जुड़कर उनके अर्थ बदल देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं।
हर भाषा में अधिकतर शब्द अपने मूल रूप में ही प्रयुक्त होते हैं। लेकिन कुछ शब्द ऐसे हैं जिनके आगे या पीछे कुछ शब्दांश लगाए जाते हैं और उनसे नए शब्द बन जाते हैं। इस प्रकार के शब्दों को यौगिक शब्द कहते हैं। शब्द के आगे जो शब्दांश लगता है उसे उपसर्ग कहते हैं और जो पीछे लगते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं।

उपसर्ग	अर्थ	शब्द
अ	अभाव	अजर, अमर, अप्रसन्न
अन	रहित	अनबन, अनजान, अनमोल
अध	आधा	अधमरा, अधपका, अधखिला
औ	रहित	औगुण, औतार, औघट
कु	बुरा	कुपुत्र, कुकर्म, कुचाल

स	साथ	सरस, सबल, सशक्त
नि	रहित	निडर, निहत्था, निठल्ला
भर	पूरा	भरपूर, भरपेट, भरकर
पर	दूसरी पीढ़ी का	परदादा, परपोता, परनाना
उन	एक कम	उनतीस, उनसठ, उनतालीस

प्रत्यय

जो शब्दांश शब्दों के अंत में जुड़कर उनके अर्थ को बदल देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।
कुछ शब्दों के पीछे शब्दांश लगाकर नए शब्द बनाए जाते हैं। इससे शब्द के अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। शब्दों के पीछे शब्दांश जोड़कर नए शब्द बने, ये सभी शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं।

प्रत्यय	शब्द	प्रत्यय शब्द
ऊ	चाल, डाक	चालू, डाकू
आका	उड़, लड़	उड़ाका, लड़ाका
वैया	गा, खा	गवैया, खवैया
आलु	कृपा, दया	कृपालु, दयालु
आई	लड़, सुन, पढ़	लड़ाई, सुनाई, पढ़ाई
आन	लग, चढ़	लगान, चढ़ान
प्रत्यय	**शब्द**	**प्रत्यय शब्द**
आव	चढ़, बह, फैल	चढ़ाव, बहाव, फैलाव
ना	खा, गँवा	खाना, गँवाना
नी	ओढ़, चट	ओढ़नी, चटनी
ई	बोल, हँस	बोली, हँसी
ता	डूब, बह, चल	डूबता, बहता, चलता

शब्द निर्माण किसे कहते हैं?

शब्दों के आरंभ अथवा अंत में कुछ जोड़कर अथवा उनकी मात्राओं या स्वर में कुछ परिवर्तन करके नवीन-से-नवीन अर्थ-बोध कराना चाहते हैं। इस तरह एक शब्द से कई अर्थों की अभिव्यक्ति हेतु जो नए-नए शब्द बनाए जाते हैं उसे शब्द-रचना कहते हैं।

.विषय - हिंदी	पाठ 17 छोटी सी हमारी नदी	व्याकरण भाग	विषय अध्यापिका - DEEPTI
जुलाई माह का पाठ्यक्रम	पाठ 18 हिमालय की चुनौती	निबंध , अपठित गद्द्यांश एव पद्द्यंश	पाठ से सम्बंधित सभी प्रश्न उत्तर

कठिन शब्द ---

1 हिमालय

2 परिचित

3 धार

4 पाट

5 बालू

6 कीचड़

7 किनारे

8 बरसात में नदी

प्रश्न उत्तर --

तुम्हारी नदी

प्रश्न 1.

तुम्हारी देखी हुई नदी भी ऐसी ही है या कुछ अलग है? अपनी परिचित नदी के बारे में छूटी हुई जगहों पर लिखो-

उत्तर:

चंचल – सी हमारी नदी तेज इसकी धार

गर्मियों में हम बच्चे, मिलकर जाते पार

प्रश्न 2.

कविता में दी गई इन बातों के आधार पर अपनी परिचित नदी के बारे में बताओ

- धार
- पाट
- बालू
- कीचड़
- किनारे
- बरसात में नदी

उत्तर:

- धार-मेरी परिचित नदी की धार बहुत तेज है।।
- बालू-नदी के तल में सफेद बालू है।
- कीचड़-बरसात के दौरान इस नदी में थोड़ा-बहुतं कीचड़ हो जाता है।

- किनारे-इस नदी के किनारों पर नारियल के पेड़ हैं।
- बरसात में नदी-बरसात के दौरान नदी में पानी भर आता है।

प्रश्न 3.
तुम्हारी परिचित नदी के किनारे क्या-क्या होता है?
उत्तर:
मेरी परिचित नदी के किनारे एक बड़ा-सा मंदिर है। श्रद्धालुगण नदी में नहाकर उसका जल लोटा में लेकर मंदिर में पूजा करने जाते हैं। गाँव के बच्चे नदी में खूब उछल-कूद करते हैं। वे मिलकर नदी से मछलियाँ भी पकड़ते हैं। नदी में बहुत-सी नावें भी होती हैं जो लोगों को इस पार से उस पार ले जाती हैं।

प्रश्न 4.
तुम जहाँ रहते हो, उसके आस-पास कौन-कौन सी नदियाँ हैं? वे कहाँ से निकलती हैं और कहाँ तक जाती हैं? पता करो।
उत्तर:
स्वयं करो।

कविता के बाहर
प्रश्न 1.
इसी किताब में नदी का ज़िक्र और किस पाठ में हुआ है? नदी के बारे में क्या लिखा है?
उत्तर:
इस कविता को फिर से पढ़ो और बताओ कि नदी के बारे में उसमें क्या लिखा है।

प्रश्न 2.
नदी पर कोई और कविता खोजकर पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।
उत्तर:
स्वयं करो।

प्रश्न 3.
नदी में नहाने के तुम्हारे क्या अनुभव हैं?
उत्तर:
एक बार जब मैं नानी के घर गया था, मुझे नदी में नहाने का अवसर मिला। नदी के अथाह

पानी में नहाना एक अलग किस्म का सुखद अनुभव देता है। पानी से निकलने का कभी मन नहीं करता। मैं तो बहुत देर तक नहाता रहा। जबकि मेरे साथ के सारे बच्चे निकल गए। फिर नानाजी के आने और उनके कई बार कहने पर मैं नदी से बाहर आया। आह! कितना मजेदार है नदी में नहाना। काश! ऐसा मौका बार-बार मिलता।

प्रश्न 4.
क्या तुमने कभी मछली पकड़ी है? अपने अनुभव साथियों के साथ बाँटो।
उत्तर:
स्वयं करो।

ये किसकी तरह लगते हैं?
1. नदी की टेढ़ी-मेढ़ी धार?
2. किचपिच-किचपिच करती मैना?
3. उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे?
उत्तर:
1. साँप की तरह।
2. स्वयं करो।
3. ऐसे लगते है जैसे बहुत-सारी मछलियाँ एकसाथ उछल-कूद कर रही हों।

कविता और चित्र
कविता के पहले पद को दुबारा पढ़ो। वर्णन पर ध्यान दो। इसे पढ़कर जो चित्र तुम्हारे मन में उभरा उसे बनाओ। बताओ चित्र में तुमने क्या-क्या दर्शाया?
उत्तर:
स्वयं करो।

कविता से
1. इस कविता के पद में कौन-कौन से शब्द तुकांत हैं? उन्हें छाँटो।
उत्तर:
तुकांत शब्दों की सूची

- धार-पार
- चालू-ढालू

- नाम-धाम
- डार-सियार
- **वन-सघन**
- नहालें-ढालें
- नहाना–छाना
- रेती-देती
- उतराती-दलानी
- कोलाहल-चंचल
- रोला-टोला।

प्रश्न 2.
किस शब्द से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे?
उत्तर:
ढोर-डंगर।

प्रश्न 3.
इस नदी के तट की क्या खासियत थी?
उत्तर:
तट ऊँचे थे और पाट ढालू।

प्रश्न 4.
अमराई दूजे किनारे ..... चल देतीं।
कविता की ये पंक्तियाँ नदी किनारे का जीता-जागता वर्णन करती हैं। तुम भी निम्नलिखित में से किसी एक का वर्णन अपने शब्दों में करो
(i) हफ्ते में एक बार लगने वाला हाट
(ii)तुम्हारे शहर या गाँव की सबसे ज्यादा चहल-पहल वाली जगह
(iii) तुम्हारे घर की खिड़की या दरवाज़े से दिखाई देने वाला बाहर का दृश्य
(iv) ऐसी जगह का दृश्य जहाँ कोई बड़ी इमारत बन रही हो।
उत्तर:
हफ्ते में एक बार लगने वाला हाट

हमारे इलाके में मंगल बाजार हर हफ्ते लगता है। उस दिन दोपहर के बाद से ही सड़कों पर चहल-पहल शुरू हो जाती है। और शाम होते-होते बाजार तरह-तरह की दुकानों से सज जाता है। यहाँ हर तरह की चीज़ सस्ते में उपलब्ध है। जो स्थायी दुकानें हैं उनको विशेष रूप से सजाया जाता है। जो दुकानें उस दिन के लिए लगायी जाती हैं, वे भी अच्छी तरह सजी होती हैं। सब्जीवाले सब्जियों को कलात्मक ढंग से सजाते हैं। मेले जैसी भीड़ में से। गुजरना बड़ा मुश्किल हो जाता है। स्त्री-पुरूष, बच्चे-बूढ़े सभी मंगल बाजार से अपनी जरूरत की चीजें खरीदते नजर आते हैं। इस बाज़ार की खासियत है कि एक जगह पर सेब जरूरत की चीजें मिल जाती हैं।

पाठ 18 हिमालय की चुनौती

कठिन शब्द --

कहाँ क्या है?

प्रश्न 1.

(क) लद्दाख जम्मू-कश्मीर राज्य में है। ऊपर दिए भारत के नक्शे में ढूँढ़ो कि लद्दाख कहाँ है और तुम्हारा घर कहाँ है?

(ख) अनुमान लगाओ कि तुम जहाँ रहते हो वहाँ से लद्दाख पहुँचने में कितने दिन लग सकते हैं और वहाँ किन-किन ज़रियों से पहुँचा जा सकता है?

(ग) किताब के शुरू में तुमने तिब्बती लोककथा 'राख की रस्सी' पढ़ी थी। नक्शे में तिब्बत को ढूँढ़ो।

उत्तर:

उपरोक्त तीनों प्रश्नों का उत्तर: विद्यार्थी मानचित्र की सहायता से स्वयं करें।

वाद-विवाद

प्रश्न 1.

(क) बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़ों के उदास और फीके लगने की क्या वजह हो सकती थी?

(ख) बताओ, ये जगहें कब उदास और फीकी लगती हैं और यहाँ कब रौनक होती है?

घर	**बाज़ार**	**स्कूल**	**खेत**

उत्तर:

(क) यहाँ हरे-भरे पेड़-पौधे नहीं थे न ही बर्फीला इलाका होने के कारण लोगों का आना जाना था।

(ख)

जगह	कब उदास और फीकी लगती है।	कब यहाँ रौनक होती है।
घर	जब घर के लोग बाहर गए होते हैं।	जब घर के सभी लोग घर में होते हैं। और आपस में प्यार से बोलते-बतियाते हैं।
बाज़ार	दोपहर के समय	शाम के समय, त्योहारों के अवसर पर
स्कूल	जब स्कूल में बच्चों की छुट्टी होती है।	जब तक स्कूल में बच्चे रहते हैं, वहाँ रौनक ही रौनक होती है।
खेत	जब फसल कट जाती है और खेत परती हो जाते हैं।	जब खेत में फसल लहलहाते हैं।

प्रश्न 2.

जवाहरलाल को इस कठिन यात्रा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए। तुम इससे सहमत हो तो भी तर्क दो, नहीं हो तो भी तर्क दो। अपने तर्कों को तुम कक्षा के सामने प्रस्तुत भी कर सकते हो।

उत्तर:

मैं इससे सहमत नहीं हूँ। रास्ते की कठिनाइयों का पहले ही अंदाजा लगा लेना और अलग हट जाना कहीं से सही नहीं है। हमें कठिनाइयों से मुँह नहीं मोड़ना चाहिए बल्कि उन्हें चुनौती मानकर उनका सामना करना चाहिए। हमारे अंदर इतना आत्मविश्वास और जोश जरूर होना चाहिए। जिसके सहारे हम कठिनाइयों को जहाँ तक बन पड़े पार करें। फिर यदि आगे बढ़ना बिल्कुल असंभव हो जाए तो वापस मुड़ जाएँ। ऐसा करने से हमें अफसोस या दुःख नहीं होगा बल्कि अपने आप पर गर्व होगा। और ऐसा ही सबको करना चाहिए। जवाहरलाल ने वही किया जो एक महान पुरूष करता है।

कोलाज

'कोलाज' उस तस्वीर को कहते हैं जो कई तस्वीरों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर एक कागज़ पर चिपका कर बनाई जाती है।

1. तुम मिलकर पहाड़ों का एक कोलाज बनाओ। इसके लिए पहाड़ों से जुड़ी विभिन्न तस्वीरें इकट्ठा करो-पर्वतारोहण, चट्टान, पहाड़ों के अलग-अलग नज़ारे, चोटी, अलग-अलग किस्म के पहाड़। अब इन्हें एक बड़े से कागज़ पर पहाड़ के आकार में ही चिपकाओ। यदि चाहो तो ये कोलाज तुम अपनी कक्षा की एक दीवार पर भी बना सकते हो।

2. अब इन चित्रों पर आधारित शब्दों का एक कोलाज बनाओ। कोलाज में ऐसे शब्द हों जो इन चित्रों का वर्णन कर पा रहे हों या मन में उठने वाली भावनाओं को बता रहे हों।

अब इन दोनों कोलाजों को कक्षा में प्रदर्शित करो।

उत्तर:

उपरोक्त दोनों प्रश्नों का उत्तर: स्वयं करो।

तुम्हारी समझ से

प्रश्न 1.

इस वृत्तांत को पढ़ते-पढ़ते तुम्हें भी अपनी कोई छोटी या लंबी यात्रा याद आ रही हो तो उसके बारे में लिखो।

उत्तर:

स्वयं करो।

प्रश्न 2.

जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा क्यों छोड़ना पड़ा?

उत्तर:

जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा इसलिए छोड़ना पड़ा क्योंकि आगे का रास्ता अनेकों गहरी और चौड़ी खाइयों से भरा पड़ा था। खाइयाँ पार करने का उचित सामान भी उनके पास नहीं था।

प्रश्न 3.

जवाहरलाल, किशन और कुली सभी रस्सी से क्यों बँधे थे?

उत्तर:

जवाहरलाल, किशन और कुली सभी रस्सी से इसलिए बँधे थे ताकि पैर फिसलने के कारण या किसी और कारण से वे पहाड़ से गिर जाएँ तो रस्सी के सहारे लटककर अपनी जान बचा सकें।

एकबार जवाहरलाल के साथ ऐसी घटना घट भी गई थी। रस्सी से बँधे होने के कारण किशन और कुली ने उन्हें खाई में से सुरक्षित ऊपर खींच लिया।

प्रश्न 4.

(क) पाठ में नेहरू जी ने हिमालय से चुनौती महसूस की। कुछ लोग पर्वतारोहण क्यों करना चाहते हैं?

(ख) ऐसे कौन-से चुनौती-भरे काम हैं जो तुम करना पसंद करोगे?

उत्तर:

(क) कुछ लोगों को पर्वतारोहण बेहद रोमांचक और चुनौतीपूर्ण लगता है। उनके अंदर कुछ असाधारण काम करने की लालसा होती है।

(ख) पूरे क्लास में सबसे अव्वल अंक लाने की चुनौती और स्कूल में आयोजित सभी मुख्य प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कुछ कर दिखाने की चुनौती।

बोलते पहाड़

प्रश्न 1.

- उदास फीके बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़
- हिमालय की दुर्गम पर्वतमाला मुँह उठाए चुनौती दे रही थी।

उदास होना'' और ''चुनौती देना'' मनुष्य के स्वभाव हैं। यहाँ निर्जीव पहाड़ ऐसा कर रहे हैं। ऐसे और भी वाक्य हैं। जैसे-

- बिजली चली गई।
- चाँद ने शरमाकर अपना मुँह बादलों के पीछे कर लिया।

इस किताब के दूसरे पाठों में भी ऐसे वाक्य हूँढ़ो।

उत्तर:

ऐसे कुछ वाक्य नीचे दिए जा रहे हैं

- नलों में अब पूरे समय पानी नहीं आता।
- हिमालय की दुर्गम पर्वतमाला मुँह उठाए चुनौती दे रही थी।
- फसल तैयार खड़ी थी।
- सुबह की हल्की धूप में खेत सुनहरे दिखाई दे रहे थे।

- सामने एक गहरी खाई मुँह फाड़े निगलने के लिए तैयार थी।

एक वर्णन ऐसा भी

पाठ में तुमने जवाहरलाल नेहरू की पहाड़ी यात्रा के बारे में पढ़ा। नीचे एक और पहाड़ी इलाके का वर्णन किया गया है जो प्रसिद्ध कहानीकार निर्मल वर्मा की किताब 'चीड़ों पर चाँदनी' से लिया गया है। इसे पढ़ो और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर: दो।

क्या यह शिमला है–हमारा अपना शहर–या हम भूल से कहीं और चले आए हैं? हम नहीं जानते कि पिछली रात ज़ब हम बेखबर सो रहे थे, बर्फ चुपचाप गिर रही थी। खिड़की के सामने पुराना, चिर–परिचित देवदार का वृक्ष था, जिसकी नंगी शाखों पर रूई के मोटे–मोटे गालों–सी बर्फ चिपक गई थी। लगता था जैसे वह सांता क्लॉज़ हो, एक रात में ही जिसके बाल सन–से सफेद हो गए हैं...। कुछ देर बाद धूप निकल आती है–नौले चमचमाते आकाश के नीचे बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ धूप सेकने के लिए अपना चेहरा बादलों के बाहर निकाल लेती हैं।''

(क) ऊपर दिए पहाड़ के वर्णन और पाठ में दिए वर्णन में क्या अंतर है?

(ख) कई बार निर्जीव चीज़ों के लिए मनुष्यों से जुड़ी क्रियाओं, विशेषण आदि का इस्तेमाल होता है, जैसे–पाठ , में आए दो उदाहरण उदास फीके, बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़'' या ''सामने एक गहरी खाई मुँह फाड़े निगलने के लिए तैयार थी।'' ऊपर लिखे शिमला के वर्णन में ऐसे उदाहरण हूँढ़ो।

उत्तर:

(क) ऊपर दिए पहाड़ के वर्णन में वृक्ष (देवदार) का वर्णन है। किन्तु पाठ में वृक्ष का वर्णन नहीं है बल्कि उजाड़ चट्टानों का वर्णन है।

(ख)

- **बर्फ़ चुपचाप गिर रही थी।**
- **..... जिसकी नंगी शाखा पर रुई के मोटे–मोटे गालों–सी बर्फ चिपक गई थी।**
- **कुछ देर बाद धूप निकल आती है।**
- **नीले चमचमाते आकाश के नीचे बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ धूप सेंकने के लिए अपना चेहरा बादलों के । बाहर निकाल लेती हैं।**

व्याकरण भाग ----

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जो अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं। कम से कम शब्दों में अपनी बात कहना एक कला है। ऐसे शब्दों से भाषा को संक्षिप्त करने में सहायता मिलती है।

वाक्य	एक शब्द
जो आँखों के सामने न हो	परोक्ष
जिसका आकार हो	साकार
जिसको भय न हो	निर्भय
जिसका आकार न हो	निराकार
जिसके पास बहुत धन हो	धनाढ्य
जो भूमि उपजाऊ हो	उर्वरा

वाक्य	एक शब्द
ऊपर कहा गया	उपर्युक्त
जो भूमि उपजाऊ न हो	ऊसर
व्याकरण जानने वाला	वैयाकरण
जो काम कठिन हो	दुष्कर
जो कभी न मरे	अमर
गोद लिया हुआ पुत्र	दत्तक

वाक्य	एक शब्द
जहाँ कोई न जा सके	अगम्य
जो पढ़ा-लिखा न हो	अनपढ़
ईश्वर में विश्वास रखने वाला	आस्तिक
ईश्वर में विश्वास न रखने वाला	नास्तिक
जो दिखाई न दे	अदृश्य:
जिसका कोई शत्रु न हो	अजात शत्रु

वाक्य	एक शब्द
सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
जो किसी से जीता न जा सके	अजेय
जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं	पुस्तकालय
जिसका आदि न हो	अनादि

जो थोड़ा जानता हो	अल्पज्ञ
जो कभी बूढ़ा न हो	अजर

वाक्य	एक शब्द
जो बिना वेतन के कार्य करे	अवैतनिक
जहाँ अनाथ रहते हों	अनाथालय
प्रतिदिन होने वाला	दैनिक
सप्ताह में एक बार होने वाला	साप्ताहिक
उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ
उपकार को न मानने वाला	कृतघ्न

वाक्य	एक शब्द
अनुकरण करने योग्य	अनुकरणीय
जिसका कोई मूल्य न हो	अमूल्य
जिसका कोई आधार न हो	निराधार
आज्ञा का पालन करने वाला	आज्ञाकारी
जो आँखों से अंधा हो	सूरदास
जिसमें रस न हो	नीरस

वाक्य	एक शब्द
पुस्तक लिखने वाला	लेखक
महीने में एक बार होने वाला	मासिक
प्रतिवर्ष होने वाला	वार्षिक
जिसमें बल न हो	निर्बल
माँस खाने वाला	माँसाहारी
साग-सब्जी खाने वाला	शाकाहारी

वाक्य	एक शब्द
जो आँखो के सामने हो	प्रत्यक्ष
देखने योग्य	दर्शनीय
दूसरों का भला करने वाला	परोपकारी
जिसके माता-पिता न हों	अनाथ
एक साथ पढ़ने वाले	सहपाठी

साफ–साफ बात कहने वाला	स्पष्टवादी

वाक्य	एक शब्द
जिसका पति मर चुका हो	विधवा
जिसका पति जीवित हो	सधवा
आकाश में घूमने वाला	नभचर
पानी में घूमने वाला	जलचर
जिसका भाग्य खराब हो	अभागा
जो अपनी इच्छा से काम करे	स्वेच्छाचारी

वाक्य	एक शब्द
जिसकी पत्नी मर गई हो	विधुर
पढ़ने वाले	विद्यार्थी
नीचे लिखा हुआ	निम्नलिखित
नीचे लिखा हुआ	निम्नलिखित
जो सब जगह हो	सर्वव्यापक
जो मीठा बोले	मृदुभाषी

वाक्य	एक शब्द
जो अपनी हत्या आप करे	आत्मघाती
जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
मन को मोह लेने वाला	मनमोहक
जो सब कुछ जानता हो	सर्वज्ञ
जिसमें रस हो	सरस
जिसका अर्थ हो	सार्थक

वाक्य	एक शब्द
जो कम बोले	मितभाषी
जहाँ प्रजा का राज्य हो	प्रजातंत्र
समाज से संबंध रखने वाला	सामाजिक
धर्म से संबंध रखने वाला	धार्मिक
राजनीति से संबंध रखने वाला	राजनैतिक
इतिहास से संबंध रखने वाला	ऐतिहासिक

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द की परिभाषा से आप क्या समझाते हैं?

कुछ ऐसे लाक्षणिक पद या शब्द भी हैं, जो अपने में पूरे एक वाक्य या वाक्यांश का अर्थ रखते हैं। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते हैं। जैसे– राम कविता लिखता है, अनेक शब्दों के स्थान पर हम एक ही शब्द 'कवि' का प्रयोग कर सकते हैं।

क्रिया किसे कहते हैं?

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे:

लड़कियाँ गेंद खेल रही है।
अध्यापिका पढ़ा रही है।
बच्चे हँस रहे हैं।

ऊपर के वाक्यों में 'लिख रही हैं', 'खेल रहा है', 'पढ़ा रही हैं' और 'हँस रहे हैं' शब्द किसी काम के करने या होने का बोध हो रहा हैं। ये सभी शब्द क्रियाएँ हैं।

धातु

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे: पढ़, लिख, हँस, आ, जा, खेल आदि।
सामान्य रूप: धातु के आगे 'ना' लगाने से धातु का सामान्य रूप प्राप्त होता है। जैसे:

पढ़ + ना = पढ़ना
लिख + ना = लिखना
हँस + ना = हँसना

क्रिया के भेद

क्रिया के दो भेद होते हैं:
(i). सकर्मक क्रिया
(ii). अकर्मक क्रिया

1. सकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्ता के काम करने का फल कर्म पर पड़े, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
जैसे:
रमेश पुस्तक पढ़ता है।
मैं विद्यालय जाता हूँ।
पंकज पानी पीता है।

ऊपर लिखे वाक्यों में पढ़ता है', 'जाता है', 'पीता है' क्रियाएँ सकर्मक हैं। यहाँ 'पढ़ना' क्रिया का फल पुस्तक पर, 'जाता' क्रिया का फल विद्यालय पर और 'पीता' क्रिया का फल पानी पर पड़ रहा है। जिन वाक्यों में कर्म न होते हुए भी 'क्या' प्रश्न करने पर उत्तर मिलता है तो वह सकर्मक क्रिया होती है। जैसे- रमेश पढ़ता है। क्या पढ़ता? उत्तर- पुस्तक।

2. अकर्मक क्रिया

जिस क्रिया में कर्ता के काम करने का फल कर्म पर न पड़कर कर्ता पर पड़े उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे:
योगेश हँसता है।
घोड़ा दौड़ता है।
सुप्रिया चलती है।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'हँसता है', 'दौड़ता है', 'चलती है' क्रियाएँ अकर्मक हैं। ये बिना कर्म के हैं। यहाँ क्रिया का फल कर्ता पर पड़ रहा है ना कि कर्म पर। इन वाक्यों में 'क्या' प्रश्न करने पर उत्तर नहीं मिलता। जैसे:
विकास हँसता है।
क्या हँसता है? उत्तर- नहीं है।

क्रिया के कुछ अन्य भेद

1. द्विकर्मक

कभी-कभी सकर्मक क्रिया में दो कर्म होते हैं, ऐसी क्रियाओं को द्विकर्मक क्रिया कहा जाता है। जैसे:
(क) मोहन ने सोहन को घड़ी दी।
(ख) मैं सचिन को पत्र लिखूगा।
पहले वाक्य में सोहन और घड़ी तथा दूसरे वाक्य में सचिन और पत्र कर्म हैं, इसलिए यह द्विकर्मक क्रिया कहलाते हैं।

2. संयुक्त क्रिया

जब एक से अधिक क्रियाओं का प्रयोग एक साथ किया जाए, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं। जैसे:
(क) रोहित खाता जा रहा है।
(ख) अजय गाता चला जा रहा है।

3. प्रेरणादायक क्रिया

जहाँ कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे से कार्य करवाए, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। जैसे:
(क) माँ नौकर से कपड़े धुलवाती है।
(ख) पिता अध्यापक से पुत्र को पढ़वाता है।
यहाँ 'धुलवाती है', 'पढ़वाता है' प्रेरणार्थ क्रियाएँ है

धातु किसे कहते हैं? और धातु से क्रिया कैसे बना सकते हैं?

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे: पढ़, लिख, हँस, आ, जा, खेल आदि।
सामान्य रूप:

धातु के आगे 'ना' लगाने से धातु का सामान्य रूप प्राप्त होता है। जैसे:

पढ़ + ना = पढ़ना

लिख + ना = लिखना

हँस + ना = हँसना